रांची
रविवार
04.09.2022
भाद्रपद शुक्ल पक्ष 08
विक्रम संवत 2079

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

रश्मि प्रवाह

सबसे मुश्किल रास्ता वह है जिस पर आपको हमेशा अकेले चलना पड़ता है, असल में वही रास्ता जिंदगी में आपको मजबूत बनाता है।

www.rastriyanaveenmail.com
रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित
वर्ष-23 अंक-212 पृष्ठ-12, मूल्य ₹ 1.50

न्यूज गैलरी

ब्रांच मैनेजर ने तीन कर्मियों पर फर्जीकागजात बनाकर एफडी की राशिन निकालने के प्रयास में प्राथमिकी दर्ज कराया

रांची। श्रीराम ट्रांसपोर्ट फाइनेंस कंपनी लिमिटेड के ब्रांच मैनेजर सतीश कुमार ने अपने तीन कर्मियों पर खाताधारकों के फर्जी कागजात बनाकर एफडी की जमा राशि को निकालने की कोशिश करने का आरोप लगाया है। इस संबंध में शाखा प्रबंधक ने कर्मचारी प्रभात कुमार, वैष्णवी कुमारी और वैष्णवी के खिलाफ अरगोड़ा थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। शाखा प्रबंधक की ओर से थाने में दिए गए आवेदन में कहा गया है कि उनकी कंपनी कुसई कॉलोनी डोरंडा में है। कंपनी नयी व पुरानी गाड़ियों को खरीदने के लिए लोन देती है। साथ ही फिक्स डिपोजिट का स्कीम भी चलाती है। बोकारो निवासी मो सुलेमान ने कंपनी में 15 लाख रुपए डिपोजिट किया था। बीते पांच अगस्त को धर्मेंद्र नामक एक व्यक्ति उनकी ब्रांच में पहुंचा। मो सुलेमान नामक खाताधारक के एफडी के कागजात को जांच करने के लिए दिया। शाखा के कर्मियों ने जब इसकी जांच की तो पता चला कि कागजात प्रभात के नाम पर है। प्रबंधक ने दावा किया है कि उक्त कर्मियों ने फर्जी कागजात के आधार पर दूसरे खाताधारा की जमा राशि को निकालने की योजना बनायी थी। दर्ज प्राथमिकी के आधार पर पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

युवक ने फंदे से झूलकर आत्महत्या कर

रांची। बरियातू थाना क्षेत्र के मोरहाबादी खलियान टोली के रहने वाले एक युवक ने फंदे से झूलकर आत्महत्या कर ली। शनिवार की सुबह युवक का शव उसके कमरे से फंदे से लटका हुआ मिला। युवक का नाम ब्रजेश प्रसाद है और वह उसी इलाके में पत्नी व बच्चों के साथ रहता था। पुलिस के अनुसार मृतक ब्रजेश की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। बताया जा रहा है कि बीते शुक्रवार की रात वह खाना खाने के बाद अपने कमरे में चला गया। पत्नी व बच्चे दूसरे कमरे में सोये हुए थे। काफी देर तक जब दरवाजा नहीं खुला तो परिजनों को अनहोनी होने का संदेह हुआ। धक्का देने के बाद जब परिजनों ने दरवाजा खोला तो देखा कि ब्रजेश पंखा में साड़ी को फंदा बनाकर उससे लटका हुआ है। आनन-फानन में परिजन उसे रिम्स ले गए, जहां मौजूद चिकित्सकों ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। पत्नी ने पुलिस को बताया कि वह सब्जी बेचा करता था। कुछ दिनों से वह सब्जी बेचने के लिए जा नहीं रहा था। उलटी-सीधी हरकत करता था। मामले में यूडी केस दर्ज किया गया है।

पूजा सिंह से जमीन के एवज में पांच लाख रुपए की ठगी, प्राथमिकी दर्ज

रांची। हरमू हाउसिंग कॉलोनी निवासी पूजा सिंह से जमीन के एवज में पांच लाख रुपए की ठगी की गई है। इस संबंध में पूजा ने मेसर्स राय काम के संचालक अरविंद कुमार और पुरानी रांची के अब्दुल हलीम के खिलाफ अरगोड़ा थाने में प्राथमिकी दर्ज की है। पूजा का आरोप है कि आरोपी अरविंद और हलीम से एक जमीन का सौदा तय हुआ था। इस एवज में दोनों को नवंबर 2021 में पांच लाख रुपए दिया था। लेकिन जमीन के कागजात सही नहीं होने पर दोनों से राशि की मांग की गई। दिसंबर 2021 से दोनों आरोपी राशि देने में टाल मटोल कर रहे हैं। आरोपियों ने पैसे मांगने पर धमकी भी दी है। इसके बाद वह सीधे थाना पहुंची और आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कराया।

पुलिस ने एक माह से फरार आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेजा

रांची। पुंदाग ओपी की पुलिस ने एक माह से फरार आरोपी को गिरफ्तार कर शनिवार को जेल भेज दिया है। जेल जाने वाले आरोपी का नाम मो परवेज आलम है और वह पुंदाग इलाही नगर का रहने वाला है। पुलिस के अनुसार बीते 23 जुलाई को इलाही नगर से हथियार व ब्राउन शूगर बरामद हुआ था। मामले में चार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेजा था। इसी मामले में तीन अन्य फरार में से पुलिस ने शुक्रवार की शाम आरोपी परवेज को गिरफ्तार किया है। पूछताछ में आरोपी ने पुलिस के समक्ष अपना जुर्म स्वीकार किया है।

ग्राहक के साथ मारपीट करने वाले बार के कर्मी पर मामला दर्ज

रांची। ग्राहक के साथ मारपीट करने वाले बार के कर्मी पर लालपुर थाना में प्राथमिकी दर्ज की गई है। नामकुम थाना क्षेत्र के कौशल पांडे के आवेदन पर यह प्राथमिकी दर्ज की गई है। कौशल पांडे ने प्राथमिकी में बताया है कि वह अपने साथी राहुल कुमार सिंह व अन्य साथियों के साथ लालपुर चौक स्थित एक बार में पार्टी करने गया था तो इसी दौरान मैनेजमेंट का काम देखने वाले अविनाश सिंह एवं रंजीत यादव द्वारा उन्हें वहां से जाने के लिए कहा जाने लगा।

जमीन कारोबारी जितेंद्र महतो पर हुई गोलीबारी का पुलिस ने किया खुलासा

दुश्मनों को फंसाने के लिए भाड़े के शूटरों से अपने ऊपर गोली चलवाई थी

नवीन मेल संवाददाता

रांची। रांची के सदर थाना क्षेत्र में जमीन कारोबारी जितेंद्र महतो पर हुई गोलीबारी का रांची पुलिस ने खुलासा कर दिया है। जमीन कारोबारी जितेंद्र महतो ने अपने दो कारोबारी दुश्मनों को फंसाने के लिए खुद पर ही भाड़े के शूटरों से अपने ऊपर गोली चलवाई थी। मामले में पुलिस ने जितेंद्र महतो सहित पांच को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है।

क्या है पूरा मामला : रांची एसएसपी किशोर कौशल ने पूरे मामले का खुलासा करते हुए बताया कि जमीन कारोबारी जितेंद्र महतो पर हुई फायरिंग केस में जांच में पाया है कि जितेंद्र ने कुछ जमीन कारोबारी को फंसाने की नियत से खुद पर फायरिंग करायी थी। शनिवार को पुलिस इस मामले में जमीन कारोबारी जितेंद्र को गिरफ्तार कर लिया। रांची के सीनियर एसपी किशोर कौशल ने बताया कि जितेंद्र महतो ने एफआईआर व बयान में जो बातें कहीं, उसकी जांच की गई तो मामला कुछ और निकला। जितेंद्र ने अपने बयान में एक कारोबारी सद्दाम व चौकीदार बिशु जो कि जमीन की देख रेख करता है पर हमले की साजिश व फायरिंग का शक जताया था। जितेंद्र ने बयान दिया था कि सद्दाम ने उसे 15 दिन पहले धमकी दिया था। लेकिन पुलिस की जांच में दोनों की संलिप्ता अभी तक सामने नहीं आई। वहीं आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी कैमरें व मोबाइल डंप की पड़ताल में भी कोई तथ्य नहीं मिले थे।

शूटरों को आठ लाख और नई कार का दिया था लालच : पुलिस के पूछताछ में जितेंद्र ने बताया है कि उसने अपने दो कारोबारी दुश्मनों को फंसाने के लिए खुद पर गोली चलवाई थी।इसके लिए उसने राहुल गुंजन दत्ता उर्फ माइकल जुरियन और चिराग टोप्पो से सम्पर्क किया और उन्हें 8 लाख रुपये और एक नया कार देने की बात कह खुद पर सुरक्षित तरीके से गोली चलवाई।इस काम मे जितेंद्र के राजू महतो और अमित महतो ने भी उसकी मदद की थी।मामले में पुलिस ने राजू और अमित को भी गिरफ्तार किया है।

तीन राउंड फायरिंग की बात कही थी

जितेंद्र ने अपने बयान में बताया था कि 29 अगस्त की रात वह अमित महतो के घर से लौट रहा था। रात में वह चेशायर होम रोड स्थित जमीन के पास पहुंचे थे, तभी स्कूटी सवार दो अपराधियों ने उन्हें रोक कर तीन राउंड फायरिंग की। जितेंद्र को हाथ में एक गोली लगी थी। लेकिन गोली हाथ से बाहर निकल गई थी। पुलिस इस बात का पता लगाने का प्रयास कर रही है कि जितेंद्र गोली से जख्मी हुआ था या फिर दूसरी चीज से घायल हुआ है। पुलिस ने आसपास के इलाके में लगे सीसीटीवी का फुटेज खंगाला, लेकिन स्कूटी पर सवार दोनों अपराधियों के बारे में कुछ पता नहीं चला।

टीम किशोर की पदयात्रा में मिला अपार समर्थन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। फेडरेशन ऑफ झारखण्ड चैंबर ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्रीज के चुनाव में मजबूत टीम के रूप में उभरी टीम किशोर मंत्री के प्रत्याशियों ने शनिवार को अपर बाजार के विभिन्न इलाकों का दौरा कर व्यापारियों से मुलाकात की और चुनाव में अपनी टीम के प्रत्याशियों के लिए समर्थन मांगा। प्रत्याशियों ने कुंजलाल स्ट्रीट, श्रद्धानंद रोड, ज्योति संगम लेन, महावीर चौक और मैकी रोड में पदयात्रा कर प्रतिष्ठानों में जाकर सदस्यों से मुलाकात की और चुनाव में अपनी टीम की प्राथमिकताओं से अवगत कराया। पदयात्रा के दौरान टीम किशोर मंत्री के प्रत्याशियों को अपार प्यार और जनसमर्थन देखने को मिल रहा है। अनुभवी और जुझारू प्रत्याशियों से लैस होने के कारण टीम किशोर मंत्री के प्रत्याशियों को लेकर चैंबर सदस्यों में उत्साह बना हुआ है। किशोर मंत्री ने कहा कि फेडरेशन का स्वरूप राज्यस्तरीय हो, इस उद्देश्य से इस बार जमशेदपुर से नन्द किशोर अग्रवाल, गुमला से अमित माहेश्वरी ,गिरिडीह से प्रदीप जैन और बाबानगरी देवघर से अलोक मल्लिक भी एक-एक प्रत्याशी को अपनी टीम में शामिल किया गया है। टीम के सभी प्रत्याशी अनुभवी, कर्मठ और जुझारू हैं। हम वायदा करते हैं कि चुनाव में जीत के बाद फेडरेशन चैंबर को राज्यस्तरीय स्वरूप दिलाने में कोई कसर नहीं छोडा जायेगा।

एकल्वय निर्माण कार्यो के लिए सीओ से मिला प्रतिनिधिमण्डल

सरवल में बिना ग्रामसभा के एकलव्य विद्यालय निर्माण का किया विरोध

नवीन मेल संवाददाता

नामकुम। सरवल में एकलव्य विद्यालय निर्माण कार्यों को लेकर हाहाप पंचायत के सरवल गांव के ग्रामप्रधान लाल सिंह मुण्डा व भाजपा प्रदेश महिला मोर्चा अध्यक्ष आरती के नेतृत्व में प्रतिनिधि मंडल शनिवार को नामकुम सीओ कार्यालय करने पहुंचा। प्रतिनिधि मण्डल में मौजूद लाल सिंह मुण्डा व आरती कुजूर ने गांव के ज्ञापन में माध्यम से अवगत कराते बताया कि रांची नामकुम क्षेत्र पांचवीं अनुसूचि के क्षेत्र के अंतर्गत आता है, और गांवों जो भी विकास कार्यो होगा वह बिना ग्राम सभा की अनुमति से नहीं होती। वर्तमान में सरवल पंचायत में एजेंसी द्वारा एकलव्य विद्यालय निर्माण कार्य करा रही है, जबकि बिना ग्राम सभा की जानकारी के बिना निर्माण होना चाहिए था। ग्राम सभा के बिना अनुममित होने से ,गांव के लिए और उनके बच्चों के लिए क्या प्राथमिकता होगी। कोई भी जानकारी ग्रामीणों को नही मिल रही है। ग्रामीणों ने मांग की है कि ग्राम सभा की बैठक में ग्राम सभा में सक्षम अधिकारी उपस्थित होकर जानकारी दे। स्कूल के निर्माण कार्य के लिए अंचल अधिकारी 10 सितंबर को ग्राम सभा आयोजित की गई है। सीओ के अनुपस्थित में अंचल के बड़ा बाबू को ज्ञापन सौपा गया। इस प्रतिनिधि मण्डल में मंगरा मुंडा, सोमरा स्वांसी, सुखनाथ रुंडा, सुरेश महतो, बिरसा महतो, दिनेश महतो, बलराम मुंडा सहित कई ग्रामीण उपस्थित थे।

दिव्यांगजनों का तीन अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट मैच रांची में

नवीन मेल संवाददाता

रांची। आगामी 20 से 22 सितंबर को मेकॉन स्टेडियम, रांची में भारत एवं बांग्लादेश के बीच दिव्यांगजनों का अंतरराष्ट्रीय टी-20 क्रिकेट मैच का आयोजन किया जाएगा। तीन मैचों का यह सीरीज दिव्यांग क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड ऑफ इंडिया के तत्वधान में झारखंड डिसेबल्ड क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा रांची मे आयोजित की जाएगी। टी-20 सीरीज के बाद 24 सितंबर को बनारस एक दिवसीय मैच तथा 27 सितंबर से लखनऊ में टेस्ट मैच खेला जाएगा । मैच के आयोजन में सी.सी.एल, सार्थक, मेकॉन, झारखंड सरकार, पुरुश्री, मेधा, दराद इंजिकॉम, माई फ्यूचर लाइफ रांची रिवोल्ट जन मंच एवं अन्य स्थानीय संस्थाओं का सहयोग प्राप्त है। इस आयोजन में वैम्स इवेंट मैनेजमेंट में मदद कर रही है। उपरोक्त जानकारी संस्था के अध्यक्ष राहुल मेहता ने दिया। संस्था के संरक्षक श्री प्रणव कुमार बब्बू ने राँची में संस्था द्वारा एशिया कप सहित भारत - बांग्लादेश, भारत - श्रीलंका और भारत - नेपाल के मध्य सीरीज का सफल आयोजन किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि अवसर मिलने पर दिव्यांगजन अपने विशेषता का प्रदर्शन कर सबको आश्चर्यचकित कर देते हैं यह मैच दिव्यांगजनों के लिए समावेश का एक अवसर होगा। सचिव सरिता सिन्हा ने अनुरोध किया कि यह आयोजन दिव्यांगजनों से जुड़ी भ्रांतियों के निराकरण में सहायक होंगी अतः इसे खबरों में भी उचित स्थान मिले। संरक्षक- डॉ प्रणव कुमार बब्बू, अंतू तिर्की, पूनम आनंद, कृष्ण मोहन सिंह; अध्यक्ष- राहुल मेहता; उपाध्यक्ष श्रेया तिवारी, सचिव सरिता सिन्हा, संयुक्त सचिव डॉ.पूजा सिन्हा, प्रिया बर्मन, एवं सक्रिय सदस्य वसीम आलम, विपुल सेन गुप्ता, शेफाली छाया, आकिब आजम। मुकेश कंचन ने मैच के आयोजन हेतु आयोजन समिति की घोषणा करते हुए कहा कि मैच का निशुल्क पास वैम्स इंस्टीट्यूट, हॉट लिप्स, झारखंड डिसएबल क्रिकेट एसोसिएशन से प्राप्त की जा सकती है।

साइबर ठग ने जांच के नाम पर लोगों को ठगी का बनाया शिकार

रांची। साइबर ठग जांच के नाम पर भी लोगों को ठगी का शिकार बना रहे हैं। ऐसा ही एक मामला सामने आया है। हरमू निवासी जय प्रकाश कुमार से साइबर ठगों ने जांच कराने के नाम पर उनके खाते से 54 हजार रुपए की अवैध निकासी कर ली। इस संबंध में जय प्रकाश ने अरगोड़ा थाने में प्राथमिकी दर्ज करायी है। जय प्रकाश ने पुलिस को बताया कि बीते पांच जुलाई को पूजा डायगनोस्टिक सेंटर में उन्होंने फोन किया। लेकिन किसी ने फोन नहीं उठाया। कुछ देर बाद उनके मोबाइल पर एक व्यक्ति ने फोन किया। फोनकर्ता ने खुद को पूजा डायगनोस्टिक सेंटर का कर्मी बताया। जय प्रकाश ने उनसे जांच कराने से संबंधित बातचीत की। तब ठग ने उन्हें एक लिंक शेयर किया और कहा कि इसे भरकर भेजें। जय प्रकाश ने उस फार्म में यूपीआई आई और खाते के नंबर की जानकारी भी दी। कुछ देर बाद उनके खाते से 30 हजार, पांच हजार, 13 हजार, 12 सौ और 51 सौ रुपए की अवैध निकासी हो गयी।

राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता शुरू पहला दिन रांची का दबदबा रहा

नवीन मेल संवाददाता

रांची। कराटे डो एसोसिएशन ऑफ झारखंड के द्वारा 10 वां राज्य स्तरीय कराटे प्रतियोगिता का शुभारंभ स्थानीय टाना भगत इंडोर स्टेडियम खेल गांव रांची में हुआ जिसमें मुख्य अतिथि एआईकेएफ के महासचिव सह अध्यक्ष कराटे डू एसोसिएशन ऑफ झारखंड नन्दजी प्रसाद ने कराटे के कला से हूश करा कर प्रतियोगिता का शुभारंभ किया इस अवसर पर नन्दजी प्रसाद ने कहा कराटे आत्मरक्षा के साथ साथ आत्मा निर्भर होने का अच्छा साधन है। इस प्रतियोगिता में हिस्सा लेने वाले खिलाड़ियों को आगामी दिसंबर माह में होने वाले राष्ट्रीय प्रतियोगिता ए आई के एफ में भाग लेने का अवसर प्रदान होगा। इस प्रतियोगिता में 15 जिलों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं।प्रतियोगिता का समापन कल दिनांक 04/09/2022 को संध्या 3:00 बजे किया जाएगा। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में दीपक प्रकाश जी सांसद राज्यसभा सह अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी झारखंड उपस्थित रहेंगे। इस प्रतियोगिता का आयोजन कराटे डो एसोसिएशन ऑफ रांची कर रहा है जिसमें मुख्य रुप से शिहान विमल आनंद नाग,सेंसाई, राहुल गोप,सेंसाई राजेश मोहंती,सेंसाई, नौशाद खान,सेंसाई कमल किशोर कच्छप,सेंसाई गुलाम जावेद,सेंसाई गुलाम गौस,अनील शर्मा,इबरार अंसारी, सहित विभिन्न जिलों के भी रेफरी एवं जज उपस्थित थे।प्रथम दिन में रांची का दबदबा बना रहा।

तकनीकी संस्थानों में अध्ययनरत विद्यार्थी करीब-करीब एक समान होते है : अमनदीपक

रांची। बिरसा कृषि विश्वविद्यालय में शनिवार को राष्ट्रीय सेवा योजना ईकाई के सौजन्य से कृषि एवं उद्यान के स्नातक विद्यार्थियों के लिए संवाद कार्यक्रम तथा सफलता के रहस्य विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। संवाद कार्यक्रम में भारतीय कृषि अनुसंधान संस्थान (आईएआरआई), नई दिल्ली के अमनदीप ने विद्यार्थियों को आईसीएआर द्वारा राष्ट्रीय स्तर पर आयोजित की जाने वाली जूनियर रिसर्च फेलोशिप परीक्षा को क्लियर करने के विषय पर चर्चा की। परीक्षा में सफल होने के लिए महत्वपूर्ण टिप्स दिया।

चडरी तालाब में 200 किलो मछली छोड़ा गया

नवीन मेल संवाददाता

रांची। चडरी तालाब में शनिवार को करीब 200 किलो मछली छोड़ा गया। जिसमें रेहु, कतला व पहाड़िया समेत कई किस्म की मछलियां शामिल हैं। मछली छोड़ने का काम चडरी सरना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष बबलू मुंडा की अगुवाई में किया गया। मौके पर राज्यसभा सांसद महुआ माजी भी शामिल थीं। मछली छोड़ने से पूर्व चडरी के पाहन गुड्डू पाहन ने विधिवत पूजा पाठ किया। इसके पश्चात तालाब में मछली छोड़ा गया। झारखंड मुक्ति मोर्चा के राज्यसभा सांसद महुआ माजी एवं चडरी सरना समिति के केंद्रीय अध्यक्ष बबलू मुंडा, प्रधान महासचिव सुरेंद्र लिंडा मुख्य सलाहकार कुमोद कुमार वर्मा, पूजा समिति अध्यक्ष सबलू मुंडा केंद्रीय उपाध्यक्ष शंकर लिंडा संरक्षक अशोक मुंडा इनके अलावा चडरी सरना समिति के तमाम सदस्यों ने मछली छोड़ने का कार्य किया। इस कार्यक्रम में मुख्य रूप से छोटू पाहन, राहुल पाहन, अर्जुन पाहन, आकाश मुंडा, राहुल मुंडा, विक्की मुंडा, अप्पू लिंडा, प्रदीप मुंडा, विक्की मुंडा, कृष्णा सांगा, झिबरा उरांव, सुरेश नायक, पवन नायक, संजय नायक, अजीत नायक, एवं चडरी सरना समिति के समस्त पदाधिकारी उपस्थित थे।

किसान कॉल सेंटर–18001801551

कृषि प्रौद्योगिकी प्रबन्धन अभिकरण (आत्मा), रामगढ़

नया समाहरणालय भवन, भूतल, ब्लॉक- सी०, छत्तरमाण्डू, रामगढ़। (825101)

ई०मेल– atmaramgarh@gmail.com

वेबसाईट– atmaramgarh.org.in

शुद्धि पत्र

प्रधानमंत्री खनिज क्षेत्र कल्याण याजना (पी.एम.के.के.वाई) अंतर्गत रामगढ़ जिला में Cluster Approach Organic Farming कार्य हेतु PR 275804 (Agriculture)22-23*D द्वारा RFP जमा करने की अंतिम तारिख 06.09.2022 के अपराह्न 02:00 बजे तक है। उक्त तिथि को राजपत्रित अवकाश होने के कारण तिथि में सुधार करते हुए सील बन्द RFP प्राप्त करने एवं खोलने की तिथि का निर्धारण निम्नवत् किया जाता है:–

1. RFP प्राप्त करने की अंतिम तिथि एवं समय – दिनांक 08.09.2022 समय 02:00 अपराह्न तक
2. RFP खोलने की तिथि एवं समय – दिनांक 10.09.2022 समय 11:00 पूर्वाह्न

शेष नियम व शर्तें यथावत् रहेंगी।

ह0/–
परियोजना निदेशक,
आत्मा, रामगढ़।

PR.NO.277039 Agriculture(22-23):D

उप विकास आयुक्त ने नगड़ी प्रखंड में चल रही विकास योजनाओं की समीक्षा

मनरेगा अंतर्गत योजनाओं को अभियान चलाकर पूर्ण कराने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

रांची। उप विकास आयुक्त रांची विशाल सागर द्वारा शनिवार को नगड़ी प्रखंड में चल रही विकास योजनाओं की समीक्षा की गई। उप विकास आयुक्त श्री विशाल सागर ने मनरेगा अंतर्गत बिरसा हरित ग्राम योजना के तहत ऐडचेरो पंचायत में आम पौधा लगाकर इस योजना का शुभारंभ किया। मनरेगा योजना की समीक्षा के क्रम में डीडीसी द्वारा निदेश दिया गया कि अभियान चलाकर पुरानी योजनाओं को पूर्ण कराएं। डीडीसी ने कहा कि सभी पंचायतों में वीर शहीद पोटो हो खेल विकास योजना ली जाए। साथ ही उन्होंने कहा कि नगड़ी में मानव दिवस का सृजन लक्ष्य के अनुरूप कराएं। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि लगभग 50 प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण पूर्णता के करीब है, डीडीसी द्वारा निदेश दिया गया कि इन 50 आवासों को एक सप्ताह में पूर्ण कराएं। उप विकास आयुक्त श्री विशाल सागर ने निदेश दिया कि प्रधानमंत्री आवास में मनरेगा से मानव दिवस सृजन कराते हुए आवासों को पूर्ण किया जाए। क्षेत्र भ्रमण के दौरान उप विकास आयुक्त ने नगड़ी प्रखंड के ऐडचेरो पंचायत में मनरेगा अंतर्गत बिरसा हरित ग्राम योजना, दीदी बाड़ी योजना, सिंचाई कूप, प्रधानमंत्री आवास योजना-ग्रामीण, नाली निर्माण आदि भी का निरीक्षण किया। क्षेत्र भ्रमण के दौरान प्रखंड विकास पदाधिकारी नगड़ी, परियोजना पदाधिकारी डीआरडीए एवं प्रखंड के अन्य कर्मी उपस्थित थे।

राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार को लेकर कार्यशाला आयोजित

सतत कार्य करने से विकास के सभी प्रक्षेत्रों में अपेक्षित प्रगति की ओर बढ़ा जा सकता है : निदेशक

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शनिवार को पंचायती राज विभाग के केंद्रीय प्रशिक्षण संस्थान, हेहल, रांची में संशोधित राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार 2023 के संबंध में एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में पंचायती राज निदेशालय की निदेशक राजेश्वरी बी ने सतत विकास के लक्ष्यों के स्थानीयकरण के तहत चिह्नित नौ विषयों के संबंध में विस्तृत जानकारी दी। सभी प्रतिभागियों से जिला स्तर, प्रखंड स्तर, ग्राम पंचायत स्तर पर पंचायतों पुरस्कारों के आंकड़ों को ससमय प्रविष्टि कराने हेतु आवश्यक मार्गदर्शन दिया। उन्होंने बताया कि सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण के तहत चिह्नित नौ विषयों पर सतत कार्य करने से विकास के सभी प्रक्षेत्रों में अपेक्षित प्रगति की ओर बढ़ा जा सकता है। साथ ही ग्राम पंचायतों द्वारा सम्पादित अच्छे कार्यों एवं उपलब्धियों से राज्य एवं देश के अन्य सहभागियों के साथ साझा किया जा सकता है। यह हमें अपने कार्यों को राष्ट्रीय स्तर पर दिखाने का अवसर प्रदान करता है, जिससे राज्य का नाम रौशन हो सकता है। बता दें कि पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा त्रिस्तरीय पंचायतों को राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार दिया जा रहा है। इस वर्ष पूर्व से लागू राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कारों की प्रक्रिया को पंचायती राज मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा पूर्ण रूप से संशोधित किया गया है। अब मंत्रालय द्वारा सतत विकास लक्ष्यों के स्थानीयकरण हेतु चिह्नित नौ विषयों पर आधारित राष्ट्रीय पंचायत पुरस्कार पूरे देश में लागू कर दी गयी है।

कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता विभाग (गव्य प्रभाग), झारखण्ड, राँची

जिला गव्य विकास कार्यालय, राँची

Email – ddoranchi@gmail.com

मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अन्तर्गत गव्य प्रक्षेत्र योजना में चयनित लाभुकों के लिए आवश्यक सूचना

वित्तीय वर्ष 2021–22 में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अन्तर्गत गव्य प्रक्षेत्र की 05 (पाँच) एवं 10 (दस) दुधारू गाय की योजना में चयनित लाभुकों को सूचित किया जाता है कि **उपायुक्त महोदय, राँची द्वारा दिनांक–23.08.2022 को आहूत बैठक में दिये निदेशानुसार लाभुक से पुनः अनुरोध कि आप अपना लाभुक अंशदान/बैंक ऋण की राशि बैंक खाते में जमा करते हुए अपने बैंक खाता पुस्तिका को अद्यतन करा कर उसकी स्पष्ट छायाप्रति एवं लाभुक अंशदान की राशि की जमा रसीद (पर्ची) के साथ जिला गव्य विकास कार्यालय, धुर्वा, राँची में 10 (दस) दिनों के अन्दर जमा करेंगें।** साथ ही यह भी स्पष्ट किया जाता है कि सरकारी अनुदान एवं स्वयं के द्वारा जमा की गई अंशदान की राशि अवैध रूप से निकासी करने का प्रयास नहीं करेंगें अन्यथा बैंक से सूचना मिलने पर संबंधित के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी, जिसके लिए आप स्वंय जिम्मेवार होंगे।

वित्तीय वर्ष 2021–22 में मुख्यमंत्री पशुधन विकास योजना अन्तर्गत गव्य प्रक्षेत्र की 05 एवं 10 दुधारू गाय की योजना में चयनित लाभुकों को अंतिम रूप से निदेश दिया जाता है कि 05 (पाँच) दुधारू गाय के लिए लाभुक अंशदान–सह–बैंक ऋण की राशि रू०–152869 (सामान्य जाति के लिए)/रू०–135890 (अ0जा0 एवं अनु0ज0जा0 के लिए) एवं 10 (दस) दुधारू गाय के लिए लाभुक अंशदान–सह–बैंक ऋण की राशि रू०–255562 (सामान्य जाति के लिए)/ रू०–227178 (अ0जा0 एवं अनु0ज0जा0 के लिए) अपने बैंक खाता में जमा कर दें। अन्यथा निर्धारित तिथि के अन्तर्गत लाभुक अंशदान की राशि नहीं जमा करने के कारण प्रतीक्षा सूची के चयनित लाभुक को योजना का लाभ प्राप्त करने का मौका दिया जायेगा, जिसमें आपके द्वारा किसी प्रकार का दावा मान्य नहीं होगा।

जिला गव्य विकास पदाधिकारी,
राँची।

PR.NO.277043 Animal Husbandry(22-23):D

रांची
रविवार
04.09.2022
भाद्रपद शुक्ल पक्ष 08
विक्रम संवत 2079

ईश्वर में हमारा विश्वास

राष्ट्रीय नवीन मेल

सत्यमेव जयते

www.rastriyanaveenmail.com | रांची एवं डालटनगंज (मेदिनीनगर) से एक साथ प्रकाशित | वर्ष-23 अंक-212 पृष्ठ-12, मूल्य ₹ 1.50

रश्मि प्रवाह
सबसे मुश्किल रास्ता वह है जिस पर आपको हमेशा अकेले चलना पड़ता है असल में वही रास्ता जिंदगी में आपको मजबूत बनाता है।

झारखंड को देश का अग्रणी राज्य बनाना लक्ष्य : हेमंत

❍ सरकारी कर्मचारी संघ ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का किया अभिनंदन, जताया आभार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य के सभी वर्ग-समुदाय के लोगों को हमारी सरकार से काफी अपेक्षाएं हैं। हरेक वर्ग-सामुदाय की समस्याओं का निदान करने का कार्य हमारी सरकार कर रही है। हमारी सरकार की ताकत राज्य की सवा तीन करोड़ जनता है। प्रत्येक राज्यवासी के चेहरे पर मुस्कान हो, इस उद्देश्य के साथ राज्य सरकार योजनाबद्ध तरीके से झारखंड को आगे बढ़ाने का काम रही है। वर्तमान सरकार ने राज्य सरकार के कर्मियों को पुरानी पेंशन योजना की सौगात दी है। आप सभी कर्मी सरकार के अभिन्न अंग हैं। आप अपने भविष्य की चिंता न करें, बल्कि राज्य की सवा तीन करोड़ जनता की चिंता करें।

आपके भविष्य की चिंता राज्य सरकार कर रही है। आप सभी सरकार के कर्मी राज्य के सर्वांगीण विकास में अपना पूरा योगदान समर्पित तथा निस्वार्थ भाव से दें। जब आप राज्य सरकार के साथ कदम से कदम मिलाकर जनहित का कार्य करेंगे, तब एक समय ऐसा भी आयेगा जब अन्य संस्थाओं की तरह राज्य सरकार भी आप को पर्व-त्योहारों में बोनस देने का काम करेगी। उक्त बातें मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने शनिवार को कांके रोड रांची स्थित अपने आवासीय परिसर में नेशनल मूवमेंट फॉर ओल्ड पेंशन स्किम, झारखंड के बैनर तले सरकारी कर्मचारी संघ द्वारा आयोजित आभार एवं पेंशन विजय यात्रा-सह-अभिनंदन समारोह को संबोधित करते हुए कही। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि कुछ साल और बीतने दीजिए, वह दिन दूर नहीं जब हम सभी लोग मिलकर झारखंड को देश के अग्रणी राज्यों में लाकर खड़ा कर दिखायेंगे। आप सभी लोगों के ईमानदारी और कर्तव्यनिष्ठा के बदौलत राज्य सरकार यहां संसाधनों की उपलब्धता बढ़ाने पर बल दे रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदरणीय गुरुजी के आशीर्वाद से हमारी सरकार जनहित के लिए मजबूती के साथ काम कर रही है। मौके पर नेशनल मूवमेंट ऑफ पेंशन स्कीम, झारखंड के बैनर तले सरकारी कर्मचारी संघ के लोगों ने मुख्यमंत्री को माला पहनाकर उनका हार्दिक अभिनंदन किया तथा मुख्यमंत्री के प्रति आभार जताया। ▸▸ शेष पृष्ठ 11 पर

रिटायरमेंट के बाद जीवन सुखमय तरीके से व्यतीत हो, इसके लिये पेंशन बड़ा सहारा : सीएम

मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी लोग पेंशन के महत्व को समझते हैं। रिटायरमेंट के बाद आपका जीवन सुखमय तरीके से कटे इसका ख्याल रखने का कार्य राज्य सरकार ने किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि आप सभी लोग देख रहे हैं कि पूरे देश में सरकारी कर्मी पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने के लिए आंदोलनरत हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि एक समय था जब आप लोग आंदोलन कर रहे थे और एक राजनीतिक संगठन का प्रतिनिधि होने के नाते मैं आप लोगों से मिलने गया और मैंने उसी समय आपसे कहा था कि मैं बोलने पर नहीं बल्कि काम करने पर विश्वास रखता हूं।

यूनिवर्सल पेंशन लागू करने वाला झारखंड पहला राज्य

मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि राज्य में सामाजिक सुरक्षा के तहत पेंशन योजना से जुड़नेवाले पात्र लोगों के लिए यूनिवर्सल पेंशन योजना लागू करने का काम हमारी सरकार ने किया है। झारखंड देश का पहला राज्य है जहां सर्वजन पेंशन योजना लागू की गयी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की अर्थव्यवस्था वर्तमान में कैसी है यह हम सभी लोग देख रहे हैं। राज्य में कर्मचारी, आम जनता, किसान, मजदूर, चाहे व्यापारी सभी वर्ग के भविष्य की चिंता हमारी सरकार कर रही है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में सरकार गठन के बाद ही वैश्विक महामारी कोरोना संक्रमण ने सभी को काफी डराया। सीमित संसाधनों के बावजूद हमारी सरकार ने कोरोना काल में जो कार्य कर दिखाया वह पूरे देश के लिए मिसाल रहा। मुख्यमंत्री ने कहा कि कोरोना संक्रमण काल में सरकार ने जो काम किया उसका श्रेय सिर्फ सरकार को ही नहीं बल्कि आप सभी कर्मियों को भी जाता है। आप ही के बदौलत राज्य सरकार ने संक्रमण काल में भी दृढ़ निश्चय के साथ लोगों को राहत पहुंचायी।

लूटपाट की योजना बना रहे आधा दर्जन अपराधी गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राजधानी रांची के ग्रामीण इलाकों में लूटपाट करनेवाला एक बड़ा गिरोह पुलिस के गिरफ्त में आया है। इस गिरोह के आधा दर्जन अपराधियों को पुलिस ने गिरफ्तार किया है जिनके पास से कई हथियार और कारतूस बरामद किये गये हैं। गिरफ्तार अपराधियों की निशानदेही पर रांची पुलिस ग्रामीण और शहरी इलाकों दोनो में छापेमारी कर रही है। गिरफ्तार अपराधियों को लेकर रविवार को पुलिस खुलासा करेगी।

▸▸ अपराधियों के पास से कई हथियार और कारतूस भी किये गये हैं बरामद

क्या है मामला

रांची के ग्रामीण इलाकों में हाल के दिनों में कई लूट की वारदातों को अंजाम दिया गया था। लूट और छिनतई के मामलों में बढ़ोत्तरी को देखते हुए रांची के सीनियर एसपी किशोर कौशल ने एक टीम का गठन कर लूटपाट करनेवाले अपराधियों को गिरफ्तार करने का टास्क दिया था। इसी सूचना पर हेड क्वार्टर डीएसपी-2 के नेतृत्व में बनी एक टीम अपराधियों को गिरफ्तार करने का प्रयास कर रही थी।

इसी बीच सूचना मिली की नगड़ी इलाके में कुछ अपराधी लूट की वारदात को अंजाम देने फिराक में हैं। सूचना मिलने पर पुलिस की टीम ने अपराधियों की घेराबंदी कर उन्हें गिरफ्तार कर लिया। मिली जानकारी के अनुसार अभी तक कुल छह अपराधी गिरफ्तार हुए हैं जिनके पास से दो पिस्तौल और कई कारतूस बरामद किये गये हैं। पूछताछ में अपराधियों ने यह स्वीकार किया है कि उन्होंने हाल के दिनों में बंधन बैंक के कर्मचारी सहित कई लोगों से लूट की वारदातों को अंजाम दिया है। फिलहाल रांची पुलिस और अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए छापामारी कर रही है। पूरे मामले में रविवार को प्रेस कॉन्फ्रेंस कर मामले की जानकारी दी जायेगी।

दुमका में नाबालिग से रेप के बाद हत्या, आरोपी अरमान गिरफ्तार

नवीन मेल संवाददाता

दुमका। झारखंड के दुमका में अंकिता हत्याकांड को लेकर बवाल अभी थमा भी नहीं था, इसी बीच एक और सनसनीखेज मामला सामने आया है। 14 साल की आदिवासी लड़की की पेड़ से लटकती लाश मिली है। जानकारी के मुताबिक, अरमान अंसारी नाम के शख्स पर यौन शोषण के बाद नाबालिग की हत्या कर पेड़ से लटकाने के आरोप लगे हैं। घटना सामने आने के बाद इलाके में हड़कंप मच गया। वहीं, सूचना मिलने के बाद पुलिस टीम मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच तेज कर दी है। आरोपी अरमान अंसारी को पुलिस ने गिरफ्तार भी कर लिया है। आरोप है कि गिरफ्तार अरमान अंसारी ने पहले नाबालिग का यौन शोषण किया, उसके बाद उसकी हत्या कर शव को पेड़ से लटका दिया। मृतका चार महीने की गर्भवती बतायी जा रही है। वहीं, आरोपी अरमान अंसारी राज मिस्त्री का काम करता है।

▸▸ नाबालिग की हत्या करने के बाद आरोपी ने शव को पेड़ से लटकाया

पुलिस के मुताबिक, सिदो-कान्हू विश्वविद्यालय दिग्घी थाना इलाके से किशोरी का पेड़ से लटकता शव मिला है। किशोरी की उम्र 14 साल के आसपास बतायी जा रही है। आरोपी अरमान अंसारी को गिरफ्तार किया जा चुका है और उससे आगे की पूछताछ की जा रही है।

सनसनीखेज कांड को लेकर घमासान तेज : वहीं, दुमका में इस सन्न कर देनेवाले मामले के बाद विपक्षी पार्टी बीजेपी ने झारखंड की हेमंत सोरेन सरकार पर पलटवार किया है। बाबूलाल मरांडी ने एक के बाद एक कई ट्वीट करके दुमका की घटना पर हेमंत सरकार को घेरा है। उन्होंने ट्वीट में लिखा, दुमका से यह खबर खून खौला देनेवाली है। आरोप है कि आदिवासी युवती को अरमान अंसारी नाम के युवक ने बलात्कार के बाद हत्या कर पेड़ पर लटका दिया है? अरमान की गिरफ्तारी हो गयी है, और कितनी आदिवासी युवतियां ऐसे दरिंदों का शिकार होगी झारखंड में? वहीं, अगले ट्वीट में बाबूलाल मरांडी ने लिखा, जेहादी एक संताल आदिवासी लड़की का रेप कर लाश लटका गये वो भी दुमका में ही.. किसको बचा रहे हैं आप हेमंत सोरेन शर्म करिये। आप और आपकी पुलिस जितना भी छुपा लें, हम इंसाफ दिलायेंगे।

स्मार्ट सिटी में घर तोड़े जाने की स्थानीय लोगों ने दी जानकारी, सीएम ने कहा –

पुनर्वास की व्यवस्था तक नहीं टूटेगा घर

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से शनिवार को कांके रोड रांची स्थित मुख्यमंत्री आवासीय कार्यालय में रांची स्मार्ट सिटी क्षेत्र के मूसा टोली निवासी सुहानी सांगा एवं डेविड आइंद ने मुलाकात की। मुख्यमंत्री को सुहानी सांगा एवं डेविड आइंद ने रांची प्रशासन द्वारा उनके मूसा टोली स्थित घर को ध्वस्त कर दिये जाने की पूरी जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने पीड़ित परिवार की समस्याओं को संज्ञान में लेते हुए उन्हें तत्काल वैकल्पिक व्यवस्था उपलब्ध कराये जाने का भरोसा दिया। साथ ही मुख्यमंत्री ने कहा कि मूसा टोली में निवास करनेवाले अन्य 25 घरों को फिलहाल ध्वस्त नहीं किया जायेगा जब तक उन 25 परिवारों के पुनर्वास की व्यवस्था नहीं होती है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार किसी भी परिवार के साथ अन्याय नहीं होने देगी। मौके पर पीड़ित परिवार के अन्य सदस्य सहित झारखंड मुक्ति मोर्चा रांची जिला समिति के अध्यक्ष मुस्ताक आलम, सचिव डॉ. हेमलाल कुमार मेहता, उपाध्यक्ष अश्विनी शर्मा, कलाम आजाद, सदस्य विनय लिंडा एवं दीपक मुंडा उपस्थित थे।

बॉडीगार्ड की हत्या और हथियार लूट मामले में एनआईए ने तेज की जांच

नवीन मेल संवाददाता

रांची। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) ने भाजपा के पूर्व विधायक गुरुचरण नायक के दो बॉडीगार्ड की हत्या और हथियार लूटने के मामले की जांच तेज कर दी है। इस घटना में शामिल चार नक्सलियों से शनिवार को पूछताछ की गयी। एनआईए रांची ब्रांच शैलेंद्र बहांदा, पुसा लुगून, प्रधान कोडाह और किस्मत कोडाह को कस्टडी में लेकर पूछताछ कर रही है। एनआईए ने इस मामले को टेकओवर करते हुए कांड संख्या आरसी 03/2022 दर्ज किया था। एनआईए ने इस मामले को टेकओवर करते हुए एक करोड़ का इनामी नक्सली मिसिर बेसरा, रघु, अश्विन, चंदन, मोछू, सुशांत, सागेन, कांडे होनहागा और सोनाराम होनहागा सहित अन्य पर विभिन्न धाराओं के तहत मामला दर्ज किया है। एनआईए के इंस्पेक्टर सचिता नंद इस मामले की जांच कर रहे हैं।

उल्लेखनीय है कि बीते चार जनवरी की शाम करीब 6.15 बजे पश्चिमी सिंहभूम के झीलरुआ हाई स्कूल मैदान में खेलकूद प्रतियोगिता के दौरान नक्सलियों ने पूर्व विधायक गुरुचरण नायक पर हमला कर दिया था। पूर्व विधायक भीड़ में शामिल होकर जान बचायी थी। नक्सलियों ने मैदान में मौजूद पूर्व विधायक के तीनों बॉडीगार्ड को घेर लिया और उनके हथियार लूटने लगे थे। तीनों बॉडीगार्ड ने नक्सलियों के साथ जांबाजी से लड़ाई की थी, लेकिन नक्सलियों की गोली से दो जवानों की मौत हो गयी थी। एक जवान किसी तरह बच निकला।

विशेष सत्र में कई अहम मुद्दों पर सदन में होगी चर्चा : आलमगीर आलम

नवीन मेल संवाददाता

रांची। कांग्रेस विधायक दल के नेता आलमगीर आलम ने कहा कि पांच सितम्बर को झारखंड विधानसभा का विशेष सत्र बुलाया गया है। इसमें सरकार बहुमत साबित करेगी और राज्य के वर्तमान राजनीतिक हालात पर चर्चा के साथ कई अहम फैसले लिये जायेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा के कुछ नेताओं के द्वारा ट्वीट कर अजीब-अजीब तरह की बातों को उछाल दिया जाता है। इससे राज्य में उहापोह की स्थिति बनी हुई है। सरकार के प्रति राजभवन का रवैया भी ठीक नहीं है। यूपीए का प्रतिनिधिमंडल राज्यपाल से मिला तो, उन्होंने 4-5 दिन में मामला शॉट आउट करने की बात कही। इसलिए अब हमलोग विधानसभा में अपनी बात रखेंगे। आलमगीर आलम ने एयरपोर्ट पर यह बातें कही। वह दिल्ली के रामलीला मैदान में रविवार को महंगाई के खिलाफ होनेवाले प्रदर्शन में शामिल होने के लिए दिल्ली रवाना हो रहे थे। आलमगीर के साथ दिल्ली जा रहे पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोधकांत सहाय ने कहा कि प्रदेश में राजनीति बहुत घिनौना हो गया है। राजनीति में लंघी मारी जाती है, लेकिन यहां तो संवैधानिक संस्थाओं को एक्सपोज कर प्रेशर बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि संविधान के पांचवें शिड्यूल के तहत झारखंड के राज्यपाल को विशेष अधिकार मिले हैं, लेकिन इस पूरे प्रकरण पर राज्यपाल का रुख बेहद दुखद है।

महादलित परिवारों को उजाड़ने का मामला : राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग ने मुख्य सचिव और डीजीपी को दिल्ली किया तलब

पीड़ित परिवार को घर बनाकर विस्थापित जगह पर बसाये जिला प्रशासन : आयोग

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पलामू जिला के पांडू थाना क्षेत्र अंतर्गत मुरुमातु में महादलित परिवारों के लोगों को उजाड़ने का मामला अब राष्ट्रीय अनुसूचित आयोग, नयी दिल्ली तक पहुंच चुका है। आयोग ने राज्य के मुख्य सचिव और डीजीपी को दिल्ली तलब किया है। राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के उपाध्यक्ष अरुण हलधर शनिवार को मुरुमातु गांव पहुंचे और उस जगह का दौरा किया जहां से महादलित परिवारों को विशेष समुदाय के लोगों के द्वारा विस्थापित किया गया था। इस दौरान मौके पर जिला के उपायुक्त, एसपी एवं अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे। स्थल निरीक्षण के बाद वे सीधे पीड़ित परिवारों से मुलाकात की और 29 अगस्त 2022 की घटना की जानकारी विस्तारपूर्वक ली। जानकारी देते हुए पीड़ित परिवार के सदस्यों ने बताया कि उनका परिवार 40-45 वर्षों से उसी जमीन पर रह रहा है। रोजगार की तलाश में पुरुष दूसरे शहर आना-जाना करते रहे। उन्होंने बताया कि 29 तारीख को पहले तो विशेष समुदाय के लोगों ने प्यार से उन्हें खाना खिलाया और फिर भीड़ की शक्ल में आये लोगों ने उन्हें डरा-धमका कर उनका अंगूठा किसी कागज पर लगवाया और सभी को जबरन पांच सौ रुपये देते हुए अपनी गाड़ी से दूसरी जगह भेजने का प्रबंध किया। जब महादलित परिवारों ने इसका विरोध किया तो उनके साथ बदसलूकी और मारपीट की गयी। किसी तरह डर कर वे सभी वहां से निकल गये और पुलिस प्रशासन के शरण में जा पहुंचे। उन्होंने बताया कि दूसरे दिन जब भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रतिनिधिमंडल घटनास्थल पर पीड़ित परिवार से मुलाकात करने ▸▸ शेष पृष्ठ 11 पर

▸▸ जब तक पुनर्वास नहीं होता सभी परिवार के आवासन और भोजन की व्यवस्था करे जिला प्रशासन : हलधर

स्वास्थ्य विशेषज्ञों की राय

अल्जाइमर से बचाव के लिए खायें पत्ते वाली सब्जी

❍ अल्जाइमर के कारण उम्र बढ़ने के साथ ही लोगों को भूलने की होने लगती है बीमारी

- आरपी सिंह

नयी दिल्ली। उम्र बढ़ने के साथ लोग भूलने लगते हैं, हाथ-पांव कांपने लगते हैं। यह अल्जाइमर रोग के कारण होता है। धीरे-धीरे यह समस्या इतनी बढ़ जाती है कि लोग अपने जरूरी काम भी भूल जाते हैं। इस अल्जाइमर बीमारी में दिमाग की कोशिकाएं नष्ट होने लगती हैं। इस कारण से चीजों को याद रखना रखना मुश्किल हो जाता है। सिर की चोट, मधुमेह, अनियमित जीवनशैली, खान-पान को भी इस बीमारी का कारण माना जाता है। अब तक इस बीमारी का कोई स्थायी इलाज नहीं है। पर यदि इस बीमारी से पीड़ित मरीज अपने खान-पान, जीवन चर्या का ध्यान रखें, तो कुछ हद तक इस बीमारी को ठीक किया जा सकता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञों के अनुसार, अल्जाइमर के मरीजों में कई तरह के लक्षण दिखने लगते हैं। जिसमें लक्षणों में याददाश्त में कमी, महत्वपूर्ण चीजों को भूल जाना, किसी समस्या को हल करने में परेशानी, मूड में बदलाव और बोलने और लिखने में कठिनाई महसूस होना शामिल है।

▸▸ सूखे मेवे और जामुन भी खायें, टहलने के साथ कसरत और योग भी करें

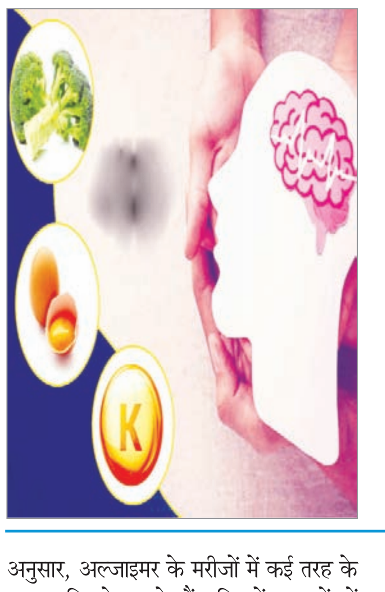

इस बीमारी में क्या खायें : -

हरी व पत्ते वाली सब्जियां : बढ़ती उम्र में हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन सेहत के लिए फायदेमंद माना जाता है। इसी तरह हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन भी अल्जाइमर के मरीजों के लिए फायदेमंद माना जाता है। क्योंकि, इस तरह की सब्जियों में प्रोटीन, विटामिन और कई अन्य पोषक तत्व होते हैं। ऐसा करने से दिमागी सेहत में सुधार होता है और अल्जाइमर का खतरा भी कम होता है।

सूखे मेवे : याददाश्त बढ़ाने के लिए सूखे मेवों का सेवन जरूरी माना जाता है। विशेषकर बादाम व अखरोट का सेवन दिमाग को एक्टिव रखने के साथ-साथ याददाश्त बढ़ाने में भी मदद करता है। इसलिए अल्जाइमर के मरीजों को रोजाना इन दो सूखे मेवों का सेवन करना चाहिए।

जामुन : जामुन में मौजूद एंटीऑक्सीडेंट गुण दिमाग की कोशिकाओं को नुकसान होने से बचाते हैं। इसलिए वृद्ध लोगों को जामुन खाने की सलाह दी जाती है। इसके अलावा जामुन खाने से बढ़ती उम्र में याददाश्त कम होने पर रोक लगती है।

जीवन शैली : जो अल्जाइमर के मरीज बढ़ती उम्र में भी कसरत करते हैं, सुबह या शाम तीस मिनट के लगभग टहलते हैं, योग-प्राणायाम आदि करते हैं, उनको बहुत ही लाभ होता है। इनमें अल्जाइमर उस गति से नहीं बढ़ता जिस गति से जो यह सब नहीं करते हैं उनमें बढ़ता है। कसरत, योग, टहलना अपनी रूटीन बना लिये लोगों में अल्जाइमर ठीक होता हुआ भी दिखा है।

देवघर डीसी मंजूनाथ भजंत्री और सांसद निशिकांत दूबे एक बार फिर आमने-सामने

नवीन मेल संवाददाता

देवघर। अपने बयानों और ट्वीट के जरिये चर्चा में रहनेवाले गोड्डा सांसद निशिकांत दूबे और देवघर डीसी मंजूनाथ भजंत्री के बीच एक बार खींचतान शुरू हो गयी है। मामला बीते 31 अगस्त की शाम का है। देवघर एयरपोर्ट पर सांसद निशिकांत दूबे, मनोज तिवारी समेत अन्य लोगों के बगैर इजाजत एटीसी बिल्डिंग में जाने का आरोप है। इस दौरान जबरन दिल्ली के लिए उड़ान भरने से संबंधित क्लियरेंस का आरोप भी लगा है। इसको लेकर एयरपोर्ट की सुरक्षा में तैनात अधिकारी ने सांसद समेत नौ लोगों के खिलाफ देवघर के कुंडा थाना में लिखित शिकायत दर्ज करायी है। शिकायत की कॉपी मीडिया में जारी होते ही निशिकांत दूबे ने भी देवघर डीसी मंजूनाथ भजंत्री के खिलाफ दिल्ली में केस दर्ज करा दिया।

▸▸ 10 महीने पहले ही अफसर को मांगनी पड़ी थी चुनाव आयोग से माफी

फिर खिंची सांसद और देवघर डीसी के बीच तलवार : बात इतने पर ही खत्म नहीं हुई, अभी निशिकांत दूबे ट्विटर पर डीसी मंजूनाथ भजंत्री के खिलाफ भड़ास निकाल ही रहे थे कि जिलाधिकारी भी ट्विटर वॉर में कूद गये। इसके बाद सोशल मीडिया पर दोनों के बीच खुलेआम जमकर बहस का दौर शुरू हो गया। इस दौरान सोशल मीडिया साइट पर दोनों अपना-अपना पक्ष रखते ▸▸ शेष पृष्ठ 11 पर

डीसी मंजूनाथ भजंत्री ने भी दागे सवाल

सांसद की इस दलील पर सवालिया निशान लगते हुए जिलाधिकारी ने भी सांसद से तल्ख सवाल पूछे। बहरहाल, देवघर डीसी और सांसद निशिकांत के बीच जारी इस लड़ाई ने सियासी गर्माहट जरूर बढ़ा दी है। यही वजह है कि भाजपा प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश और नेता प्रतिपक्ष बाबूलाल मरांडी भी खुलकर निशिकांत दूबे के पक्ष में बयान देते नजर आ रहे हैं। बहरहाल, एयरपोर्ट से उड़ान भरने के लिए क्लियरेंस को लेकर शुरू हुई खींचतान अब लंबी होती नजर आ रही है ऐसे में यह देखना दिलचस्प होगा कि यह लड़ाई और कितनी दूर तक जाती है।

न्यूज गैलरी

कुंजबन के तत्वावधान में आयोजित करम पूर्व संध्या कार्यक्रम का समापन

रांची। अखड़ा बचाओ के आह्वान के साथ आज कुंजबन के तत्वावधान में आयोजित करम पूर्व संध्या कार्यक्रम 2022 का समापन परम्परागत गीत संगीत के साथ हुआ। चुटिया के प्राचीन राधा वल्लभ मंदिर (श्री राम मंदिर) अखरा बचावों का संकल्प यात्रा निकाल कर नीचे चुटिया महादेव मंडा कार्यक्रम स्थल पहुंचे,अखरा का पूजन किया गया। पदम श्री मुकुंद नायक ने जनानी झुमई र राग में.. गीत गाया। मौके पर मुख्य अतिथि महापौर श्रीमती आशा लकड़ा ने राज्यवासियों के सुख-समृद्धि की कामना व खड़ा बचाने का आह्वान करते हुए कहा कि अखड़ा बाची तभी झारखंडी संस्कृति बचेगी, हमारी कला संस्कृति बचेगी। मौके पर झारखंड आंदोलनकारी डॉ देवशरण भगत ने कहा कि झारखंड अलग राज्य के मूल्य में भाषा और संस्कृति ही रही है। इसलिए हमें अपने मूल्यों से कभी अलग नहीं होना चाहिए। भाषा और संस्कृति के संरक्षण व संवर्धन आज की नितांत आवश्यकता है।
मौके पर झारखंड आंदोलनकारी भुवनेश्वर केवट, ओम प्रकाश अग्रवाल कलाकार हुलास महतो, कैलाश केशरी,साहित्यकार डॉ शकुंतला मिश्रा, चुटिया थाना प्रभारी वेंकटेश प्रसाद, आदि मौजूद थे। वहीं शुरुआती कार्यक्रम में भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश, बीजेपी राज्य सभा सांसद आदित्य साहू, राष्ट्रीय युवा शक्ति अध्यक्ष उत्तम यादव भी कार्यक्रम में उपस्थित रहे।

शिक्षक के रूप में एसपी ने प्रतियोगिता परीक्षा के छात्रों को दिये टिप्स

लोहरदगा। लोहरदगा पुलिस कप्तान आर रामकुमार विज्ञान भवन लोहरदगा पहुंचकर प्रतियोगिता परीक्षा की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं को परीक्षा में सफल होने हेतु कई तरह की प्रेरणा दी। एसपी ने कहा कि कोई भी प्रतियोगिता परीक्षा देने से पहले उस परीक्षा के सिलेबस को अच्छे से पढ़कर सुनिश्चित कर लेना चाहिए। एसपी ने कहा कि कोई भी कार्य अनुशासन से और इमानदारी से करना चाहिए। सिविल सर्विस की तैयारी कर रहे छात्र-छात्राओं को एसपी ने ईमानदारी और अनुशासित होकर सुबह से शाम तक पढ़ने की सलाह दी। एसपी ने छात्र छात्राओं के साथ सामान्य चर्चाएं की और यूपीएससी जैसे कठिन परीक्षा पास करने के लिए परीक्षा की रणनीति के बारे में बताया। विज्ञान भवन में अभ्यर्थियों को समय-समय पर जिला के अनेक पदाधिकारियों द्वारा सहयोग एवं मार्गदर्शन दिया जाता है विज्ञान भवन में बहुत ही शांत माहौल होता है जिसके कारण जिले के विभिन्न स्थानों से अभ्यार्थी यहां पढ़ने आते है,यहां पर किसी भी तरह का कोई भी भेदभाव नहीं होता सब साथ मिलकर पढ़ते है एक दूसरे को ज्ञान आदान प्रदान करते है।

बेड़ो गणेश पूजा के तीसरे दिन रक्तदान शिविर में 40 लोगों ने किया रक्तदान

बेड़ो। प्रखंड मुख्यालय स्थित थाना परिसर में श्री राधेकृष्ण यूथ संगम क्लब गणेश पूजा महासमिति द्वारा आयोजित पांच दिवसीय गणेश पूजा के अवसर पर तीसरे दिन शनिवार को पूजा पंडाल परिसर में रक्तदान शिविर रिम्स रांची के ब्लड बैंक के सहयोग से आयोजित किया गया। रक्तदान शिविर का उदघाटन बेड़ो थाना प्रभारी मनीष कुमार गुप्ता व एएसआई जितेंद्र प्रसाद यादव ने रक्तदान कर किया। मौके पर थाना प्रभारी ने कहा कि रक्तदान महादान है। उन्होंने कहा एक मनुष्य का रक्त दूसरे मनुष्य की जान बचाने का काम आएगा। शिविर में कुल 40 यूनिट रक्तदान किया गया। शिविर में डा अश्वनी वर्मा, डा रिषभ सिंह, लैब टेक्नीशियन मनोज कुमार, जयंत, सत्यज्योति कच्छप, रविंद्र कुमार व नुरुल होदा व पूजा समिति के सदस्यों ने अहम योगदान दिया।

कुरमी/कुड़मी समन्वय समिति की करम आखड़ा 10 सितंबर को

सिल्ली। कुरमी/कुड़मी (महतो) समन्वय समिति की झारखंड के एक बैठक का आयोजन सिल्ली स्टेशन के समीप किया गया। जिसकी अध्यक्षता लालचंद महतो ने किया। बैठक में सर्वसम्मति से निर्णय लिया गया कि आगामी 10 सितंबर को शहीद बुलु महतो चौक भकुवाडीह मोड़ सोनाहातु में विराट करम आखड़ा का आयोजन किया जाएगा। इस विराट करम आंखड़ा का उद्घाटन सिल्ली विधायक सुदेश कुमार महतो द्वारा किया जाएगा। इस आखड़ा में झारखंड के शिक्षा मंत्री जगन्नाथ महतो, बिहार के ग्रामीण विकास मंत्री श्रवण कुमार, बंगाल के कुटीर उद्योग मंत्री श्रीकांत महतो, जमशेदपुर सांसद विद्युतवरण महतो, राज्यसभा सांसद ममता महन्ता, प्रदेश अध्यक्ष जेडीयू खीरू महतो, तमाड़ विधायक विकास मुण्डा, दीपिका पांडेय सिंह, गोमिया विधायक लंबोदर महतो इचागढ़ विधायक सविता महतो काके विधायक समरी लाल, पूर्व विधायक अमित कुमार महतो खतियान पार्टी अध्यक्ष डॉ अमर कुमार चौधरी जेयूटी आदि अतिथि गण उपस्थित। इस कार्यक्रम में झारखंड के सभी जिलों से लोग मौजूद रहेंगे। कार्यक्रम का संचालन हजारीबाग के रामेश्वर महतो करेंगे। इस मौके पर अजीत महतो, जगदीश चंद्र महतो, सीताराम महतो,03 दिनेश महतो, श्याम बिहारी, ध्रुव महतो, तेजपाल महतो आदि लोग उपस्थित थे।

दो दिन बाद पुलिस ने कुएं से महिला का शव किया बरामद

मांडर। मांडर प्रखंड के जाहेर ढवटाटोली निवासी आदित्य साहू की 22 वर्षीया पत्नी प्रीति देवी का शव दो दिन बाद एक कुएं से पुलिस ने बरामद किया घटना तीज के त्यौहार के दिन की थी जब तीज पूजा के बाद सभी महिलाएं नाच गाना कर रही थी उसी के बाद से प्रीति देवी लापता हो गई थी।परिजन खोज बिन के बाद थाने में सनहा दर्ज कराए थे किन्तु आज अहले सुबह मांडर पुलिस को सूचना मिली कि एक कुँए में एक महिला का शव ग्रामीणों ने देखा है तो मांडर थाना प्रभारी विनय कुमार यादव तत्काल अपने कई एसआई व पुलिस बल के साथ घटना स्थल पहुंचकर शव को कुएं से निकाल शव की पहचान ग्रामीणों से कराई। मृतका की पहचान प्रीति देवी के रूप में होने के बाद पंचनामा करके शव को अंत्यपरीक्षण के लिए रिम्स रांची भेज दिया गया है। आदित्य साहू के घर से 200मीटर दूरी पर एक कुँआ अवस्थित है। घटना के बारे में प्रीति के परिजन एवं ग्रामीण हत्या के बाद कुएं में फेंकने की आशंका जता रहे हैं। मांडर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

विधायक ने पुरानी पेंशन योजना लागू करने के फैसले को बताया ऐतिहासिक, कहा

अधिकारियों-कर्मचारियों को हेमंत सरकार ने बुढ़ापे में सहायता प्रदान करने का किया है काम

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। सिमडेगा विधायक भूषण बाड़ा ने राज्य सरकार द्वारा पुरानी पेंशन योजना लागू करने के फैसले को ऐतिहासिक बताया। साथ ही मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन के नेतृत्व में बनी झारखंड सरकार के प्रति आभार जताते हुए पेंशन योजना का लाभ लेने वाले कर्मचारियों को बधाई दी है। विधायक श्री बाड़ा ने कहा कि पुरानी पेंशन बहाली राष्ट्रीय आंदोलन के बैनर तले बीते चार वर्षों से राज्य के सरकारी कर्मचारी पुरानी पेंशन बहाल करने की मांग कर रहे थे। जिसे हमारी सरकार ने पूरा करने का काम किया है। पुरानी पेंशन योजना लागू

कर राज्य कर्मचारियों का भविष्य सुरक्षित करने के इस ऐतिहासिक निर्णय के लिए मुख्यमंत्री को कोटि-कोटि धन्यवाद। कहा कि यह पुरानी पेंशन बहाली योजना 2004 के बाद आये भर्ती कर्मचारियों के लिए स्वागत योग्य निर्णय है। इस निर्णय से अब राज्य के अधिकारी- कर्मचारियों को पुरानी पेंशन का लाभ मिलेगा। पुरानी पेंशन योजना को लेकर अधिकारी कर्मचारियों की सारी चिंता मुख्यमंत्री ने दूर कर दी है। इस निर्णय से राज्य कर्मचारी बहुत खुश हैं। शासन की पुरानी पेंशन योजना में एकमुश्त राशि आने से लोगों को सेवानिवृत्ति के पश्चात चिंता नहीं होगी। विधायक ने कहा कि मुख्यमंत्री हेमन्त सोरेन ने कर्मचारियों को पुरानी पेंशन बहाल करके खुशियों की सौगात दी। पेंशन योजना लागू कर कर्मचारियों को बुढ़ापे में सहारा प्रदान करने का काम किया। राज्य में पहली बार कार्मिकों की व्यथा को हेमन्त सरकार ने समझा और पुरानी पेंशन योजना लागू करने की घोषणा कर लाखों कर्मचारियों और उनके परिवार का भविष्य सुरक्षित किया। इसका सकारात्मक संदेश पूरे देश भर में गया है। मुख्यमंत्री के इस फैसले से पूरे प्रदेश के कर्मचारियों में एक नए उत्साह का संचार हुआ है। क्योंकि इसके लागू नहीं होने से अधिकारियों व कर्मचारियों में भविष्य के प्रति काफी चिंता व्याप्त थी। यह ऐतिहासिक फैसला सरकार ने आनन फानन में नहीं, बहुत सोच समझ कर फैसला लिया है।

सामाजिक संयुक्त मोर्चा ने विशेष सत्र बुलाए जाने का किया स्वागत

नवीन मेल संवाददाता

रांची। झारखंडी भावनाओं के अनुरूप स्थानीय नीति पिछड़ी जातियों को 27% आरक्षण एवं अन्य मुद्दों पर झारखंड सरकार द्वारा 5 सितंबर को विशेष विधानसभा सत्र बुलाए जाने पर आदिवासी मूलवासी सामाजिक संयुक्त मोर्चा ने मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के प्रति आभार व्यक्त किया है। मोर्चा के अध्यक्ष झारखंड के विख्यात शिक्षाविद डॉ करमा उरांव ने कहा कि मोर्चा द्वारा पिछले कई वर्षों से इन मांगों को लेकर लगातार अभियान चलाया जाता रहा है। पिछले 31 अगस्त को ही मोर्चा के स्थापना के एक वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित समारोह में उपस्थित मुख्य अतिथि पूर्व केंद्रीय मंत्री सुबोध कांत सहाय पूर्व मुख्यमंत्री झारखंड के बाबूलाल मरांडी एवं अन्य गणमान्य जन प्रतिनिधियों ने उपस्थित होकर उपरोक्त मांगों का समर्थन करते हुए सरकार से उक्त मांगों को अविलंब लागू करने की मांग की थी। डॉक्टर करमा ने उम्मीद जताते हुए कहा कि विशेष विधानसभा सत्र में स्थानीय नीति पिछड़ा वर्ग को 27% आरक्षण देने संबंधी महत्वपूर्ण मुद्दों पर सभी राजनीतिक दलों के विधायक समर्थन करेंगे। विशेष सत्र बुलाए जाने पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन का आभार व्यक्त करने वालों में समाजसेवी आजम अहमद आदिवासी नेता प्रेम शाही मुंडा, बल्कू उरांव, धर्म दयाल साहू शिवा कच्छप आदि के नाम शामिल हैं।

छात्र-छात्राओं का जाति प्रमाण पत्र बनाने को लेकर बैठक आयोजित

नवीन मेल संवाददाता

बेड़ो। प्रखंड मुख्यालय स्थित राजकीय कृत मध्य विद्यालय में शनिवार को बीडीओ डॉ प्रवीण कुमार की अध्यक्षता में विद्यालय में अध्ययनरत छात्र-छात्राओं का जाति प्रमाण पत्र बनाने के संबंध में एक आवश्यक बैठक की गई। जिसमें प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी सुनील केशरी सभी विद्यालय के प्रधानाचार्य उपस्थित थे। बैठक में उपस्थित सभी प्रधानाचार्य एवं प्रज्ञा केंद्र के संचालक को निर्देश दिया गया कि सरकार के दिशा निर्देश अनुसार मध्य विद्यालय एवं प्राथमिक विद्यालय में अध्ययनरत सभी छात्र छात्राओं का जाति प्रमाण पत्र निर्धारित समय पर बनाया जाना है। इसके लिए सभी विद्यालय के शिक्षक एवं प्रधानाचार्य अपने दायित्वों का पालन करेंगे। बीडीओ ने उपस्थित सभी प्रज्ञा केंद्र संचालकों को निर्देश दिया गया की जाति प्रमाण पत्र बनाने में सहयोग करने में

किसी भी तरह का कोताही नहीं बरतें। उन्होंने बताया कि जाति प्रमाण पत्र बनाने में लगने वाले आवश्यक दस्तावेज जिसमें खतियान, छात्र का आधार कार्ड, अभिभावक का पहचान पत्र एवं वंशावली में मुखिया या अन्य जनप्रतिनिधि का हस्ताक्षर आवश्यक है। बैठक में प्रखंड कृषि पदाधिकारी कलिंदर साहू सभी विद्यालय के प्रधानाचार्य प्रज्ञा केंद्र संचालक के प्रतिनिधि तबरेज अंसारी, ओसामा एवं अन्य लोग उपस्थित थे।

मांडर में करम पर्व को लेकर शांति समिति की हुई बैठक

शांति एवं सौहार्द से त्योहार मनाने की अपील

नवीन मेल संवाददाता

मांडर। मांडर थाना परिसर में मांडर बीडीओ सुलेमान मुंडारी की अध्यक्षता में करम पर्व को लेकर शांति समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में प्रखंड के सभी गांव से करम पूजा समिति के पदाधिकारियों एवं शांति समिति के सदस्यों ने शांति एवं सौहार्द से त्यौहार मनाने को लेकर विचार विमर्श किया।थाना प्रभारी विनय कुमार यादव ने सभी को अन्य त्यौहारों की तरह इस करम पर्व को भी श्रद्धा एवं आपसी भाईचारगी से मनाते हुए मांडर में बने हुए मिशाल को बरकरार रखने को कहा।प्रखंड के सभी करमा पूजा समिति के जागरुक सदस्य साराहनीय भूमिका निभाते हुए अपने पर्व को शांति, सौहार्द व

नशामुक्त बनाने में तत्पर रहते हैं ये मांडर के लिए गर्व की बात है।रांची पुलिस आपकी मदद के लिए सदैव तत्पर है, जब जहां जरुरत महसूस हो एक कॉल पर हम हाजिर रहेंगे।मांडर सीओ विजय हेमराज खलखो ने भी प्रकृति और पर्व के महत्व पर प्रकाश डालते हुए कर्म और धर्म दोनों को इंसानियत के दायरे में रहकर मनाने की बात कही।बीडीओसुलेमान मुंडारी ने अपने अध्यक्षीय उदगार व्यक्त करते हुए कहा कि करम का पर्व किसी जाति व धर्म का नहीं, यह झारखंड वासियों के प्रकृति से असीम प्रेम का पर्व है, इसे सभी आनन्द एवं खुशहाली के लिए मनाते आएं हैं और शांति समिति में आए, सभी करम धरम दोनों भाई की तरह मिलकर उत्साह के साथ मनाएं।मंच संचालन शैलवाहन कुमार एवं धन्यवाद ज्ञापन बीडीओ सुलेमान मुंडारी ने किया। मौके परजमील मालिक, छेदी साहु, सुका उरांव,करमा उरांव, होसे उरांव, तस्लीम अंसारी, अरविन्द दुबे, बिरेन्द्र उरांव, बंधन उरांव,भरत मांझी, आलम अंसारी,एसआई विनोद पासवान, डेविड सन्नी बड़ासहित अन्य मौजूद थे।

अज्ञात चोरों के द्वारा 62000 का सामान चोरी थाना में मामला दर्ज

सिल्ली। थाना अंतर्गत बनता हजाम गांव में बीती रात अज्ञात चोरों के द्वारा चोरी करने का मामला प्रकाश में आया है। जानकारी के अनुसार बनता हजाम गांव निवासी वीरेंद्र कोईरी रविंद्र कोईरी अजान कोईरी तीनों अपने खेत में रोजाना के भाती शनिवार की सुबह 6:00 बजे अपने खेत पहुंचे जहां देखा कि बने हुए कच्चा मकान का दरवाजा का ताला तोड़कर समर सेबुल पंप 8 केवी का स्पालाइजर पैनल बोर्ड आदि सामानों की चोरी कर लिया गया है। इसकी सूचना सिल्ली थाना प्रभारी अजय सिंह को दिया गया सूचना मिलते ही थाना प्रभारी अपने दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और मामले की छानबीन किया। रविंद्र कोईरी ने बताया कि इन सामानों की लगभग लागत राशि 62000 है। सिल्ली थाना में रविंद्र कोईरी के द्वारा लिखित आवेदन दिया गया।

शिक्षक, शिक्षा और शैक्षणिक संस्थाओं के बगैर विकसित समाज की कल्पना नहीं की जा सकती हैः संजय कुजूर

नवीन मेल संवाददाता

बसिया। शिक्षक, शिक्षा और शैक्षणिक संस्थाओं के बगैर विश्व के किसी भी क्षेत्र में सभ्य व विकसित समाज की कल्पना नहीं की जा सकती है। वस्तुतः जीवन का यह क्षेत्र किसी भी क्षेत्र के समाज और उसके किसी भी वर्ग को दिशा देने व उसके गढ़ने का काम करता है। बसिया के अनुमंडल पदाधिकारी संजय पीएम कुजूर ने आज बसिया इंटर महाविद्यालय में छात्रों को संबोधित करते हुए विस्तार से शिक्षकों की भूमिका की चर्चा करते हुए कहा कि कोई भी संस्थान छोटा या बड़ा नहीं होता है। उपलब्ध शैक्षणिक संसाधनों व संसाधनों के भरपूर उपयोग की सलाह देते हुए, उन्होंने कहा कि शिक्षकों के सम्मान के बूते हम बड़े लक्ष्यों को आसानी से अपनी मुट्ठी में कर सकते हैं। मिली जानकारी के अनुसार आज

अनुमंडल पदाधिकारी श्री कुजूर बसिया इंटर कॉलेज परिसर में आयोजित शिक्षक सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि आमंत्रित थे और इस अवसर पर उनके द्वारा फीता काटकर नवनिर्मित कम्प्यूटर लैब का उद्घाटन किया गया। इस अवसर पर बसिया के प्रखंड विकास पदाधिकारी ने बतौर विशिष्ट अतिथि बहुत ही प्रभावी ढंग से बच्चों को कुसंगति से बचने और बड़ा लक्ष्य रखने की सलाह देते हुए कहा कि अभी मेहनत से जी चुराने का अफसोस आजीवन बना रहेगा। इस तरह के किसी अफसोस से बचने के लिए नशापान व कुसंगति से बचने की सलाह देते हुए उन्होंने इस ग्रामीण क्षेत्र में कंप्यूटर लैब की स्थापना सहित तमाम तरह के शैक्षणिक प्रयासों में अग्रणी भूमिका निभा रहे के बसिया इंटर कॉलेज की भूरि भूरि प्रशंसा की। इस अवसर पर कॉलेज के छात्रों ने कई तरह के शिक्षाप्रद सांस्कृतिक कार्यक्रमों की प्रस्तुति वहाँ दी। आयोजित कार्यक्रम में बड़ी संख्या में ग्रामीणों के साथ साथ शिक्षक, शिक्षकेत्तर कर्मी और महाविद्यालय के विद्यार्थियों की उपस्थिति दर्ज की गई जबकि महाविद्यालय के प्राचार्य केदारनाथ दास के द्वारा धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया गया।

भारतीय जनता पार्टी ने सेमिनार का किया आयोजन

गरीब का हर सपना पूर्ण हो रहा हैः महामंत्री

नवीन मेल संवाददाता

ओरमांझी। भाजपा रांची जिला ग्रामीण अध्यक्ष सुरेन्द्र महतो की अध्यक्षता में सरस्वती शिशु विद्या मंदिर ओरमांझी के सभागार मे नरेंद्र मोदी के 20 साल शासन काल पूर्ण होने पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के प्रभारी प्रेम मितल ने भाजपा कार्यकर्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि नरेंद्र मोदी गुजरात में 2001से 2014 तक लगातार मुख्य मंत्री रहे, तत्पश्चात 2014 से 2024 प्रधान मंत्री रहेंगे। इस ऐतहासिक कार्यकाल सिर्फ नरेन्द्र मोदी कर के दिखाएं है। इस कार्यक्रम के प्रवक्ता प्रदेश महामंत्री डॉ0 प्रदीप वर्मा ने कहा कि देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल के 20 साल बेमिसाल में अनेक विकास की गंगा बहाएं है। सरकार के सुशासन से गरीबों को मान सम्मान मिला है। गरीब का हर सपना पूर्ण हो रहा है। जिसमे,जन धन योजना से किसानों के खाते में सीधे पैसा जा रहा है। जिससे क्रपसन दूर हुआ है, प्रधान मंत्री उज्जवला योजना से गरीब का गैस जलाने की सपना पूर्ण हुआ है, प्रधानमंत्री आवास योजना से पक्का मकान बनाने कि सपना पूर्ण हुआ है, स्वच्छ भारत मिशन से सौचालय

घर घर में मिला जिससे महिलाओं का मान सम्मान बढ़ा है। कार्यक्रम में मुख्य रूप से पूर्व विधायक गंगोत्री कुजूर, पूर्व कुलपति अमर कुमार चौधरी, प्रदेश उपाध्यक्ष किसान मोर्चा अमरनाथ चौधरी, आरती सिंह पूर्व विधायक रामकुमार पहान उपाध्यक्ष मानकी राजेंद्र शाही,आरती किजुर, रमाकांत महतो, शैलेंद्र प्रसाद, प्रभू दयाल बड़ाइक, नरेंद्र सिंह, प्रीतम साहू, हरिनाथ साहू,मनोज चौधरी,थानों मुंडा,दिलीप महतो, रामनाथ महतो, प्रमोद सिंह, कृष्ण कुमार, लक्ष्मण साहू, सत्नारायण तिवारी, दुर्गा संकर साहू, अलखनाथ महतो,राज धाम साहू, राजकिशोर साहू सहित मंडल के अध्यक्ष एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

हुरदा में धूमधाम से मनाया गया गणेश पूजा का उत्सव, उत्साहित दिखे श्रद्धालु

एकता में बल होता है, सबके अथक परिश्रम से कार्यक्रम सफल हुआः मनीष

नवीन मेल संवाददाता

बानो। प्रखंड के हुरदा पंचायत में गणेश पूजा का उत्सव धूमधाम से मनाया गया। प्रथम दिन विधि पूर्वक सिद्धिविनायक गणपति महराज की प्रतिमा स्थापित कर पूजा अर्चना हुई तत्पश्चात भव्य रूप से बानो प्रखंड के नजदीकी पंचायत से आए हुए बच्चों का डांस प्रतियोगिता 2022 का आयोजन किया गया। जिसका उद्घाटन जमताई पंचायत के मुखिया नमजन जोजो, उप प्रमुख बानो प्रमोद सिंह एवं क्लब के सदस्यों द्वारा रिबन काट कर किया गया।डांस प्रतियोगिता में ग्रुप एवं एकल नृत्य मिलाकर कुल 75 प्रतिभागियों ने भाग लिया। डांस प्रतियोगिता की शुभारंभ श्री गणेश वंदना से किया गया। डांस प्रतियोगिता 2022 के जज का कार्यभार पर नटराज कला विहार के प्रशिक्षक अभी नीलकंठ एवं विक्की बड़ाईक ने

निभाया।डांस प्रतियोगिता में विद्यार्थियों ने बढ़ - चढ़ कर हिस्सा लिया। कार्यक्रम में विद्यार्थियों के साथ उनके शिक्षक एवं अभिभावकों भी उपस्थित रहे। हजारों की संख्या में दर्शकों की तादाद देखते ही देखते उमड़ पड़ी। काफी मनमोहक और भव्य रूप से डांस प्रतियोगिता सम्पन्न हुई।प्रतियोगिता में विजयी हुए प्रतिभागियों को मोमेंटो देकर सम्मानित किया गया।टॉप 10 में शामिल विद्यार्थियों को श्री बलभद्र सिंह, जसबीर सिंह एवं अन्य सदस्यों द्वारा सिल्वर मेडल पहना कर उत्साहवर्धन किया गया।मौके पर उत्सव यूथ क्लब के अध्यक्ष मनीष कुमार साहू ने डांस प्रतियोगिता 2022 के प्रोग्राम मैनेजर सह उपाध्यक्ष संतोष बड़ाईक, सचिव चूमेश्वर साहू, संयुक्त सचिव मोती महतो एवं कोषाध्यक्ष दयानन्द सिंह का आभार व्यक्त करते हुए कहा की उत्सव यूथ क्लब के सदस्यों ने यह साबित कर दिया है की सचमुच एकता में बल होता है। सबके अथक परिश्रम से कार्यक्रम सफल हुआ। संतोष बड़ाईक सहयोग बहुत ही अहम रहा, जिसके कारण कार्यक्रम भव्य और विशाल तरीके से संपन्न हुआ।क्लब के सभी सदस्यों ने जी जान लगाकर हमारे क्षेत्र के पिछड़ापन को दूर करने में कोई कसर नहीं छोड़ा है।क्लब का उद्देश ही है पिछड़े तबके को आगे बढ़ाना। और क्लब इस ओर आगे बढ़ रहा है।डांस प्रतियोगिता में भाग लेने वाले विद्यालयों के नाम : +2 हाई स्कूल हुरदा, शिशु मंदिर मारानी, मध्य एवं उच्च विद्यालय रायकेरा, विद्या विहार रायकेरा, माडल समिति +2 उच्च विद्यालय पाटातिरिल, मध्य विद्यालय जमताई।पूजा स्थल पर भजन संध्या का आयोजन किया गया, जिसमें ओडिशा के कलाकारों ने एक से बढ़ कर एक भजन प्रस्तुत किया।आराधना सम्पन्न होने के बाद शुक्रवार को पंडित श्री शैलेश जी के द्वारा हवन पूजन कराया गया एवं संध्या 6 बजे गणेश जी की शोभा यात्रा निकाली गयी, शोभा यात्रा में समस्त ग्राम वासी शामिल हुए एवं भक्ति भाव से झूम नाच कर रात्री 8 बजे श्री गणेशजी का विसर्जन किया गया। उपरोक्त सभी कार्यक्रम में सभी सदस्यों एवं संरक्षकों का भरपूर सहयोग रहा। उपाध्यक्ष श्री संतोष बड़ाइक ने कार्यक्रम के समापि पर कहा हमने एकता का परिचय देते हुए निस्वार्थ मन से समाज के कल्यान के लिए कार्य किया है, और इसका परिणाम भविष्य में अवश्य बेहतर होगा। इस तरह से उत्सव यूथ क्लब का तीन दिवसीय श्री गणेश उत्सव का समापन हुआ।

न्यूज गैलरी

नारी सेना एवं छात्र क्लब ग्रुप ने मरीज युग कुमार को मदद की

रांची। लोहरदगा पावरगंज चौक निवासी योगेश कुमार का पुत्र युग कुमार (मरीज) विगत कई दिनों से करमटोली स्थित रांची चिल्ड्रन अस्पताल के इमरजेंसी वार्ड में डॉ. शैलेशचंद्र के अंडर में इलाजरत है। मरीज युग कुमार को ब्लड की कमी है। विश्वस्त सूत्रों से पता चलने पर नारी सेना एवं छात्र क्लब ग्रुप की ओर से सामाजिक दायित्व के तहत मरीज युग कुमार को आर्थिक मदद एवं ईश्वर से जल्द स्वास्थ्य लाभ के लिए प्रार्थना की गई। इस मौके पर नारी सेना के केंद्रीय अध्यक्ष पूनम सिंह एवं छात्र क्लब ग्रुप के संस्थापक अध्यक्ष शिव किशोर शर्मा सहित सतीश सिंह, हरिनाथ साहु, नीतू सिंह, सूरज सिंह भवानी, कामिनी सिंह, डॉ.राजेंद्र कुमार हाजरा, रविंद्र शर्मा आदि मौजूद थे। मौके पर पूनम सिंह ने कहा नारी सेना एवं क्लब द्वारा विगत कई वर्षों से जरूरतमंदों की सेवा की जा रही है आवश्यकता पड़ी तो जरूरत मंदों को आर्थिक मदद भी की जाती है,वही शिव किशोर शर्मा ने कहा जरूरतमंद लोगों की सेवा करना भी एक धर्म है।

श्री राधा अष्टमी महोत्सव नृत्य नाटिका का भव्य कार्यक्रम आज

रांची। संत शिरोमणि श्री श्री 108 स्वामी सदानंद जी महाराज द्वारा संचालित एमआरएस श्री कृष्ण प्रणामी सेवा धाम ट्रस्ट शनिवार को संस्था के पुंदाग स्थित निर्माणाधीन श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर में श्री राधा अष्टमी के होने वाले कार्यक्रम की तैयारी पर चर्चा हुई, जिसमें मंदिर परिसर में होने वाले कार्यक्रम श्री राधा अष्टमी एवं कलकत्ता से आई हुई रास मंडली के द्वारा होने वाली नृत्य नाटिका को बहुत ही धूमधाम से संस्था के निर्माणाधीन श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर में मनाया जायेगा। श्री कृष्ण प्रणामी मंदिर में दोपहर 12:30 बजे से संस्था के सदस्यों के परिवार के सौजन्य से 46 वां श्री कृष्ण प्रणामी अन्नपूर्णा भंडारे के प्रसाद का वितरण रविवार 04 सितंबर 2022 को किया जायेगा। श्री कृष्ण प्रणामी संस्था के कार्यक्रम मे पहली बार श्री राधा अष्टमी कार्यक्रम होगा। कार्यक्रम को कलकता की रास मंडली द्वारा श्री कृष्ण प्रणामी के सहयोग से संचालित किया जायेगा। यह सभी जानकारी संस्था के उपाध्यक्ष राजेंद्र प्रसाद अग्रवाल (राजु अग्रवाल) ने दी।

कार्डायबकॉन का वार्षिक चिकित्सीय सम्मेलन आज : डॉ. जगनाणी

रांची। विगत वर्षों की भांती इस वर्ष भी कार्डायबकॉन का आयोजन रविवार को किया जा रहा है। इस वार्षिक चिकित्सीय सम्मेलन में हृदय रोग, मधुमेह, श्वसन समस्या तथा वृक्क रोग जैसे विषयों पर विचार विमर्श तथा व्याख्यान प्रस्तुत किया जाएगा। इस सम्मेलन में राज्य के विभिन्न चिकित्सक नूतन उपचार पर जानकारी प्राप्त कर नई पद्धति से उपचार कर आम जनता तक लाभ पहुंचा सकेंगे। कदाचित, देश भर में कार्डायबकॉन एकमात्र ऐसा संस्थान है जो इन सभी विषयों पर व्याख्यान प्रस्तुत करता है। इस संस्था के अध्यक्ष एवं सचिव, क्रमश: डॉ. पल्लवी तथा आशुतोष मिश्र का समग्र एवं उन्नत आयुर्विज्ञान से चिकित्सीय परामर्श जन जन तक पहुंचाना है। ज्ञात हो, कार्डायबकॉन झारखण्ड शाखा के संचालक डॉ वी के जगनाणी ने रांची के परामर्शदात्री चिकित्सकों के लिए इस सम्मेलन का आयोजन होटल कैपिटल हिल में किया है। इस चिकित्सीय सम्मेलन में राज्य के बाहर से भी चिकित्सक अपना व्याख्यान प्रस्तुत कर हमें अनुगृहित करेंगे।

नगड़ी में पांच दिवसीय गणेशोत्सव की धूम

पिस्कानगड़ी। नगड़ी में पांच दिनी गणेशोत्सव धूमधाम से मनाया जा रहा है। पुराना बाजारटांड़ में उपकार क्लब, साहेर रोड में एसएस सपोर्टिंग क्लब, केशरी मुहल्ला में ज्योति संगम क्लब द्वारा आकर्षक पूजा पंडाल बनाकर भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित की गई है। प्रत्येक दिन श्रद्धालुओं द्वारा भगवान गणेश की पूजा-अर्चना और आरती की जा रही है। मौके पर भंडारा, भगवती जागरण सहित अन्य धार्मिक अनुष्ठान संपन्न किए जा रहे हैं। शाम होते ही बड़ी संख्या में आसपास के गांवों से श्रद्धालु भगवान गणेश का दर्शन करने पंडालों में पहुंच रहे हैं। सोमवार को भगवान गणेश की प्रतिमा का विसर्जन किया जाएगा।

कांके प्रखंड एवं अंचल कार्यालय के विभिन्न विकास योजनाओं की उपायुक्त ने की समीक्षा

संबंधित पदाधिकारियों को दिए आवश्यक दिशा-निर्देश

> उपायुक्त ने सभी पंचायत सचिव, रोजगार सेवकों को निर्देश दिया कि प्रति ग्राम मनरेगा की 5 योजनाएं क्रियान्वित की करें तथा अधिक से अधिक मानव दिवस सृजित करें।

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शनिवार को उपायुक्त रांची राहुल कुमार सिन्हा द्वारा कांके प्रखंड एवं अंचल कार्यालय का निरीक्षण किया। इस दौरान उपायुक्त द्वारा विभिन्न विकास योजनाओं की समीक्षा भी की गई। अंचल कार्यालय के निरीक्षण के दौरान उपायुक्त श्री राहुल कुमार सिन्हा ने अलग-अलग विभागों की पंजी भूमि हस्तांतरण, अतिक्रमण, अवैध जमाबंदी, म्यूटेशन, आगत-निर्गत पंजी, नीलाम पत्रवाद, लगान निर्धारण के मामले, जिला से गए पत्रों के कंप्लायंस, कैशबुक एवं भूमि से संबंधित अन्य मामलों की जांच की एवं आवश्यक दिशा-निदेश दिये। प्रखंड कार्यालय में आकस्मिक अवकाश पंजी, आगत निर्गत पंजी, सूचना अधिकार पंजी, अंकेक्षण पंजी, वाहन लॉग बुक, जनशिकायत पंजी, पेंशन पंजी, सर्विस बुक की अद्यतन स्थिति आदि की जांच उपायुक्त द्वारा की गई। जिला से गए पत्रों के कंप्लायंस की जानकारी लेने के साथ-साथ उपायुक्त ने कर्मियों को कार्यशैली को और बेहतर बनाने के लिए दिशा-निदेश दिए। उपायुक्त राहुल कुमार सिन्हा द्वारा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कांके का भी निरीक्षण कर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी एवं स्वास्थ्य कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गये। उपायुक्त द्वारा प्रखण्ड सभागार में मनरेगा, प्रधानमंत्री आवास योजना (ग्रामीण), 15वें वित्त आयोग सहित सभी योजनाओं की समीक्षा भी की गई। उपायुक्त ने सभी पंचायत सचिव, रोजगार सेवकों को निर्देश दिया कि प्रति ग्राम मनरेगा की 5 योजनाएं क्रियान्वित की करें तथा अधिक से अधिक मानव दिवस सृजित करें। उन्होंने सभी पुराने लंबित मनरेगा योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उपायुक्त ने प्रधानमंत्री आवास योजना को ससमय पूर्ण कराने का निर्देश दिया। वित्तीय वर्ष 2021 से पूर्व के स्वीकृत आवास के लंबित रहने के कारण पंचायत सचिव को प्रतिदिन प्रत्येक आवास का भ्रमण कर आवास पूर्ण कराने का निदेश दिया गया। बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी श्री शिलवंत कुमार भट्ट, अंचल अधिकारी श्री दिवाकर प्रसाद दिवेदी सहित प्रखंड व अंचल के सभी विभागीय पदाधिकारी, कर्मी, अभियंता,पंचायत सचिव, जनसेवक, राजस्व कर्मचारी, ग्राम रोजगार सेवक उपस्थित थे।

गोस्सनर हाई स्कूल, में कराटे प्रशिक्षण क्रेंद्र का हुआ उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शनिवार को गोस्सनर हाई स्कूल, मेन रोड, रांची में कराटे प्रशिक्षण क्रेंद्र का उद्घाटन किया गया। इस केंद्र का उद्घाटन स्कूल के प्रधानाचार्य सुजाता जयश्री बिलुंग एवं सेंसेई रंजीत मेहता (टेक्निकल डायरेक्टर, शोकफ) द्वारा दीप प्रज्वलित कर के किया गया। इस मैके पर विद्यालय के शिक्षकगण सुरेश मिश्रा, अग्नू मुंडा, त्रिलोचन महतो, निशी मधुप तिग्गा, स्वर्णिम रेजिन कुजूर, कृष्णा ग्वाला, अमन सामद, समीर कुमार कुजूर, प्रभु दास नाग, अमित टोप्पो, अनूप भेंगरा, कुलदीप गुरिया, के. के. मिश्रा एवम उपस्थित हुए। इस मौके पर शोकफ के कराटे प्रशिक्षक सुनील मेहता, कुलदीप साहु, परमानंद गुप्ता द्वारा कुमिते एवम काता का प्रदर्शन किया गया। इस मौके पर स्कूल के प्रधानाचार्य सुजाता जयश्री बिलुंग, शिक्षक श्री सुरेश मिश्रा एवम अमन सामद ने कराटे सीखने के फायदे के बारे में छात्रों को बताए उन्होंने कहा कि कराटे सीखने से शारिर का पूर्ण विकास होता है आपका शरीर स्वस्थ एवम मजबूत बनेगा साथ ही साथ आप आत्मरक्षा के तकनीक सीखकर अपने आप को सुरक्षा प्रदान कर सकते है। कराटे प्रशिक्षण 10/09/2022 से प्रदान किया जायेगा, जिसके लिए नामांकन शनिवार से प्रारंभ हो चुका है। कराटे सीखने के इच्छुक लोग 15/09/2022 तक नि:शुल्क नामांकन करा सकते हैं। कराटे प्रशिक्षण शोकफ के मुख्य टेक्निकल डायरेक्टर शिहान मानस सिन्हा एवम टेक्नीकल डायरेक्टर सेंसेई रंजीत मेहता (ब्लैक बेल्ट 6 डान) मार्ग दर्शन में दिया जायेगा। विशेष जानकारी के लिए मोबाइल नंबर 9835164654 पर सम्पर्क कर सकते है।

सरला बिरला पब्लिक स्कूल में राष्ट्रीय खेल दिवस समारोह आयोजित

खेल हमें शारीरिक और मानसिक रूप से सक्रिय रखने में मदद करता है: डॉ. प्रदीप

नवीन मेल संवाददाता

रांची। मेजर ध्यांचन्द की जयंती के उपलक्ष्य में सरला बिरला पब्लिक स्कूल में खेल दिवस मनाया गया। इस अवसर पर प्री-नर्सरी से बारहवीं कक्षा तक के छात्रों ने बड़े ही उत्साह और उमंग के साथ विभिन्न खेल गतिविधियों में भाग लिया। छात्रों ने विभिन्न खेलों जैसे मेंढक दौड़, बैक पैक रेस, ऑब्जेक्ट रेस खेलकर खेलों के प्रति अपनी भावनात्मक अभिरुचि को प्रदर्शित किया। छात्रों के मध्य खेल के प्रति सम्मान की भावना पैदा करने के उद्देश्य से इंटर हाउस कबड्डी और रिले रेस, कॉमन वेल्थ गेम्स पर कोलाज और पोस्टर मेकिंग जैसी गतिविधियों का आयोजन किया गया। इस आयोजन का मुख्य उद्देश्य छोटे बच्चों के अंदर बौद्धिक कौशल विकसित करने के साथ-साथ उनमें नेतृत्व गुणों को भी विकसित करना था। शिक्षकों और छात्रों के मध्य एक क्रिकेट मैच खेला गया। जहां उन्होंने अपने गुरुओं से खेल से संबंधित महत्वपूर्ण गुणों की शिक्षा ली। विद्यालय के कार्मिक एवं प्रशासनिक प्रमुख डॉ. प्रदीप वर्मा ने कहा कि खेल हमें शारीरिक और मानसिक रूप से सक्रिय रखने में मदद करते हैं जिससे वे अपने जीवन में सफल करने में सक्षम बन पाते हैं। प्राचार्या परमजीत कौर ने कहा कि खेल जीवन का एक महत्वपूर्ण पहलू है जो खेल भावना को बढ़ावा देता है और नेतृत्व तथा भाईचारे के मूल्य को विकसित करता है।

संत जेवियर कॉलेज में पर्यावरण संरक्षण पर सेमिनार आयोजित

रांची नगर निगम के सहयोग से सैकड़ों पौधों का किया वितरण

नवीन मेल संवाददाता

रांची। शनिवार को संत जेवियर कॉलेज में रांची नगर निगम,सामाजिक संस्था स्नेह फाउंडेशन एवं एलुमुनाई एसोसिएशन मारवाडी कॉलिज, रांची के संयुक्त तत्वावधान में पर्यावरण संरक्षण अभियान के तहत एक पर्यावरण संरक्षण पर सेमिनार का आयोजन किया गया। इस अवसर पर कोरोना काल के बाद पर्यावरण संरक्षण अभियान के महत्व विषय पर परिचर्चा का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम के अंतर्गत शहरी क्षेत्रों के लोगों में पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता सह छात्र - छात्राओं को स्वास्थ्य एवं रोगमुक्त रहने के लिए महत्वपूर्ण जानकारियां भी दी गई। यह कार्यक्रम प्राचार्य फादर नाबोर लकड़ा के दिशा निर्देश में किया। इस कार्यक्रम में अतिथि के रूप में स्नेह फाउंडेशन के आशुतोष द्विवेदी, राजीव रंजन, एलुमुनाई एसोसिएशन मारवाडी कॉलेज के अध्यक्ष गौरव अग्रवाल, एलुमनाई प्रवक्ता राफिया नाज,एलुमनाई सचिव शुभम मंत्री, विमल कुमार उपस्थित थे यह कार्यक्रम डॉ. प्रिया श्रीवास्तव के देख रेख में सम्पन्न हुआ। साथ ही रांची नगर निगम के सहयोग से सैकड़ों पौधों का वितरण किया गया। सभी छात्रों को बताया गया हमें अपने जीवन को संस्कार के साथ- साथ भारत की संस्कृति से भी अवगत होने की आवश्यकता है। तभी हम और हमारा आने वाले भविष्य के साथ- साथ हमारा देश का भी विकास होगा। इस अवसर पर रांची नगर निगम, सामाजिक संस्था स्नेह फाउंडेशन एवं एलुमनाई एसोसिएशन मारवाडी कॉलेज के संयुक्त तत्वावधान में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, कर्मचारियों,सामाजिक कार्यकर्ताओं, पर्यावरण प्रेमियों के बीच सैकड़ों पौधों का वितरण किया गया। इस अवसर पर सभी लोगों ने शपथ लिया की पर्यावरण की रक्षा ही हमारी पहली प्राथमिकता है। पर्यावरण संरक्षण से ही हम और हमारा जन जीवन भी सुरक्षित रहेगा।हम सभी को पर्यावरण संरक्षण के लिए वफादार सेवक रहना होगा।

श्री श्याम मंडल के तीसरे दिन का श्री श्याम महोत्सव भक्ति-भाव से आयोजित की गयी

अखण्ड ज्योत प्रज्वलित होते ही पूरा मंदिर परिसर हर्षोल्लास में डूब गया

अखण्ड ज्योत प्रज्वलित होते ही पूरे मंदिर परिसर हर्ष उल्लास में डूब गया।

नवीन मेल संवाददाता

रांची। श्री श्याम मण्डल, रांची के चार दिवसीय 55 वें वार्षिक श्री श्याम महोत्सव के तीसरे दिन शनिवार को अग्रसेन पथ स्थित श्री श्याम मंदिर के प्रांगण में भव्य आयोजन आयोजन किया गया। इस अवसर पर पूरे मंदिर परिसर को अत्यंत आकर्षक ढंग से सजाया गया और आकर्षक विद्युत सज्जा व विभिन्न तरह के फूलों की लड़ियों की सजावट हर दर्शनार्थी के मन को मोह रही थी। कोलकाता के प्रसिद्ध कारीगरों द्वारा 10 दिनों के अथक परिश्रम से श्री श्याम दरबार को अत्यंत मनोहारी स्वरूप प्रदान किया गया। रजत सिंहासन पर विराजमान श्री श्याम प्रभु का अलौकिक श्रृंगार हर भक्तों के हृदय को आलोकित कर रहा था, साथ ही इस अवसर पर वीर बजरंगबली एवं श्री शिव परिवार का भी अत्यंत मनभावन श्रृंगार किया गया। रात्रि 9:00 बजे गणेश पूजन के साथ मुख्य कार्यक्रम का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मण्डल द्वारा प्रतिवर्ष निरंतर प्रकाशित होने वाली भजन पुस्तिका प्रेम पुष्प के 55वें अंक का विमोचन मुख्य अतिथि प्रसिद्ध समाजसेवी व श्री छगनलाल पटेल द्वारा किया गया। श्री पटेल ने उपस्थित सभी भक्तों का अभिनन्दन करते हुए श्याम देव के चरणों में वंदन किया। मंडल के अध्यक्ष चंद्रप्रकाश बागला द्वारा अष्ट प्रहर की अखण्ड ज्योत प्रज्वलित की गई। पूरा श्री श्याम मंडल के सदस्यों द्वारा गाए जाने वाले 5 भजनों में सर्वप्रथम श्री गणेश वंदना रमेश चंद्र सारस्वत, श्री गुरु वंदना रमेश चंद्र सारस्वत, हनुमान वंदना श्री गोपी किशन ढांढनीयां, मातेश्वरी वंदना ज्ञान प्रकाश बागला, शिव वंदना चंद्रप्रकाश बागला एवं श्री श्याम वंदना सुरेश चंद्र पोद्दार के द्वारा गाया गया। इस अवसर पर श्री श्याम प्रभु को छप्पन भोग के अलावा विभिन्न प्रकार के मिष्ठान फल मेवा रबड़ी इत्यादि का भोग अर्पित किया गया। संपूर्ण रात्रि श्याम प्रभु को सवामणी चढ़ाने वाले भक्तों का तांता लगा रहा साथ ही प्रभु के दर्शन के लिए लंबी कतार में कतार में होकर भक्त दर्शन कर रहे थे। आज के इस कार्यक्रम को सफल बनाने में सुदर्शन चितलांगिया, बालकिशन परसरामपुरिया, राकेश सारस्वत, मनोज ढांढनीयां, अजय साबू, अरुण धनुका, अजय रूंगटा, अमित जालान, लल्लू सारस्वत, गोविंद शर्मा एवम नितेश लाखोटिया का सहयोग रहा।

श्री श्याम मंदिर में श्याम भंडारे के प्रसाद का हुआ वितरण

रांची। आओ-आओ भोग लगाओ बाबा श्याम जी भक्तों ने श्याम भोग लगाया तू खाए फिर भक्त तेरे खाए, हरमू रोड के श्री श्याम मंदिर में शनिवार को 26वें श्री श्याम भंडारे का प्रसाद मंदिर में स्थापित देवी देवताओं को भोग समर्पित करते समय भक्तजन भजन गायन कर खाटू नरेश की मनुहार कर रहे थे। श्री श्याम मित्र मंडल के स्वर्ण जयंती वर्ष के अवसर पर आज साईंकाल 26वां श्री श्याम भंडारा का आयोजन किया गया था। श्री श्याम मित्र मंडल के महामंत्री विश्वनाथ नारसरिया ने बताया कि आज के भंडारे में केसरिया गरम जलेबी, केसरिया वेजिटेबल पुलाव, दाल मखनी, फाफड़ा, (गाठिया) प्रसाद का लगभग 3000 से ज्यादा भक्तों को प्रसाद वितरित किया गया। भिंडारा वितरण मंडल के अध्यक्ष श्री सुरेश सरावगी के सानिध्य में हुआ मंडल के महामंत्री श्री विश्वनाथ सरावगी, सर्वश्री श्याम सुंदर शर्मा, गौरव अग्रवाल मोनू, अनिल नारनौली, स्नेह पोद्दार, राजीव मित्तल, राजेश चौधरी अजय मारू, राहुल मारू, अमित सरावगी, रोहित कुमार, आशीष डालमिया, रतन शर्मा, संजय सराफ, विकास मोदी, राजकुमार केडिया, चंडी डालमिया,उपेंद्र पांडे, संजय, झुलन मुंडा, नकुल, सहित 80 से ज्यादा स्वयंसेवकों ने श्री श्याम भंडारे में अपनी सेवा दी। आज श्री श्याम भंडारे के अवसर पर भी श्याम मंदिर में विशेष श्रृंगार भी किया गया था। श्री श्याम भंडारे के अवसर पर आज पूरा मंदिर परिसर खचाखच भरा हुआ था। यह जानकारी मंडल के मंत्री गौरव अग्रवाल मोनू ने दी।

आजादी के अमृत महोत्सव पर अभिनव ग्राम फाउंडेशन ने किया पौधरोपण

आवसर पर फाउंडेशन के निदेशक दिलीप श्रीवास्तव के अलावा डा० विष्णु राजगढ़िया, प्रेस क्लब के पदाधिकारी एवं अन्य गणमान्य अतिथि भी उपस्थित थे। अभिनव ग्राम फाउंडेशन के मुताबिक वृक्षारोपण रथ का उद्देश्य है कि लोग

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अभिनव ग्राम फाउंडेशन के छठे स्थापना दिवस एवं आजादी के अमृत महोत्सव के अवसर पर राजधानी रांची में सालों भर वृक्षारोपण कार्य करने एवं हरियाली को बढ़ाने के उद्देश्य से वृक्षारोपण रथ का निर्माण किया गया है। इसके माध्यम से शनिवार को रांची प्रेस क्लब, मोराबादी में कुल 11 पौधे का वृक्षारोपण किया गया। रांची प्रेस क्लब के अध्यक्ष संजय मिश्रा एवं अभिनव ग्राम फाउंडेशन के संरक्षक एवं प्रमुख आर पी सिंह ने मिलकर नीम का पौधा लगाया। इस केवल वर्षा के दिनों में ही पौधे न लगाएं, बल्कि सालों भर ऐसा किया जाये। इसके संस्थापक एवं प्रमुख आरपी सिंह के मुताबिक इस रथ के माध्यम से निजी आवास, स्कूल, कॉलेज, औद्योगिक इकाई एवं अन्य कार्यालयों में भी पहल की जायेगी। इस क्रम में फाउंडेशन द्वारा सर्वप्रथम रांची प्रेस क्लब से इस पुनीत कार्य की शुरूआत की गई है। वृक्षारोपण हेतु फाउंडेशन को फोन अथवा व्हाट्सएप्प पर संपर्क किया जा सकता है। इसके बाद उसकी ओर से अगले दो दिनों में वृक्षारोपण कार्य कर दिया जायेगा।

दो दिवसीय पांचवां राज्य स्तरीय पारा बैडमिंटन चैंपियनशिप का हुआ उद्घाटन

खेलों में सरकार से सहयोग लिया जायेगा : सुदेश महतो

> विधायक सुदेश महतो ने सभी खिलाड़ियों को उत्साहवर्धन एवं पेरालिंपिक कमेटी ऑफ झारखंड के आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा की दिव्यांग ईश्वर की बहुत बड़ी ताकत है। तथा ऐसे ईश्वरी देन हम सलाम करते हैं।

नवीन मेल संवाददाता

रांची। पेरालिंपिक कमेटी ऑफ झारखंड के तत्वधान में दो दिवसीय पांचवा राज्य स्तरीय पारा बैडमिंटन चैंपियनशिप 2022 का शुभारंभ आज 4:00 बजे ठाकुर विश्वनाथ शाहदेव इनडोर स्टेडियम खेल गांव में हुआ। उद्घाटन समारोह में झारखंड के पूर्व उपमुख्यमंत्री विधायक सुदेश महतो, पेरालिंपिक कमेटी ऑफ इंडिया के चयन कमेटी के चेयरमैन डॉक्टर शिवाजी कुमार, पेरालिंपिक कमेटी ऑफ झारखंड के अध्यक्ष सह पेरालिंपिक कमिटी ऑफ इंडिया के उपाध्यक्ष शशि रंजन प्रसाद एवं खेल निदेशक सह कोषाध्यक्ष सुरोध नारायण ने संयुक्त रुप से किया। डॉक्टर शिवाजी कुमार ने पूर्व उपमुख्यमंत्री विधायक सुदेश महतो को पुष्प गुच्छ एवं स्मृति चिन्ह देकर अभिनंदन एवं सम्मानित किया। विधायक सुदेश महतो ने सभी खिलाड़ियों को उत्साहवर्धन एवं पेरालिंपिक कमेटी ऑफ झारखंड के आयोजकों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा की दिव्यांग ईश्वर की बहुत बड़ी ताकत है। तथा ऐसे ईश्वरी देन हम सलाम करते हैं। बिहार के भी बैडमिंटन में स्वर्ण पदक जीतकर पूरे विश्व में भारत का परचम लहराया है। उन्होंने कहा कि झारखंड पारा खेलों में पूर्ण सहयोग करूंगा तथा सरकार से भी सहयोग लिया जाएगा। उन्होंने सभी खिलाड़ियों से परिचय लेते हुए बैडमिंटन भी खेला। कार्यक्रम को डॉक्टर शिवाजी कुमार, सुरोध नारायण, शशि रंजन प्रसाद, सुनील कुमार विश्वास, कमल कुमार अग्रवाल, अजीत कुमार, बी के दत्ता, मंजीत सिंह, संदीप रंजन, प्रकाश रंजन, मिथिलेश कुमार, विवेक राज, मुकेश कंचन, आदि ने भी संबोधित करते हुए पारा बैडमिंटन खिलाड़ियों को उत्साह बढ़ाते हुए कहा की झारखंड को पारा खेलों मे जागरूकता लाकर आगे मुकाम तक पहुंचाने का कार्य किया जाएगा।एसोसिएशन सभी खिलाड़ियों को सुविधाएं समय-समय पर देता रहेगा। उद्घाटन समारोह का संचालन स्टेट कोऑर्डिनेटर कमल कुमार अग्रवाल ने किया तथा धन्यवाद ज्ञापन स्टेट मीडिया कोऑर्डिनेटर संजय सर्राफ ने की। पारा बैडमिंटन चैंपियनशिप के डब्ल्यू एच वन श्रेणी में लोहरदगा के पवन लकड़ा, लातेहार के दुर्गादत्त साहू एवं बोकारो के रमेश कुमार यादव के बीच मैच खेला गया। जिसमें दुर्गादत्त साहू विजयी रहे। कार्यक्रम में अतुल चंदन, कुमार गौरव, सीमा सिंह, रितु रंजन, रीमा साहू, अमित वर्मा, जय श्रीवास्तव, नेहा कुमारी, मिथिलेश कुमार, अश्रिता टोपनो, संयुक्ता एक्का, संजना कुमारी, यमुना पासवान, अनिकेत सराफ, अखिलेश कुमार, आयुष कुमार, सहित बड़ी संख्या में खिलाड़ी गण उपस्थित थे।

जलवायु परिवर्तन पर कार्यशाला, संरक्षण व सुरक्षा पर बात

रांची। झारखंड में खेती की वर्तमान स्थिति पर मंथन के लिए बूटी मोड़ स्थित होटल रॉयल रिट्रीट सभागार में आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला में पूर्व कृषि वैज्ञानिक डॉ. शिवेंद्र कुमार ने कहा कि राज्य में जलवायु परिवर्तन को लेकर कई कार्य हुए हैं। यहां गैर सरकारी संस्थाओं द्वारा किये गए सफल प्रयोगों को सरकार के साथ मिलकर बड़े पैमाने पर आगे बढ़ाने की जरूरत है। कार्यशाला का विषय झारखंड में बदलते मौसम के परिपेक्ष में अजीविका के मॉडल को विकसित करना, जो मध्यम और छोटे महिला किसानों के लिए लाभकारी हो था। कार्यक्रम में प्रो. रमेश शरण ने कहा कि सरकारी और गैर सरकारी संस्थाओं को एक साथ मिलकर निति निर्माण और उसके क्रियान्वयन में आने की आवश्यकता है ' वहीं, प्रेस क्लब के अध्यक्ष संजय मिश्रा ने पानी संरक्षण पर जोर दिया।

आजसू ने रांची विश्वविद्यालय के कुलपति एवं परीक्षा नियंत्रक का जताया आभार

छात्रहित में परीक्षा तिथि बढ़ने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन का धन्यवाद : अभिषेक शुक्ला

नवीन मेल संवाददाता

रांची। अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) के सदस्यों ने पीजी सेमेस्टर 2 के परीक्षा की तिथि विश्वविद्यालय द्वारा बढ़ाए जाने के बाद विश्वविद्यालय उपाध्यक्ष अभिषेक शुक्ला के नेतृत्व में कुलपति एवम परीक्षा नियंत्रक का आभार जताया। मौके पर आजसू रांची विश्वविद्यालय उपाध्यक्ष अभिषेक शुक्ला ने कहा की ज्ञात हो की रांची विश्वविद्यालय पीजी विभाग के बहुत सारे विषयों का सिलेबस अवतक पूरा तरह से कंप्लीट नहीं हुआ था एवं कुछ विभागों में मिड सेम 2 की परीक्षा आयोजित किए बिना ही विश्वविद्यालय द्वारा सेमेस्टर 2 की परीक्षा लेने वाली थी जिससे विश्वविद्यालय के सभी विभागों के छात्र-छात्राओं के बीच परीक्षा को लेकर असमंजस की स्थिति बनी हुई थी और वह अपनी पढ़ाई पर ध्यान केंद्रित नहीं कर पा रहे थे, यह परीक्षा की तिथि विद्यार्थियों के लिए यह तानाशाही फरमान था जिसका विरोध अखिल झारखंड छात्र संघ (आजसू) ने छात्रहित में चरणबद्ध तरीके से कर रही थी। अभिषेक शुक्ला ने आगे कहा की आजसू इस तरह की तानाशाही फरमान आगे भी कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। आजसू के राहुल तिवारी ने कहा कि पाठ्यक्रम पूर्ण किए बिना परीक्षा लेना छात्र-छात्राओं को अशिक्षा के अंधकार में धकेलने जैसा काम था। विश्वविद्यालय प्रशासन डिग्री बेचने वाली विश्वविद्यालय के राह पर चलना चाह रही थी, जबकि आजसू यहां की विद्यार्थियों को गुणवत्ता शिक्षा प्रदान किए जाने की समर्थन में आंदोलनरत थी। आजसू के आंदोलन के बाद पी.जी. सेमेस्टर 2 के परीक्षा की तिथि 06/09/2022 से बढ़ा कर 15/09/2022 करने पर आजसू के सदस्यों ने रांची विश्वविद्यालय के कुलपति एवम परीक्षा नियंत्रक को गुलाब देकर धन्यवाद दिया एवं आभार जताया।

न्यूज गैलरी

तामड़ा रोड खूंटीटोली में ट्रैक्टर पलटने से चालक हुआ गंभीर रूप से घायल

सिमडेगा। सिमडेगा सदर थाना क्षेत्र अंतर्गत बांगरू पंचायत के तामड़ा जाने वाली मार्ग खूंटी टोली के समीप शनिवार को अनियंत्रित होकर झाड़ सहित अन्य सामान लेकर तामड़ा की ओर आ रही एक ट्रैक्टर पूरी तरह से पलट गई लौटने के बाद चालक ट्रैक्टर के नीचे दब गया। जिसे स्थानीय लोगों की काफी मशक्कत के बाद उसे किसी तरह निकाल कर इलाज के लिए तत्काल सदर अस्पताल सिमडेगा भेजा। वह इधर घटना की सूचना पुलिस को दी गई जिसके बाद पुलिस आगे की कार्रवाई में जुट गई है। मिली जानकारी के अनुसार तामड़ा टभाडीह निवासी साज्जु प्रधान सिमडेगा से छड़ सहित अन्य सामान लेकर तामड़ा की ओर जा रहा था इसी दौरान तीव्र गति से ट्रैक्टर चला रहा था इसी दौरान अचानक ट्रैक्टर से अपना नियंत्रण खो बैठा और पलट गई पलटने के बाद वह खुद दब गया इधर स्थानीय लोगों की मदद से उसे इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया है जहां पर बताया गया कि अंदरूनी काफी चोट आई है फिलहाल सदर अस्पताल में उसका इलाज चल रही है।

सात दिवसीय जया किशोरी कथा वाचन की कार्य प्रगति की हुई समीक्षा

लोहरदगा। समस्त साहू परिवार तथा लोहरदगा जिला क्रिकेट एसोसिएशन द्वारा 5 से 11 सितंबर तक होने जा रहे सात दिवसीय जया किशोरी कथा वाचन तथा साथ में नाट्य मंडली द्वारा कार्यक्रम को लेकर कार्य प्रगति की एक समीक्षात्मक बैठक कार्यक्रम स्थल ललित नारायण मिश्र स्टेडियम में हुई। जिसमें कार्यक्रम को ऐतिहासिक, स्मरणीय तथा पूरे क्षेत्र को भक्तिमय करने की दिशा में चर्चा हुई। जिसमें शहर व पंडाल सजा, पेय जल, श्रद्धालुओं की बैठनेकी व्यवस्था ,पार्किंग, प्रसाद, साफ-सफाई, वॉशरूम, विद्युत, सीनियर सिटीजन की बैठने की व्यवस्था, बैज आदि विषयों पर बातें हुई। मौके पर अशोक यादव, संजय बर्म्मन, सुरेश ठाकुर, सुधीर अग्रवाल, धर्मेंद्र कुमार, बंटू जयसवाल, दुर्गा प्रजापति, विनोद सिंह ,जयप्रकाश शर्मा, पंकज जयसवाल, जयदीप भगत, हिमांशु केसरी, अमित कुमार, जयजीत चौबे, अजीत भगत, रोहित ओझा, सुनील भगत, मनोज गुप्ता, मोहन दुबे, सोहन साहू, रोहन श्याम केसरी, अंकित गुप्ता, गुड्डू प्रसाद, राकेश साहू, निलेश कुमार, प्रमोद अग्रवाल, आकाश खत्री, राहुल कुमार आदि उपस्थित थे।

युवा सद्भावना मैच में न्यू स्पोर्टिंग क्लब ने सरना बॉयज की टीम को दो गोल से हराया

कुडू-लोहरदगा। जिला प्रशासन के निर्देश पर युवा सद्भावना मंच द्वारा युवाओं में आपसी प्रेम और सद्भावना कायम करने के उद्देश्य से प्रखंड के कोलसिमरी पंचायत में आयोजित एक दिवसीय सद्भावना फुटबॉल मैच में न्यू स्पोर्ट क्लब की टीम ने सरना बॉयज की टीम को पेनाल्टी शूट आउट में दो गोल से पराजित किया। मैच का शुभारंभ बीडीओ मनोरंजन कुमार और सद्भावना मंच के सदस्य सलीम अमीर ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। मैच के पश्चात बीडीओ श्री कुमार ने उपस्थित खिलाड़ियों और ग्रामीणों को सद्भावना का संदेश देते हुए कहा कि यदि हमे आगे बढ़ना है तो, प्रेम और सद्भाव को बनाये रखना होगा। हर तरक्की के पीछे आपसी भाईचारे की भी बड़ी भागीदारी होती है। मौके पर विनोद भगत, सोमनाथ भगत, प्रिंस खान, चिलगु भगत, अयता भगत, महताब आलम, पवन उरांव, धनेश्वर ताना भगत, रिजवान खान, छोटू उरांव, लालू उरांव सहित कई ग्रामीण उपस्थित रहे।

उपायुक्त ने सड़क सुरक्षा, विधि व्यवस्था, उत्पाद सहित अन्य विभागों की समीक्षा की

उत्पाद विभाग को अवैध शराब की चुलाई व विक्रय पर अंकुश लगाने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। उपायुक्त सिमडेगा आर. रोनीटा ने सड़क सुरक्षा, विधि व्यवस्था, उत्पाद, कारा एवं परिवहन विभाग से संबंधित समीक्षा बैठक की। उत्पाद विभाग को अवैध शराब की चुलाई एवं विक्रय पर अंकुश लगाने का निर्देश दिया। उन्होंने कहा कि सघन अभियान चलाएं और जिले में अवैध शराब की चुलाई एवं बिक्री पर सख्त से सख्त अंकुश लगाने एवं कार्रवाई करने का निर्देश दिया। आगामी त्यौहार के मद्देनजर पूरी मुस्तैदी के साथ छापामारी अभियान चलाने का निर्देश दिया। उन्होंने उत्पाद अधीक्षक को अब तक अवैध

शराब की चुलाई एवं बिक्री से संबंधित किए गए कार्य का प्रतिवेदन तैयार करें समर्पित करने का निर्देश दिया। उन्होंने मंडलकारा संचालन की व्यवस्था के बारे में भी समीक्षा की। विधि व्यवस्था, महिलाओं की व्यवस्था, गर्भवती, मेडिकल चेकअप सहित अन्य मामले से संबंधित विस्तृत समीक्षा की। एनएच अभियंता को 143 में खराब सड़कों के मरम्मत एवं सड़क दुर्घटना ना हो ऐसी परिस्थिति में सड़कों के निर्माण की दिशा में महत्वपूर्ण और दिशा निर्देश दिए। बारिश के कारण खराब हुए सड़कों को मरम्मत करने का निर्देश दिया। सड़क सुरक्षा के मद्देनजर सड़कों के किनारे आने वाले पेड़ की टहनियों की छटनी करने की बात कही। सड़क दुर्घटना के स्पोर्ट का स्थलीय निरीक्षण से संबंधित अद्यतन प्रतिवेदन समर्पित करने का निर्देश दिया। बैठक में पुलिस अधीक्षक सौरभ कुमार, अनुमंडल पदाधिकारी महेंद्र कुमार, जेल अधीक्षक मो. शहजाद परवेज, जिला परिवहन पदाधिकारी, उत्पाद अधीक्षक सहित संबंधित विभाग के पदाधिकारी, अभियंता उपस्थित थे।

फांसी लगाकर युवक ने की आत्महत्या जांच में जुटी पुलिस

नवीन मेल संवाददाता

सिमडेगा। मुफस्सिल थाना क्षेत्र अंतर्गत तामड़ा बगीचा टोली गांव में शनिवार की अहले सुबह एक युवक ने अपने ही घर में रस्सी के सहारे फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना पुलिस को दी गई जिसके बाद थाना प्रभारी अरविंद कुमार दल बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और सभी मामले की बारीकी से छानबीन में जुट गए। जानकारी देते हुए थाना प्रभारी ने बताया कि बगीचा टोली निवासी प्रदीप नायक अपने ही घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। साथ ही उन्होंने बताया कि आत्महत्या से पूर्व उसने अपनी पत्नी की सभी फोटो फ्रेम को अपने बेड पर बकायदा सजाकर कुछ कागजों को भी रखा है। उसके बाद घर में फांसी लगा ली इधर स्थानीय लोगों का कहना है कि रात भर युवक ने मोबाइल और मिनी एंपलीफायर की मदद से गाना बजाते हुए आत्महत्या की होगी। पुलिस जब पहुंची तो घटनास्थल पर

एंपलीफायर चालू अवस्था में पाया गया। इधर घटना के बाद पंचायत के मुखिया मुखिया सहित स्थानीय लोगों की भीड़ गई। थाना प्रभारी ने कहा कि प्रथम दृष्टया आत्महत्या की लग रही हालांकि इस मामले में आत्महत्या के कारणों का अभी तक पता चल नहीं पाया है। इधर पत्नी जो मायके में रहती थी उसे पता चला तब वह घर पहुंची और बार-बार पति की आत्महत्या की खबर सुनने पर बेसुध हो जा रही थी। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर सदर अस्पताल सिमडेगा पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जहां पर पोस्टमार्टम करने के पश्चात शव परिजनों को सौंपा गया इस मामले में पुलिस ने थाना में यूडी केस दर्ज की है।

जोबांग पुलिस ने दुष्कर्म के आरोपी को गिरफ्तार कर भेजा गया जेल

- अभियुक्त फुलदेव तुरी साल 2018 से दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने के बाद से चल रहा था फरार

नवीन मेल संवाददाता

किस्को/लोहरदगा। जिले के अति सुदूरवर्ती व उग्रवाद प्रभावित जोबांग थाना पुलिस ने दुष्कर्म के स्थायी वारंटी थाना क्षेत्र अंतर्गत ग्राम पसागन निवासी लिबर तुरी का पुत्र फुलदेव तुरी पिता लिबर तुरी को उसके घर से गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इस संदर्भ में थाना प्रभारी शशि शेखर कुमार ने बताया कि दुष्कर्म के स्थायी वारंटी फुलदेव तुरी गांव के ही एक युवती के साथ 2018 में दुष्कर्म की घटना को अंजाम देने के बाद से फरार चल रहा था जिसे गुप्त सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए आरोपी युवक को उसके पैतृक घर से गिरफ्तार कर कागजी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शनिवार को लोहरदगा जेल न्यायिक हिरासत में भेज

दिया गया है। थाना प्रभारी शशि शेखर कुमार ने बताया कि दुष्कर्म के स्थायी वारंटी को घटना के बाद से ही जोबांग थाना पुलिस तलाश में जुटी हुई थी। थाना प्रभारी शशि शेखर कुमार ने बताया कि दुष्कर्म के आरोपी फुलदेव तुरी के विरुद्ध जोबांग थाना कांड संख्या 11/18 यूएस 376 भा0द0वि0 दर्ज है। इधर दुष्कर्म के फरार अभियुक्त फुलदेव तुरी की गिरफ्तारी में सब इंस्पेक्टर सोनू चौधरी, सिपाही रविंद्र कुमार अनिल कुमार दुबे सहित अन्य पुलिसकर्मी की अहम किरदार रहा।

हथियार के बल पर दिनदहाड़े लाह व्यवसायी से डेढ़ लाख रुपये की लूट

- पुलिस ने घेराबंदी कर दो अपराधियों को पकड़ा, पैसा और हथियार बरामद

नवीन मेल संवाददाता

जलडेगा। थाना क्षेत्र में इन दिनों बेखौफ अपराधी दिनदहाड़े घटना को अंजाम दे रहे हैं। थाना मुख्यालय में शुक्रवार देर रात अपराधियों ने एक मोबाइल दुकान में चोरी की घटना को अंजाम दिया। वहीं दिनदहाड़े शनिवार सप्ताहिक बाजार से आधे किलोमीटर दूर जलडेगा ओडगा मेन रोड में तेलंगा नाला के पास एक लाह व्यवसाई से मोटर साइकिल सवार तीन अपराधियों ने बंदूक की नोक पर नगद लगभग 1 लाख 50 हजार की डकैती की गई। घटना जलडेगा मुख्यालय निवासी दिपक साहू उर्फ कारू के साथ घटित हुआ है। मिली जानकारी के अनुसार व्यावसायिक दिपक साहू उर्फ

कारू सप्ताहिक बाजार में खरिदगी के लिए प्रातः 9 बजे दुकान लगाने की तैयारी कर ही रहा था कि एक स्प्लेंडर मोटर साइकिल पर तीन लोग सवार होकर जलडेगा की ओर से आए और व्यवसायी दिपक से लाह की किमत पुछने लगे और तीनों ने बंदूक निकला और कनपटी पर रखकर पैसा निकालो कहने लगे। हाथ में पकड़े पैसे की थैला को और सर्ट पाकेट में रखे पैसा को छिना और सिधे सामने ओडगा की ओर भागने लगे। अपराधी लुटपाट को अंजाम देने के बाद सिधे सामने ओडगा की ओर भागे, लगभग दो किलोमीटर के बाद केलुगा खेल मैदान के पास बांयें की ओर भागे, सिधे रास्ते ना जाकर अनजाने में केलुगा बस्ती की ओर घुस गए, बस्ती में पानी टंकी के पास एकत्रित लड़कों ने देखा संदेह भी जाहिर किए तभी जलडेगा से केलुगा के लोगों को फोन के माध्यम लुटकांड की जानकारी मिल गया, तबतक पगडंडियों के रास्ते महेश्वरटोली, पहानटोली, पुजारटोली बिलईगड़ा के रास्ते खरवागढा गंझू तलाब होते हुए खरवागढ़ा से सिधे लचडागढ़ की ओर जाने वाले रोड में सिधे चलने लगे और कारीमाटी पांगूर पास अपराधी और जलडेगा पुलिस आमने सामने हो गए। पुलिस को दूर से देखते ही सामने से आ रहे अपराधी अपना रास्ता पीछे की ओर मोड़ने लगे। पीछे मोड़ने के क्रम में दो अपराधी बाइक से उतर गए थे और इसी बीच पुलिस सामने पहुंच गई और दो अपराधी को पकड़ लिया गया। इससे पूर्व अपराधियों ने अपना हथियार और पैसे का थैला को जंगल में फेंक चुके थे और बाइक चालक तीसरा अपराधी बाइक समेत भागने में सफल रहा। पकड़े अपराधियों के निशानदेही पर नगद का थैला और एक बंदूक जब्त किया गया है। हालांकि पुलिस ने अभी तक इसकी पुष्टी नहीं की है।

जिला खेल पदाधिकारी ने कोलेबिरा में कसरत क्लब जिम का किया उद्घाटन

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। कोलेबिरा के थाना रोड स्थित कसरत क्लब जिम का उद्घाटन सिमडेगा जिले के जिला खेल एवं पर्यटन पदाधिकारी प्रवीण कुमार, प्रखंड प्रमुख दुतामि हेमरोम, मुखिया अंजना लकड़ा, झारखंड पार्टी के युवा जिला अध्यक्ष संदेश एक्का, जिला उद्योग विभाग के ई ओ डी बी प्रबंधक सलमान खुर्शीद ने सामुहिक रूप से फीता काटकर उद्घाटन किया। कसरत क्लब जिम के संचालक राहुल कुमार ने बताया कि उन्होंने अपने क्षेत्र वासियों को जिम के रूप में स्वस्थ रहने का सौगात प्रस्तुत किया है। जिला खेल एवं पर्यटन पदाधिकारी प्रवीण कुमार ने कहा कि आज के दौर में जिम या कसरत करने का संस्थान बहुत ही जरूरी है, अभी लोगों को स्वस्थ रहने के लिए प्रतिदिन कम से कम एक घंटे का समय

निकालकर इसे दिनचर्या में शामिल करना आवश्यक है। आज के दूषित वातावरण में लोगों को घूमने के बजाय एक घंटे जिम में कसरत कर अपने शरीर को स्वस्थ रखने के लिए व्यायाम करना चाहिए। कसरत क्लब जिम आधुनिक मशीनों से लैस है। जिम के संचालक राहुल कुमार साहू ने कहा कि क्षेत्र के युवाओं को जिम की काफी जरूरत थी। इस जिम में जिस तरह का सामान रखा गया है, जिससे युवाओं को काफी मदद मिलेगी। यहां पर युवा कसरत कर अपने शरीर को फिट बना सकते हैं। आज के युग में स्वास्थ्य को सही रखने के लिए व्यायाम जरूरी है। जिम में जाने से लोगों की कई बीमारियां दूर हो जाती हैं। राहुल कुमार साहू से बताया कि उन्होंने वर्ष 2019 में थाईलैंड में ओपन इंटरनेशनल चैंपियनशिप वेट लिफ्टिंग का खिताब अपने नाम करते हुए गोल्ड मेडल जीता था। ऐसे में क्षेत्र के बच्चों को अच्छी ट्रेनिंग मिलेगी। जिम में आधुनिक उपकरण लगाए गए हैं। इससे नौजवानों को फायदा होगा।मौके पर जिला खेल एवं पर्यटन विभाग के पदाधिकारी प्रवीण कुमार, झारखंड पार्टी के युवा जिला अध्यक्ष संदेश एक्का, विनोद कुमार, पैरू साहू, राजेश प्रसाद, कमेश कुमार, रणधीर कुमार के अलावा युवा लड़के लड़कियां के साथ ग्रामीण उपस्थित थे।

नवाटोली पंचायत में आवास निर्माण कार्य में अधूरे पड़े आवासों को लेकर बीडीओ ने की समीक्षा

नवीन मेल संवाददाता

कोलेबिरा। कोलेबिरा प्रखंड अंतर्गत नवटोली पंचायत भवन में प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर ग्रामीणों के साथ प्रखंड विकास पदाधिकारी अखिलेश कुमार ने बैठक की। बताया गया कोलेबिरा नवाटोली पंचायत के प्रधानमंत्री आवास के वैसे लाभुक जो वित्तीय वर्ष 2016-17 से लेकर 2021 तक एवं वित्तीय वर्ष 2021-22 के जो लाभुक हैं वह अपना घर अभी तक बनाकर पूर्ण नहीं कर पाए हैं वैसे लाभुकों के साथ इस बैठक में प्रखंड विकास पदाधिकारी अखिलेश कुमार नवाटोली एवं पंचायत की मुखिया कल्पना देवी उप मुखिया दिवाकर दास लाभुकों के साथ सीधे वार्ता करने हेतु बैठक बुलाई जिससे उनके समस्याओं से अवगत होकर उनकी समस्याओं का समाधान किया जा सके। साथ में 5 सितंबर 2022 तक जो लाभुक नीव खुदाई या लिंटन लेवल तक अपने मकान का कार्य कर चुके हैं वैसे लाभुक अपना मकान जल्द से जल्द बनाकर पूरा करेंगे एवं जिन का मकान रूफ लेवल तक बन चुका है वह लगभग 1 सप्ताह के अंदर अपने मकान का ढलाई करने का निर्देश दिया गया नवटोली पंचायत अंतर्गत वित्तीय वर्ष 2016-17 से लेकर वर्ष 2021-22 तक कुल 17 योजनाएं अपूर्ण है एवं वर्ष 2021-22 में कुल 99 आवास लंबित है जिसके कारण बाकी लाभुकों को प्रधानमंत्री आवास नहीं मिल पा रहा है। प्रखंड विकास पदाधिकारी के द्वारा बताया गया की सरकार के दिशा निर्देश अनुसार सभी निलंबित आवास को सितंबर माह तक हर हाल में पूर्ण करना है बैठक में ग्रामीणों के द्वारा बताया गया कि प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत मकान तीन चार कमरों का मनाया जा रहा है जिसके कारण लाभुक को अधिक खर्च हो जाने के कारण मकान का कार्य पूर्ण नहीं हो पा रहा है और वैसे लाभुक जो प्रधानमंत्री आवास योजना का पैसा किसी बीमारी खेती बारी अथवा अन्य कार्यों में खर्च कर दिए हैं वैसे लाभुक अपने सगे संबंधियों से मदद लेकर जल्द से जल्द अपना मकान बनाकर तैयार करें ताकि जितने भी निलंबित आवास हैं सभी पूर्ण हो।

न्यायमूर्ति ने बार एसोसिएशन भवन में सोलर प्लांट उद्घाटन व कानून संबंधित किताबों का भेंट स्वरूप किया वितरण

पर्यावरण के संरक्षण व हरियाली के लिए ऐसे कदम उठाने की जरूरत है : डॉ एसएन पाठक

नवीन मेल संवाददाता

गुमला। झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति एस.एन. पाठक ने शनिवार को बार भवन में 120 किलोवाट सोलर पावर का उद्घाटन और 16 लाख के पुस्तकों का लाइब्रेरी बार भवन को समर्पित करने के बाद अधिवक्ताओं को संबोधित करते हुए कहा कि बार एसोसिएशन का यह लाइब्रेरी मील का पत्थर साबित होगा। न्यायालय पर बड़ी जिम्मेदारी है। लोगों का न्यायालय पर विश्वास है। इस विश्वास पर खरा उतरने में यह पुस्तक उपयोगी साबित होगा। बार भवन में अब सोलर लाइट से सारा काम होगा। पर्यावरण के संरक्षण और हरियाली के लिए ऐसे कदम उठाने की जरुरत है। उन्होंने इसके लिए उपायुक्त सुशांत गौरव की तारीफ की। उपायुक्त सुशांत गौरव ने कहा कि जहां जिन चीजों की जरुरत हैं वहां उपलब्ध कराना हमारा प्रयास है। बार भवन में सोलर लाइट की आवश्यकता थी।जुलाई 2022 को बार एसोसिएशन के अध्यक्ष द्वारा जब इसकी जानकारी मिली तब यह पहल की गई और शनिवार को इसका उद्घाटन भी हो गया। बार भवन के कार्यक्रम के उपरांत न्यायमूर्ति ने न्यायिक अधिकारियों के कार्यालयों का निरीक्षण किया। इस दौरान न्यायिक पदाधिकारियों और कर्मियों

से विस्तृत जानकारी ली एवं कार्य के तौर तरीकों से अवगत हुए। कर्मियों को सभी आवश्यक दस्तावेजों के प्रति जागरूक रहने एवं बेल ऑर्डर को पेंडिंग नहीं रखने का निर्देश दिया। इस दौरान कोर्ट की सुनवाई के लिए आए आम जनों से मुलाकात करते हुए उनके द्वारा न्यायालय कार्यों की प्रक्रिया की जानकारी ली। यदि आम जनों को न्यायालय प्रक्रिया में किसी प्रकार की समस्या का सामना करना पड़े तो लिखित शिकायत दर्ज करने की बात कही, जिसके पश्चात सुधार के लिए त्वरित कार्यवाही की जाएगी। इसके उपरांत न्यायमूर्ति ने केंद्रीय पुस्तकालय के नए भवन का उद्घाटन किया। इस दौरान पुस्तकालय में उपलब्ध पुस्तकों को देखा और साहित्यिक पुस्तकों को भी रखने की बात कही ताकि छात्र-छात्राएं इनसें अच्छी बातों को सीख समझ सके और प्रेरित हो सके। न्यायमूर्ति ने पुराने पुस्तकालय भवन का निरीक्षण किया और उपलब्ध पुस्तकों को देखकर रीच लाइब्रेरी बताया। इस दौरान पुस्तकालय में अध्ययन करने वाले छात्र-छात्राओं से भी बात की। नगर भवन गुमला में दिव्यांग शिविर कार्यक्रम में भाग लेते हुए दिव्यांगों के बीच व्हील चेयर का वितरण किया गया। जिला प्रशासन एवं भगवान महावीर विकलांग सहायता समिति और लायंस क्लब गुमला के संयुक्त तत्वाधान विशेष दिव्यांग शिविर कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में न्यायमूर्ति उपस्थित रहें। इस दौरान उन्होंने दिव्यांगजनों के बीच व्हील चेयर का वितरण किया। न्यायमूर्ति ने उपस्थित दिव्यांगजनों एवं उनके अभिभावकों को संबोधित करते हुए उन्होंने अपनी अनुभूति सुनते हुए बताया कि खूंटी परिसर के दौरे के दौरान उनकी मुलाकात कल्याण विभाग के सेक्रेटरी से हुई जो एक आईएएस ऑफिसर थे। काफी समय के पश्चात मालूम चला की वे दिव्यांग थे उनकी दोनो आंखे नहीं थे। परंतु आत्मबल ने उन्हें इस काबिल बनाया की वे एक आईएएस ऑफिसर के पद पर कार्य कर रहें थे। इसी प्रकार यदि कोई व्यक्ति ठान ले तो वो कुछ भी बन सकता है केवल आत्मबल को मजबूत करने की आवश्यकता है। उपायुक्त गुमला ने इस प्रकार के शिविर को बढ़ावा देने की बात कही। उन्होंने कहा की दिव्यांगजनों की सहायता एवं उनके आत्मबल को बढ़ावा देने के लिए जिला प्रशासन हर संभव सहायता के लिए कटिबद्ध है। रॉक गार्डन में पौधारोपण कार्यक्रम में माननीय न्यायमूर्ति की उपस्थित। न्यायमूर्ति द्वारा रॉक गार्डन में पौधारोपण करते हुए पर्यावरण बचाने का संदेश दिया गया। इस दौरान न्यायमूर्ति सहित जिला न्यायधीश गुमला, उपायुक्त गुमला, पुलिस अधीक्षक, डीडीसी, अनुमंडल पदाधिकारी गुमला ने भी पौधरोपण किया। सिसई नवरत्न गढ़ का दौरा। न्यायमूर्ति ने जिला न्यायधीश तथा उपायुक्त गुमला एवं अन्य वरीय पदाधिकारियों के साथ सिसई प्रखंड स्थित नवरतनगढ़ का दौरा किया। उन्होंने नवरत्नगढ़ की ऐतिहासिक कहानी के विषय में जानकारी ली एवं नवरतानगढ किला का भ्रमण किया। न्यायमूर्ति डॉ एस. एन. पाठक माननीय उच्च न्यायालय झारखंड रांची के गुमला जिले के भ्रमण के दौरान प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजय कुमार चंधरियावी, उपायुक्त गुमला सुशांत गौरव , पुलिस अधीक्षक एहतेशाम बकारिब, उपविकास आयुक्त हेमंत सती, अनुमंडल पदाधिकारी सदर रवि आनंद के अलावा अन्य संबंधित पदाधिकारी एवं कर्मी उपस्थित थे।

न्यायमूर्ति ने रॉक गार्डन परिसर का किया भ्रमण, किया पौधरोपण

पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत नगर परिषद क्षेत्र के दुंदुरिया स्थित रॉक गार्डन में शनिवार को पौधरोपण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। गुमला उपायुक्त सुशांत गौरव के व नगर परिषद के तत्वाधान में आयोजित इस पौधरोपण कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायमूर्ति डॉक्टर एसएन पाठक सम्मिलित हुए। माननीय न्यायमूर्ति ने कार्यक्रम स्थल पर मौजूद नगर परिषद गुमला के जनप्रतिनिधियों व नगर परिषद कार्यालय कर्मियों से संक्षिप्त संवाद भी किया। रॉक गार्डन परिसर में भ्रमण के दौरान न केवल उन्होंने इस परिसर के पुनर्विकास हेतु अपने बहुमूल्य सुझाव दिए बल्कि शुभकामनाएं भी दी कि गुमला जिला प्रशासन एवं नगर परिषद टीम के प्रयास से गुमला का यह रॉक गार्डन रांची के रॉक गार्डन से भी बेहतर विकसित किया जा सकेगा। तदुपरांत मुख्य अतिथि माननीय न्यायमूर्ति डा पाठक के साथ-साथ प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश संजय कुमार चंद्रियावी, उपायुक्त सुशांत गौरव, पुलिस अधीक्षक एहतेशाम वकारीब, डीडीसी हेमंत सती, एसडीओ रवि आनंद, नगर परिषद अध्यक्ष दीप नारायण उरांव, उपाध्यक्ष कलीम अख्तर आदि के अलावा उपस्थित सभी वार्ड पार्षदों ने पौधरोपण किया। पौधरोपण कार्यक्रम में महोगनी, अशोक, कदम्ब, नीम, अमरूद आदि के पौधे लगाए गए। भ्रमण के दौरान कार्यपालक पदाधिकारी संजय कुमार ने रॉक गार्डन के बारे में आगंतुक सम्मानित अतिथियों को संक्षिप्त जानकारी दी। इस दौरान नगर परिषद गुमला के समस्त कर्मचारी गण भी मौजूद थे।

भंडरा में प्रकृतिक पर्व करमा पूर्व संध्या सांस्कृतिक समारोह का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

भंडरा/ लोहरदगा। प्रखंड के श्रीलाल बहादुर शास्त्री उच्च विद्यालय स्थित मैदान में शनिवार को भंडरा प्रखंड सरना समिति के बैनर तले महा प्रकृतिक पर्व करमा पूर्व संध्या सांस्कृतिक समारोह का आयोजन किया गया। इस समारोह के मुख्य अतिथि विशुनपुर विधायक प्रतिनिधि शिवराम कच्छप, विशिष्ट अतिथि के रूप में ललित लिंडा, भंडरा जिला परिषद सदस्य राजमनी उरांव, सेन्हा जीप सदस्य राधा तिर्की, कैरो जीप सदस्य सुखदेव उरांव, उप प्रमुख राजमुनी उरांव एवं थाना प्रभारी गौतम कुमार सामिल हुए। कार्यक्रम शुरूआत से पहले बाबा धर्मेश एवं मां चाला को प्राथर्ना की गई। जिसके बाद अतिथियों ने रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम का आगाज कराया। यह कार्यक्रम में मसमानो, टोटो, भौंरो, बेदाल, भंडरा, डुमरी, कचमची, जमगाई, चट्टी, कुंदो, उदरंगी, बड़ागाई, बिटपि, धनामुन्जी, गडरपो, कुम्हरिया, आकाशी, भीठा सहित कुल 80 नृत्य खोड़हा दल के कलाकार सामिल हुए। जंहा बनाय गए आखाड़ा में बारी-बारी से खोड़हा दल के कलाकारों ने एक से बढ़कर एक नृत्य वह गीत की शानदार प्रस्तुति दी। सभी खोड़हा दल को अतिथियों द्वारा प्रोत्साहित

किया गया। मौके पर मुख्य अतिथि शिवराम कच्छप ने कहा कि आदिवासियों की पहचान हमारी संस्कृति है। आदिवासी संस्कृति आज भी फल फूल रहा है। अपनी संस्कृति भाषा से आदिवासी समाज पूरे विश्व में पहचान बनाये हुए है। समाज में मुख्य रूप से दो प्रकृति महापर्व करमा और सरहुल है। उन्होंने कहा कि आदिवासी समाज के लोग इन पर्व त्योहार को नशा मुक्त होकर मनाए। कार्यक्रम में अन्य अतिथियों ने भी सम्बोधित किया। मौके पर आयोजन समिति के अध्यक्ष तिवारी उरांव, उपाध्यक्ष रामबिलास उरांव, विशुन उरांव, सचिव फूलदेव उरांव, सहसचिव मंगरा उरांव, कोषाध्यक्ष बीजू उरांव, सोमरा उरांव, बिनोद उरांव, राजेश उरांव, संरक्षक सामिल उरांव, मिठू उरांव, सूरज उरांव, रामचन्द्र उरांव, एतवा उरांव सहित काफी संख्या में विभिन्न गांव से आदिवासी समाज के लोग मौजूद थे।

न्यूज गैलरी

ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल में शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन

मेदिनीनगर। ऑक्सफोर्ड पब्लिक स्कूल, मेदिनीनगर के प्रांगण में शनिवार को बच्चों के द्वारा शिक्षक दिवस समारोह का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विद्यालय के प्राचार्य डॉ॰ एके सिंह ने दीप प्रज्वलित कर डॉ॰ सर्वपल्ली राधाकृष्णन के छायाचित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम का शुभारंभ किया।। मौके पर प्राचार्य ने विद्यालय के सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दी । विद्यालय के प्राचार्य डॉ॰ एके सिंह ने विद्यालय के सभी छात्रों के उज्जवल भविष्य की कामना की। गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से हम अपने राष्ट्र का भविष्य बेहतर बना सकते है। तत्पश्चात शिक्षक दिवस के इस अवसर पर विद्यार्थियों के द्वारा विभिन्न प्रकार के कार्यक्रम आयोजित किये गए। सर्वप्रथम वरिष्ठ विद्यार्थियों द्वारा शिक्षकों की भूमिका में प्रथम एवं द्वितीय कालांश तक कक्षा संचालन हुआ। तत्पश्चात प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया। जिसमें विभिन्न कक्षा के छात्र व छात्राओं के द्वारा मनोहर नृत्य, गीत, हिन्दी एवं अंग्रेजी में शैक्षणिक विषय पर भाषण दिया। इस अवसर पर एक संदेश प्रस्तुत करने वाला नाटक भी प्रस्तुत किया गया। शिक्षकों के लिए कुर्सी दौड़, मिमिकरी (अनुहरण) एवं छात्र-छात्राओं के द्वारा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। अन्त में प्राचार्य एवं शिक्षकों के द्वारा केक काटकर समस्त विद्यार्थियों का आभार व्यक्त किया। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम की समाप्ति की गई। इस अवसर पर विद्यालय के सभी शिक्षक तथा शिक्षिकाएं उपस्थित रहे।

झामुमो ने कहा-महादलित परिवार के साथ अन्याय नहीं होगा

मेदिनीनगर । पांडू के मुरुमातू गांव में जेएमएम कार्यकर्ता शुक्रवार को जिलाध्यक्ष राजेंद्र सिन्हा के नेतृत्व में पहुंचे और दोनों पक्षों से मुलाकात की। जिलाध्यक्ष सिन्हा ने कहा कि इस घटना पर झामुमो की नजर है। किसी के साथ गलत नहीं होगा। सरकार सभी पक्षों के साथ न्याय करेगी। झामुमो ने प्रशासन से महादलित समाज की मदद का आग्रह किया था। इसपर सभी परिवारों को 2 डिसमिल जमीन, पच्चीस हजार रुपए व खाद्य सामग्री की मदद दी गई है। यह पूरी तरह से जमीन विवाद का मामला है। कम्युनल या अन्य विवाद नहीं है। प्रशासनिक तंत्र मामले की जांच कर रहा है। जल्द ही महादलितों को सम्मान के साथ बसाया जाएगा और रोजगार की व्यवस्था की जायेगी। राज्य में भाजपा अपराध का भी राजनीतिकरण कर लोगों को आपस में लड़वाना चाहती है।

विरोधी दल के बहकावे में नहीं आयें, माहौल बिगड़ने नहीं देंगे :ददई

पांडू। प्रखंड अंतर्गत मुरुमातू में सोमवार को महादलित परिवार पर हुए अत्याचार की घटना पर थाना में शरण लिए उजड़े मुसहर परिवार से शुक्रवार अपराह्न पूर्व मंत्री व वरिष्ठ कांग्रेसी नेता चंद्रशेखर दूबे उर्फ ददई दुबे मिले। इसके बाद उजाड़े गए मुरुमातू स्थल का भी जायजा लिया। पूर्व मंत्री ददई दूबे ने महादलित परिवारों को विरोधी पार्टी के नेताओं के चक्कर में नहीं आने की नसीहत दी। कहा कि राज्य में हमारी सरकार है। सरकार बहुत जल्द आप लोगों के लिए सरकारी जमीन उपलब्ध कराकर स्थाई आवास बनाकर उसमें बसायेगी। साथ ही आधार कार्ड, राशन कार्ड एवं वोटर कार्ड आदि जल्द बनाकर उन्हें दिया जायेगा। इसी क्रम में ददई दूबे ने मुरुमातु बस्ती में महादलित परिवार के उजाड़ने के आरोपी विशेष समुदाय से भी मिले। ददई दूबे ने मुरुमातू के अल्पसंख्यक परिवार को संबल देते हुए जोर देकर कहा कि उनके साथ वह खड़े हैं। कोई उनका बिना किसी कसूर के कुछ भी बिगाड़ नहीं सकता है। यदि महादलित परिवार के पास इस भूखंड का कागजात है तो निश्चित रूप से उनके साथ अन्याय हुआ है।

10 लाख रंगदारी मांगने वाले आरोपी को भेजा गया जेल

बरकट्ठा। रंगदारी मांगने के मामले में एक आरोपी को बरकट्ठा पुलिस ने गिरफ्तार कर जेल भेज दिया ।विदित हो कि पुर्व विधायक जानकी प्रसाद यादव के पुत्र अजीत यादव ने बरकट्ठा थाना में रंगदारी और जान से मारने की धमकी को लेकर मामला दर्ज कराया था। दर्ज प्राथमिकी में लिखा कि मैं झारखंड में निबंधित संवेदक हूं। ग्राम झुमरी तिलैया निवासी जितेंद्र सिंह ने मुझसे रंगदारी में दस लाख रूपए का डिमांड किया,पैसे नहीं देने पर जान से मारने की धमकी दी। प्राथमिकी के आलोक में पुलिस ने बरकट्ठा थाना कांड संख्या 149/22 तहत मामला दर्ज कर रंगदारी के आरोपी जितेंद्र सिंह, पिता नरेश सिंह को ग्राम देवी मंडप रोड इंद्रपुरी मोहल्ला झुमरी तिलैया निवासी को गिरफ्तार किया। गिरफ़्तार आरोपी को पुलिस ने न्यायिक हिरासत में भेज दिया।

सोलर युक्त बिजली के सहारे मोबाइल चार्ज करने की शुरूआत की

मेदिनीनगर। नावा बाजार प्रखंड क्षेत्र के सोहदाग पंचायत स्थित राजदिरिया मल्लाह टोला में शनिवार को लगभग एक दर्जन युवकों ने उत्क्रमित मध्य विद्यालय के समीप सोलर युक्त जल मीनार के सहारे अपना मोबाइल चार्ज करते दिखे। सूत्रों के अनुसार युवकों ने बताया कि बिजली बिल बकाया होने के कारण राजदिरिया मल्लाह टोला में बिजली विभाग द्वारा आईटीआई के पास बिजली तार को उतार दिया गया है। जिससे हम लोगों को मोबाइल चार्ज करने में परेशानी हो रही है । मोबाइल चार्ज करने के लिए हम लोग सोलर प्लेट युक्त से अपना मोबाइल चार्ज कर रहे हैं।

मुरूमातू की घटना को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश:रुचिर

मेदनीनगर। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के जिला सचिव रुचिर कुमार तिवारी ने भाजपा नेताओं के द्वारा और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष दीपक प्रकाश के मुरुमातू की घटना को सांप्रदायिक रंग देने की कोशिश की जा रही है। जिसकी हम घोर निंदा करते हैं। भाजपा के नेता दीपक प्रकाश ने कहा कि घटना स्थल की उक्त जमीन पर मंदिर बनेगा । जबकि मंदिर से ज्यादा जरूरी उस जगह पर दलितों का घर बनना है । गरीब का एक घर भी छोटा सा आशियाना भी मंदिर के समान ही होता है। जिसमें वह रह कर अपना जीवन यापन करता है और उसमें पूजा पाठ भी करता है। अगर भाजपा के प्रदेश नेतृत्व और जिला नेतृत्व दलितों के प्रति इतने ही मेहरबान हैं । दलितों की तनिक भी चिंता उन पर है तो वह उसी जगह पर दलितों को प्रधानमंत्री आवास बना कर दें । वरना दलित का नाम लेकर सांप्रदायिक रंग देकर अपना राजनीति की रोटी सेकना बंद करें। क्योंकि ये वही लोग हैं जो कभी दलितों के मंदिर प्रवेश करने के बाद भी शुद्धीकरण किया करते थे।

चिनियां में हाथियों का आतंक जारी, कई एकड़ में लगे फसलों का रौंद डाला, ग्रामीण आक्रोशित

नवीन मेल संवाददाता

चिनियां। प्रतिनिधि थाना थाना क्षेत्र के बेता गांव के जोरीकरम टोली में जंगली हाथियों का झुंड शुक्रवार की रात्रि जमकर उत्पात मचाया जोरीकरम टोली में रामचंद्र सिंह के खेत में लगे लगभग 20 कट्ठा मकई के फसल सफाचट करें गए। वही जोगिंदर सिंह के लगभग 20 कट्ठे में लगे मकई की फसल को भी हाथियों ने रौद दिया। विनोद सिंह के मकई तिल धान के फसल, भोला सिंह के धान-मकई, विजय सिंह के धान, मकई महावीर सिंह के धान मकई, सुदर्शन सिंह के धान, सोहर सिंह के धान, धर्मदेव सिंह के धान, बदाम सुरेश सिंह के बदाम-मकई, पूरन सिंह के मकई, किस्मतिया देवी के मकई सीताराम सिंह के मकई की फसल को जंगली हाथियों ने कई एकड़ में लगे फसलों को भारी नुकसान पहुंचाया है।

क्या कहते है स्थानीय ग्रामीण

ग्रामीणों ने बताया कि रात्रि लगभग 8:00 बजे ही गांव में जंगली हाथियों का झुंड पहुंच गया और रात भर गांव में किसानों का फसल बर्बाद करते रहे जंगली हाथियों द्वारा किसानों को हुए नुकसान के मामले में वनपाल अनिमेष कुमार ने बताया कि जानकारी मिली है किसानों के हुए फसलों के नुकसान के जायजा लिया जा रहा है।

सरकारी प्रावधान के अनुसार उचित मुआवजा दिया जाएगा ग्रामीणों ने बताया कि हाथियों के झुंड में चार पांच बच्चे हैं और शुक्रवार की रात्रि लगभग 20 के संख्या में हाथियों को देखा गया है बताते चले कि पूर्व में लगभग आधे दर्जन हाथी थे। अब हाथियों की संख्या बढ़ गई है। वर्षा सही नहीं होने कारण कुछ-कुछ खेतों में सिर्फ मकई के फसल ही लगे थे। जिसे हाथियों द्वारा बर्बाद किया जा रहा है किसानों को दोहरा नुकसान हो रहा है। एक तरफ तो वर्षा नहीं हुई इधर जंगली हाथियों फसल को नुकसान पहुंचा रहे हैं। बताते चलें कि पिछले 15 दिनों से क्षेत्र के चिनिया चिरका विलैतीखैर बेता सीदे पाल्हे तहले के क्षेत्रों में जंगली हाथियों का आतंक जारी है। ग्रामीणों मे भारी आक्रोश है। वन विभाग से जंगली हाथी को भगाने की मांग की है 15 दिनों में जंगली हाथियों का झुंड किसानों के कई लाख रुपए के फसलों को नुकसान पहुंचा चुके हैं। रात्रि में जंगली हाथी गांव में पहुंच जा रहे हैं और सुबह होते ही जंगल की ओर चले जाते हैं।

मझियां मोड़ के समीप अतिक्रमण किये गये तीन घरों को किया ध्वस्त

नवीन मेल संवाददाता

गढ़वा। शहर में नदियों को अतिक्रमण मुक्त कराने के लिए जिला प्रशासन की ओर से चल रहे अभियान के दूसरे दिन मझियां मोड़ समीप तीन घर को ध्वस्त किया वहीं तीन लोग खुद से अतिक्रमण हटाया। अतिक्रमण हटाने के दौरान सुरक्षा व्यवस्था का पुख्ता इंतजाम देखा गया। सीओ मयंक भूषण ने बताया कि अभियान के पहले दिन चार घर को ध्वस्त किया गया था। दूसरे दिन भी करीब आधा दर्जन घर को ध्वस्त किया गया है आज तीसरा दिन अतिक्रमण हटाया गया है। उन्होंने कहा कि सरस्वती नदी में काफी लोगों ने अपना अतिक्रमण किया है, वैसे सभी लोगों को चिन्हित कर उन्हें नोटिस भेजा गया है, कुछ लोग खुद से अतिक्रमण हटा भी रहे हैं, लेकिन कुछ लोग प्रशासन के निर्देश का पालन नहीं कर रहे हैं। वैसे लोगों पर बलपूर्वक अतिक्रमण हटाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि जिनका भी घर अतिक्रमण में है और वे खुद से नहीं हटाते हैं तो प्रशासन बलपूर्वक अतिक्रमण को हटाया जायेगा और हटाने में लगे खर्च को भी संबंधित लोगों से लिया जायेगा। मौके पर राजस्व कर्मचारी संदीप गुप्ता अंचल अमीन शुक्रण सिंह, कृष्ण कुमार सहित पुलिस बल तैनात थे।

समायोजन की मांग को लेकर आत्माकर्मी काला बिल्ला लगाकर गये अनिश्चितकालीन हड़ताल पर

नवीन मेल संवाददाता

लातेहार। झारखंड आत्मा कार्मिक संघ झारखंड के आह्वान पर शनिवार को कृषि कार्यालय के समक्ष पदों में समायोजन की मांग को लेकर आत्मा कर्मी ने काला बिल्ला लगाकर अनिश्चितकालीन हड़ताल चले गए।कृषि विभाग के लेखापाल सह लिपिक भोला राम ने बताया कि संघ द्वारा विगत कई वर्षों से अपनी मांगों के लिए विभागीय मंत्री सहित सभी उच्च अधिकारियों को मांग पत्र दिया गया। किंतु अभी तक विभाग के द्वारा आत्मा कर्मियों की मांग पर कोई भी विचार नहीं किया गया, जबकि कृषि एवं कृषि से संबंधित विभागों के द्वारा संचालित सभी योजनाओं को आत्मा कर्मियों के द्वारा ही पूरा किया जाता है। आत्मा कर्मी को कृषि विभाग अंतर्गत विभिन्न पदों में आत्माकर्मी को समायोजन किया जाए। आत्मा कर्मी को वर्ष में दो बार वेतन मिलता है। इसे प्रत्येक महीना देने का सरकार प्रावधान करें। विगत छह महीने से वेतन नहीं मिला है। उन्होंने कहा कि झारखंड आत्मा कार्मिक संघ ने अपनी मांगों को लेकर अनिश्चितकालीन हड़ताल पर चले गए हैं। उन्होंने बताया कि तीन सितंबर को काला बिल्ला लगाकर जिला कृषि कार्यालय आत्मा कार्यालय में विरोध प्रदर्शन, पांच सितंबर को कलम बंद हड़ताल करते हुए शांतिपूर्ण तरीके से कार्य का बहिष्कार एवं सात सितंबर को मांग पूर्ण होने तक अनिश्चितकालीन हड़ताल कृषि कार्यालय परियोजना निदेशक आत्मा के कार्यालय परिसर में किया जाएगा। मौके पर उप परियोजना निदेशक आत्मा सप्तमी कुमार झा, बलबीर सिंह, अभिनाश कुमार, समीम अंसारी, जितेंद्र कुमार सिंह, सौरभ जयसवाल, राहुल कुमार सिंह, सपना कुमारी, सबिता कुमारी समेत कई लोग शामिल थे।

अफीम खेती उन्मुलन को लेकर पुलिस ने लगाया शिविर

लोगों को दुष्परिणाम से कराया गया अवगत

अफीम के अवैध खेती व तस्करी होने पर इसकी जानकारी देना अनिवार्य

नवीन मे संवाददाता

पत्थलगड़ा(चतरा)। पत्थलगड़ा थाना क्षेत्र अंतर्गत नोनगांव पंचायत सचिवालय में शनिवार को अवैध अफीम की खेती व तस्करी पर रोकथाम को लेकर शिविर का आयोजन थाना प्रभारी बमबम कुमार के नेतृत्व में आयोजित किया गया। शिविर को संबोधित करते हुवे थाना प्रभारी श्री कुमार ने कहा की एनडीपीएस एक्ट की धारा 47 (ए) के तहत सरकार के प्रत्येक अधिकारी, प्रत्येक पंच, सरपंच व किसी भी प्रकार के अन्य ग्राम अधिकारी को अफीम के अवैध खेती व तस्करी होने व करने आदि की जानकारी मिलने पर इसकी जानकारी पुलिस अधिकारी को देना अनिवार्य है। आगे इसके दुष्परिणाम से सभी को अवगत कराते हुए कहा कि इस अवैध कार्य से दुर रहें व जानकारी मिलने पर थाना प्रभारी व वरीय अधिकारियों को सूचना करें, आपका नाम गुप्त रखा जाएगा। साथ ही अफीम तस्करों को को भी चेतावनी देते हुए तस्करी नही करने की बात कही। इस अवसर पर थाना प्रभारी श्री कुमार ने सभी जनप्रतिनिधियों व ग्रामीणों को अवैध अफीम खेती व तस्करी पर रोक को लेकर सपथ दिलाया। शिविर में जनप्रतिनिधियों के साथ भारी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

मुरुमातु की घटना पर राजनीत तेज, मुसहर परिवार को न्याय मिले

मेदिनीनगर। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने मुरुमातू की घटना को हेमंत सरकार की तुष्टिकरण नीति की देन बताया, कहा मुरुमातू में वर्षों से बसे महादलित परिवार को अल्पसंख्यक समुदाय के द्वारा घर उजाड़कर सभी को दूर जंगल में छोड़ देने की घटना स्थानीय थाना पुलिस और अंचल प्रशासन की मिलीभगत से हुई है। भाजपा इन सभी उजड़े महादलित परिवार को उसी जगह पर बसायेगी और उनके ध्वस्त पूजास्थल पर मंदिर बनाने का काम करेगी। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष दीपक प्रकाश मुरुमातू में महादलित परिवार को उजाड़कर समतल कर दी गई जमीन के अवलोकन करने और इसके बाद पांडू थाना में आश्रय लिए महादलित परिवार से उनकी आपबीती सुनने के बाद पत्रकार से बातचीत करते हुए ये बात कही। स्थानीय के साथ जिला प्रशासन को आड़े हाथ लेते हुए कहा कि मुरुमातू के उजड़े महादलित परिवार के दर्द को नजर अदांज कर उनकी दावेदारी को कमजोर करने के लिए पांडू का पता अंकित कर आधारकार्ड बनवाने की साजिश चल रही है। इसे भाजपा कतई बर्दाश्त नहीं करेगी। पांडू के अंचल पदाधिकारी और पुलिस पदाधिकारी के विरुद्ध सरकार कठोर कदम उठाए।

ज्योति आईटीआई में कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन

मेदिनीनगर। ज्योति आईटीआई कांदू मोहल्ला डालटनगंज के प्रांगण में प्लेसमेंट सेल द्वारा आगामी 7 सितंबर 2022 दिन बुधवार को प्रात: 10:00 बजे से कैंपस प्लेसमेंट का आयोजन होना सुनिश्चित किया गया है। प्लेसमेंट सेल द्वारा बताया गया कि कैंपस प्लेसमेंट के लिए कैपरो मारुति लिमिटेड, अहमदाबाद, (गुजरात) का प्रतिनिधि मंडल भाग ले रहे हैं। जिनके द्वारा छात्रों को योग्यता और हुनर के आधार पर चयन किया जायेगा। इसमें आईटीआई पास आउट सभी ट्रेड के प्रशिक्षणार्थी तथा वैसे प्रशिक्षणार्थी, जो इस वर्ष परीक्षा (2020 -22) दिए हो वह भी इस प्लेसमेंट में शामिल हो सकते हैं। इसके लिए निर्धारित उम्र सीमा 18-30 वर्ष तक है। साथ ही यह भी बताया गया कि नये सत्र 2022-24 में नामांकन जारी है। इच्छुक विद्यार्थी इस संस्थान में नामांकन लेकर तकनीकी क्षेत्र में रोजगार के अवसर प्राप्त कर सकते हैं। विगत कई वर्षों से इस संस्थान द्वारा समय-समय पर अनेकों कंपनियां जैसे मारुति सुजुकी, हीरो,होंडा, टाटा मोटर्स जैसे बड़े-बड़े कंपनियों में छात्रों को नई रोजगार दिलाने का कार्य किया गया है। यह संस्थान युवाओं के उज्जवल भविष्य के लिए हमेशा अग्रसर है। संस्थान के सचिव ज्योति पांडे ने बताया कि हमारा उद्देश्य गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ छात्रों को रोजगार मुहैया कराना है।

दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष बने उदय प्रकाश

मेदिनीनगर। नावा प्रखंड मुख्यालय स्थित श्री संकट मोचन सीधी धाम महावीर मंदिर के प्रांगण में मंदिर अध्यक्ष सुरेश प्रसाद गुप्ता की अध्यक्षता में दुर्गा पूजा मनाने को लेकरने बैठक बुलाई गई । जिसमें सर्वसम्मति से महावीर मंदिर दुर्गा पूजा समिति के अध्यक्ष उदय प्रकाश जयसवाल व रूपेश जायसवाल सचिव एवं पप्पू कुमार गुप्ता को कोषाध्यक्ष सहित 25 सदस्य कमेटी का गठन किया गया । बैठक में समिति द्वारा इस वर्ष दुर्गा पूजा भव्य रूप से हर्षोउल्लास के साथ बंगाल के कारीगर द्वारा भव्य पंडाल का निर्माण, नवरात्र में दुर्गा पाठ, जल यात्रा, भव्य मूर्ति निर्माण के साथ लेडीज प्रवचन प्रवक्ता कार्यक्रम की रूपरेखा तय की गई है।

बसपा ने मुरूमातु घटना की निंदा की

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। बसपा जिला अध्यक्ष संतोष कुमार गुप्ता ने,प्रेस बयान जारी कर कहा है कि,जिस प्रकार से पांडू प्रखंड के मुरूमातू गांव में महादलित मुसहर समुदाय के साथ जो मामला घटित हुई है । जिसके तहत उन लोगों के निवास स्थान को उजाड़ा गया घटना घटित हुई है वह अतनिंदनीय है। उसी स्थान पर प्रत्येक मुसहर परिवार को सरकारी भूमि का पट्टा देते हुए सभी सुविधाओं के साथ पूर्णतः स्थापित कराया जाये। लेकिन विडंबना यह है कि आजादी के 75 वर्ष बीत जाने के बाद भी विभिन्न विचारधाराओं की केंद्र व राज्यों में सरकारें आती-जाती रही है। लेकिन आजादी के बाद सरकार के ऊपर जो जिम्मेवारी नागरिकता की बोध कराने का था, जो निष्ठा पूर्वक कार्य नहीं किया गया है। जिसका परिणाम मुरूमातू में घटित घटना उदाहरण है। क्योंकि सरकार की यह जिम्मेवारी है की देश में किसी भी जाति धर्म सम्प्रदाय ,किसी स्थान पर निवास कर रहे हो , उसके अंदर आजाद भारत में नागरिकता का बोध कराना सरकार का परम कर्तव्य था। लेकिन आजादी के 75 साल बीत जाने के बाद भी महादलित समुदाय के लोग आज भी खानाबदोश के तौर पर देश में यहां से वहां भटकता हुआ अपना जीवन यापन पीढ़ी दर पीढ़ी बिता रहे हैं । जो आजाद भारत के लिए अति निंदनीय है। क्योंकि सरकार यह कार्य करने में सफल होती तो उस समुदाय के अंदर नागरिकता के बोध कराते हुए भारतीय संविधान की भावना के अनुरूप उस समुदाय विशेष को शिक्षा स्वास्थ्य से जोड़कर समाज के मुख्यधारा में स्थापित करने का कार्य सरकार नहीं कर सकी हैं। आज अगर किया गया होता तो वह समुदाय के किसी गांव के मतदाता सूची में नाम दर्ज होता।

लालबाग के पंडाल में महाप्रसाद का वितरण

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। स्थानीय जैन मंदिर रोड के पास लालबाग के राजा के रूप में गणपति का आगमन हुआ है। खूबसूरत ठंग से पंडाल में गणपति को विराजमान किया गया है। जिसे लेकर भक्तों में गणपति दर्शन का खासा उत्साह है। पूजा पंडाल के दोनों ओर खूबसूरत विद्युत सज्जा की गयी है। पंचमुहान एवं जय भवानी संघ चौक पर तोरण द्वार लगाये गए हैं। डालटनगंज में सात दिनों तक गणपति रहेंगे। इस कार्यक्रम का आयोजन पलामू जिला स्वर्णकार संघ और बॉम्बे वाले के द्वारा आयोजित किया जा रहा है। 2012 से गणेश पूजन का आयोजन किया जा रहा है। इस आयोजन समिति के अध्यक्ष विजय माने (बंटी) ने बताया कि गणपति बप्पा सात दिनों तक विराजमान रहेंगे। इस दौरान उनकी हर दिन पूजा-अर्चना की जायेगी। बीते वर्ष 2012 से यह संगठन

गणेश पूजा का आयोजन करता आया है। इस बार 11वां अधिवेशन है। उन्होंने बताया कि यहां के अतिरिक्त दो अन्य स्थानों पर भी दूसरे संगठन के लोग गणपति बप्पा को विराजमान कराते हैं। **वितरण होता है महाप्रसाद:-** गणेश पूजन को लेकर स्थानीय लोगों और कई दुकानदारों के सहयोग से सातों दिन महाप्रसाद का वितरण किया जाता है । समिति की ओर से प्रत्येक दिन लोगों के बीच महाप्रसाद का वितरण में सहयोग किया जाता है। महाप्रसाद लेने वालों की लंबी कतार देर रात तक लगी रहती है।आयोजन समिति मे समिति के अन्य सदस्यों में उपाध्यक्ष दिलीप सिंह, कोषाध्यक्ष सागर कुमार, महासचिव अजय ठोंबरे, सचिव संजय कोडग, पिंटू गुप्ता, रंजीत सोनी, विपिन वर्मा, सुनील ठाकुर, दिलीप सोनी, सूरज सोनी, अमित गुप्ता एवं अमोल हजारे का योगदान रहता है।

विद्यालय स्तर पर जाति प्रमाण पत्र निर्गत करना सुनिश्चित करें : उपायुक्त

शत प्रतिशत ई-केवॉइसी व लैंड रिकॉड अपडेशन कराने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। उपायुक्त आंजनेयुलू दोड्डे ने शनिवार को समाहरणालय के सभागार में अपर समाहर्ता व सभी सीओ के साथ बैठक कर स्कूलों में बनाये जा रहे जाति प्रमाण पत्र की समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने आगामी एक सप्ताह में अधिकाधिक बच्चों का जाति प्रमाण पत्र निर्गत करने हेतु सभी सीओ को निर्देशित किया। उन्होंने कहा कि अभियान की सफलता को लेकर जिले भर के स्कूलों के साथ प्रज्ञा केंद्रों को जोड़ा गया है । ऐसे में तय समय में सभी का जाति प्रमाण पत्र बनाना सुनिश्चित करें। उन्होंने सभी अंचलाधिकारी से अभियान को प्राथमिकता के आधार पर पूरा करने की बात कही। उपायुक्त ने सीएससी मैनेजर को प्रज्ञा केंद्रों का नियमित रूप से मॉनिटरिंग करने की बात कही। बैठक में उपायुक्त श्री दोड्डे ने पीएम किसान में ई-केवॉइसी की प्रखंडवार समीक्षा की। इस दौरान उन्होंने पाटन, लेस्लीगंज,विश्रामपुर व चैनपुर के सीओ को ई-केवॉइसी में तेजी लाने हेतु निर्देशित किया। उन्होंने पीएम किसान में शत प्रतिशत ई-केवॉइसी करने पर बल दिया। साथ ही सभी सीओ को किसानों का लैंड रिकॉड अपडेशन कराने की भी बात कही। इसी तरह उन्होंने म्यूटेशन के मामलों को बिना ठोस कारण के रिजेक्ट ना करने हेतु सभी अंचलाधिकारी को निर्देशित किया। उन्होंने सकसेशन म्यूटेशन, एनएच, परिशोधन पोर्टल में प्राप्त आवेदनों, जमींदारी बांध से संबंधित भी समीक्षा की एवं आवश्यक दिशा-निर्देश दिये।

ट्रैफिक प्रभारी ने सड़क में बने गड्ढे की मरम्मत कराई

नवीन मेल संवाददाता

मेदिनीनगर। शहर के सदिक चौक स्थित शाहपुर रोड में सड़क पर बने गड्ढे को ट्रैफिक प्रभारी रामजीत सिंह और महाबीर नवयुवक दल के जेनरल अध्यक्ष जुगल किशोर चन्द्रवंशी ने सड़क की मरम्मत की। बताते चलें कि सदीक चौक से शाहपुर जाने वाले रास्ते में सड़क पर बड़े-बड़े गड्ढे बने थें। जिसके वजह से प्रतिदिन वाहन चालक दुर्घटना का शिकार हो रहे थे। इसकी जानकारी मिलने पर ट्रैफिक प्रभारी और जुगल किशोर के नेतृत्व में सड़क पर बने गड्ढे को मरम्मत कराने का काम किया गया। जिसके वजह से अब यातायात सुचारू रूप से संचालित हो रही है। ट्रैफिक प्रभारी ने शहर के अन्य चौक-चौराहे पर बने गड्ढों की मरम्मत कराने को कहा है। उन्होंने कहा कि नगर निगम और पथ निर्माण विभाग का काम भी अब ट्रैफिक को ही करना पड़ रहा है। जुगल किशोर ने नगर निगम और पथ निर्माण विभाग से रास्ते पर बने सभी गड्ढों को मरम्मति करने का आग्रह किया है।

एक नजर इधर भी

यूपी में नयी चुनौती

सभी दलों के आलाकमान द्वारा जातीय समीकरण के साथ ही उम्मीदवारों की ताकत की भी थाह लेने में लगे हैं। समाजवादी पार्टी की तरफ से कहा गया है कि सितंबर के अंत तक सभी जिला प्रभारी प्रत्येक सीट पर तीन-तीन उम्मीदवारों का पैनल प्रदेश मुख्यालय भेजेंगे। समाजवादी पार्टी के अध्यक्ष अखिलेश यादव ने विधान सभा चुनाव में समाजवादी पार्टी को मिली हार का ठीकरा चुनाव आयोग पर उस समय फोड़ा है जब महीने-दो महीने के भीतर नगर निकाय चुनाव की घोषणा होने वाली है। लगता है कि अखिलेश यादव चुनाव आयोग पर हार का ठीकरा फोडकर एक साथ कई टॉरगेट साधना चाहते हैं। एक तरफ वह राज्य निर्वाचन आयोग को सचेत कर रहे हैं कि वह केन्द्रीय चुनाव आयोग की तरह अपनी सीमाएं नहीं लांघे तो दूसरी तरफ ऐसे आरोप लगाकर सपा प्रमुख अपनी पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं को निराशा से भी उभारना चाहते हैं। उत्तर प्रदेश में नगर निगम चुनाव नवंबर में होने की संभावना व्यक्त की जा रही हैं। अगले महीने के अंत तक आचार संहिता भी लग सकती है। सड़क पर नगर निगम चुनाव के संभावित उम्मीदवारों के बैनर-पोस्टर नजर आने लगे हैं तो राजनैतिक दलों द्वारा भी निकाय चुनाव के लिए रणनीति बनाई जा रही है। जहां बीजेपी हर छोटे-बड़े चुनाव को गंभीरता से लेते हुए नगर निकाय चुनाव में भी पूरी ताकत के साथ उतरने की तैयारी में है, वहीं समाजवादी पार्टी की ओर से बनाये गये नगर निगम प्रभारी संबंधित क्षेत्र में डेरा डालकर अपनी रणनीति को अमली जामा पहनाने में लगे हैं। कांग्रेस में नगर निकाय चुनाव को लेकर कोई खास गहमागहमी नहीं है, लेकिन कुछ पुराने कांग्रेसी नेता व्यक्तिगत तौर पर पंजे के सहारे छोटे सदन में जाने के लिए जरूर उतावले नजर आ रहे हैं। बसपा नगर निकाय चुनाव को लेकर कभी गंभीर नहीं रही है, वह यह मानकर चलती है कि यह शहरी वोटरों का चुनाव है और बसपा की शहरी क्षेत्र में पकड़ काफी ढीली है। वहीं आम आदमी पार्टी जैसे कुछ और राजनैतिक दल भी नगर निकाय चुनाव के लिए जोर-आजमाईश में लगे हुए हैं। सभी दलों के आलाकमान द्वारा जातीय समीकरण के साथ ही उम्मीदवारों की ताकत की भी थाह लेने में लगे हैं। समाजवादी पार्टी की तरफ से कहा गया है कि सितंबर के अंत तक सभी जिला प्रभारी प्रत्येक सीट पर तीन-तीन उम्मीदवारों का पैनल प्रदेश मुख्यालय भेजेंगे। फिर राष्ट्रीय अध्यक्ष एक नाम तय करेंगे। नगर निगम चुनाव में धमाकेदार उपस्थिति दर्ज कराने के लिए पार्टी ने पुख्ता रणनीति बनाई है। पार्टी के विधायकों को अलग-अलग निगमों का प्रभारी बनाया गया है। अलग-अलग जिले के विधायकों को अलग-अलग नगर निगम की जिम्मेदारी देकर स्थानीय गुटबंदी को खत्म करने और जिताऊ उम्मीदवार चयन की रणनीति तैयार की गई है। समाजवादी पार्टी की रणनीति है कि वार्ड का आरक्षण तय होते ही वहां टीमें उतार दी जाएं। वार्ड में आबादी के हिसाब से 50 से 60 परिवार पर एक-एक प्रभारी बनाया जायेगा। सितंबर में हर सप्ताह वार्डवार बैठक करने की तैयारी है। वाराणसी के प्रभारी बनाये गये डॉ. मनोज पांडेय ने बताया कि नगर निगम की तैयारी शुरू कर दी गई है। जल्द ही निगम चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों और स्थानीय नेताओं के साथ बैठक कर अगली रणनीति बनाई जायेगी। सभी नगर निकाय क्षेत्रों के प्रभारी स्थानीय नेताओं से संपर्क कर चुनाव की तैयारी में लगे हुए हैं। उत्तर प्रदेश के शहरों में ग्रास रूट की राजनीति यानी शहरी निकाय चुनाव में इस बार नए दलों की भी आमद होगी। बहुजन समाज पार्टी, आम आदमी पार्टी के साथ ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी भी उत्तर प्रदेश के नगर निगम के चुनाव में अपने प्रत्याशी उतारेगी। महाराष्ट्र में शिवसेना व कांग्रेस के साथ गठबंधन में सरकार बनाने वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी ने अब उत्तर प्रदेश का रुख किया है। उत्तर प्रदेश नगर निगम के चुनाव से उत्तर प्रदेश में अपनी पारी का आगाज करने के साथ ही राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एनसीपी) अपने संगठन का भी विस्तार करेगी।

■ स्वदेश कुमार

राजनीति में उलझे नदी विवाद

भारत में नदियों के जल बंटवारे, बांधों के निर्माण और राज्यों के बीच उनकी हिस्सेदारी एक गंभीर समस्या बनी हुई है। राज्यों के बीच नदी जल बंटवारे को लेकर दशकों से चले आ रहे विवादों का अगर समाधान नहीं निकल पा रहा है तो इसका मुख्य कारण नदी जैसे प्राकृतिक संसाधन के समुचित व तर्कसंगत उपयोग की जगह राजनीतिक सोच से प्रेरित होकर नदियों के जल का दोहन करना रहा है। देश में उत्तर प्रदेश व मध्य प्रदेश के बीच केन और बेतवा नदियों को जोड़ने की स्वीकृति एक अच्छी शुरूआत मानी जा रही है। लेकिन अन्य नदियों को परस्पर जोड़ने वाली परियोजनाओं पर राज्यों में सहमति बनना मुश्किल हो रहा है। जल शक्ति मंत्रालय ने कहा है कि गोदावरी-कृष्णा व कृष्णा-पेन्नार-कावेरी नदी जोड़ परियोजना के जल के उपयोग को लेकर व्यावहारिक सहमति राज्यों के बीच नहीं बन पा रही है। राज्य अधिशेष पानी के हस्तांतरण और आबंटन से जुड़े जटिल मुद्दों पर सहमत नहीं हैं। इसी तरह पार-ताप्ती-नर्मदा परियोयना पर महाराष्ट्र और गुजरात ने आगे काम करने से इनकार कर दिया है। राष्ट्रीय परिप्रेक्ष्य में इस योजना के तहत राष्ट्रीय जल विकास एजंसी (एनडब्ल्यूडीए) ने व्यावहार्यता रिपोर्ट तैयार करने के लिए तीस अंतरराज्यीय नदियों की पहचान की है। इनमें प्रायद्वीपीय घटक के रूप में सोलह और हिमालयी घटक के रूप में चौदह नदी जोड़ परियोजनाओं के प्रस्ताव शामिल हैं। इनमें से आठ परियोजनाओं की विस्तृत परियोजना रिपोर्ट (डीपीआर) तैयार हो चुकी है, जबकि अन्य पर काम चल रहा है। भारत में नदियों के जल बंटवारे, बांधों के निर्माण और राज्यों के बीच उनकी हिस्सेदारी एक गंभीर समस्या बनी हुई है। राज्यों के बीच नदी जल बंटवारे को लेकर दशकों से चले आ रहे विवादों का अगर समाधान नहीं निकल पा रहा है तो इसका मुख्य कारण नदी जैसे प्राकृतिक संसाधन के समुचित व तर्कसंगत उपयोग की जगह राजनीतिक सोच से प्रेरित होकर नदियों के जल का दोहन करना रहा है। कर्नाटक और तमिलनाडु की जीवनरेखा मानी जाने वाली कावेरी नदी के जल को लेकर देश के दो बड़े राज्यों में हिंसा व आगजनी की घटनाएं देखने को मिलती ही रही हैं। जबकि कावेरी दोनों राज्यों के करोड़ों लोगों के लिए वरदान है, लेकिन राजनीतिक स्वार्थों के चलते कर्नाटक व तमिलनाडु की जनता के बीच केवल आगजनी व हिंसा के ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक टकराव के हालात भी पैदा होते रहे हैं। कहना न होगा कि कर्नाटक में जल विवाद के सामने आते ही पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने क्षेत्रीय मानसिकता से काम लेते हुए इस मुद्दे को भड़काने का काम किया। उन्होंने कहा था कि इस मुद्दे पर लड़ाई जीतने के लिए राजनीतिक पार्टियों व जनता को एकजुट होना होगा। यही नहीं, सुप्रीम

> कर्नाटक और तमिलनाडु की जीवनरेखा मानी जाने वाली कावेरी नदी के जल को लेकर देश के दो बड़े राज्यों में हिंसा व आगजनी की घटनाएं देखने को मिलती ही रही हैं। जबकि कावेरी दोनों राज्यों के करोड़ों लोगों के लिए वरदान है, लेकिन राजनीतिक स्वार्थों के चलते कर्नाटक व तमिलनाडु की जनता के बीच केवल आगजनी व हिंसा के ही नहीं, बल्कि सांस्कृतिक टकराव के हालात भी पैदा होते रहे हैं। कहना न होगा कि कर्नाटक में जल विवाद के सामने आते ही पूर्व प्रधानमंत्री एचडी देवगौड़ा ने क्षेत्रीय मानसिकता से काम लेते हुए इस मुद्दे को भड़काने का काम किया। उन्होंने कहा था कि इस मुद्दे पर लड़ाई जीतने के लिए राजनीतिक पार्टियों व जनता को एकजुट होना होगा।

कोर्ट के फैसले पर भी नाराजगी जताते हुए देवगौड़ा ने कहा था कि तमिलनाडु के किसान एक साल में तीन फसल उगा रहे हैं, जबकि कर्नाटक के पास एक फसल के लिए भी पानी नहीं है। ऐसे में उन्हें पानी देना कैसे संभव है। इसके विरोध में हमें तमिलनाडु के लोगों की तरह एकजुट होना होगा। जाहिर है, अगर हमारे राजनेता ही किसी विवाद को सुलझाने की बजाय क्षेत्रीयता के आधार पर लोगों को उकसाने की बात करते रहेंगे, तो समाधान कैसे निकलेगा! ऐसी ही एक पक्षीय धारणाओं की वजह से कर्नाटक-तमिलनाडु के बीच कावेरी जल विवाद सवा सौ साल से बना हुआ है। दक्षिण भारत की गंगा मानी जाने वाली कावेरी नदी कर्नाटक व उत्तरी तमिलनाडु में बहने वाली जीवनदायी सदानीरा नदी है। यह पश्चिमी घाट के ब्रह्मगिरि पर्वत से निकली है। यह आठ सौ किलोमीटर लंबी है। इसके आसपास के दोनों राज्यों के हिस्सों में खेती होती है। तमिल भाषा में कावेरी को 'पोन्नी' कहते हैं। पोन्नी का अर्थ सोना उगाना है। दोनों राज्यों की स्थानीय आबादी में ऐसी लोकमान्यता है कि कावेरी के जल में धूल के कण मिले हुए हैं। इस लोकमान्यता को हम इस अर्थ में ले सकते हैं कि कावेरी के पानी से जिन खेतों में सिंचाई होती है, उन खेतों से फसल के रूप में सोना पैदा होता है। इसीलिए यह नदी कर्नाटक और तमिलनाडु की कृषि आधारित ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मूलाधार है। जल बंटवारे को लेकर सन 1892 और 1924 में मैसूर राज्य व मद्रास प्रेसीडेंसी (वर्तमान तमिलनाडु) के बीच समझौते हुए थे। आजादी के बाद मैसूर का कर्नाटक में विलय हो गया। इसके बाद से कर्नाटक को लगने लगा कि मद्रास प्रेसीडेंसी पर अंग्रेजों का प्रभाव अधिक था, इसलिए समझौता मद्रास के पक्ष में किया गया है। लिहाजा वह इस समझौते को नहीं मानता है। जबकि तमिलनाडु का तर्क है कि पूर्व समझौते के मुताबिक उसने ऐसी कृषि योग्य भूमि विकसित कर ली है, जिसकी खेती कावेरी से मिलने वाले सिंचाई जल के बिना संभव ही नहीं है। इस बावत 1986 में तमिलनाडु ने विवाद के निपटारे के लिए केंद्र सरकार से एक पंचाट बनाने की मांग की। नदी विवाद जल अधिनियम के तहत 1990 में पंचाट बनाया गया। इस पंचाट ने कर्नाटक को आदेश दिया कि तमिलनाडु को चार सौ उन्नीस अरब क्यूसेक फीट पानी, केरल को तीस अरब और पांडिचेरी को दो अरब क्यूसेक पानी दिया जाए। किंतु कर्नाटक ने इस आदेश को मानने से इनकार करते हुए कहा कि कावेरी पर हमारा पूरा हक है, इसलिए हम पानी नहीं देंगे। उधर, कर्नाटक का तर्क है कि अंग्रेजों के शासनकाल में कुर्ग मैसूर रियासत का हिस्सा था और तमिलनाडु मद्रास प्रेसीडेंसी के रूप में फिरंगी हुकूमत का गुलाम था। ऐसे में 1924 के फैसले को सही नहीं ठहराया जा सकता। हालांकि अभी भी पंचाट के इसी फैसले और अदालत के दबाव में कर्नाटक मजबूरीवश तमिलनाडु को पानी दे रहा है, लेकिन उसकी पानी देने की मंशा कतई नहीं है। यह पानी कर्नाटक में कावेरी नदी पर बने कृष्ण-राजा सागर बांध से दिया जाता है। जबकि तमिलनाडु कावेरी के पानी पर ज्यादा हक की मांग इसलिए करता है, क्योंकि कावेरी का चौवन प्रतिशत बेसिन इलाका उसके क्षेत्र में है। कर्नाटक में बेसिन क्षेत्र बयालीस प्रतिशत है। इसी आधार पर प्राधिकरण ने तमिलनाडु को कावेरी के आवन प्रतिशत पानी का हकदार बताया था। लेकिन कर्नाटक केवल एक हजार टीएमसी पानी देने को तैयार है। नतीजतन विवाद कायम है। इसी तरह तमिलनाडु व केरल के बीच मुल्ला पेरियार बांध की ऊंचाई को लेकर भी विवाद गहराया हुआ है। तमिलनाडु इस बांध की ऊंचाई एक सौ बत्तीस फीट से बढ़ा कर एक सौ बयालीस फीट करना चाहता है, वहीं केरल इसकी ऊंचाई कम रखना चाहता है। इस परिप्रेक्ष्य में केरल का दावा है कि यह बांध खतरनाक है, इसीलिए इसकी जगह नया बांध बनना चाहिए। जबकि तमिलनाडु ऐसे किसी खतरे की आशंका को सिरे से खारिज करता है। इसी तरह पांच नदियों वाले प्रदेश पंजाब में रावी और ब्यास नदी के जल बंटवारे पर पंजाब और हरियाणा पिछले कई दशकों से अदालती लड़ाई लड़ रहे हैं। इनके बीच दूसरा जल विवाद सतलुज और यमुना जोड़ का भी है। प्रस्तावित योजना के तहत सतलुज और यमुना नदियों को जोड़ कर नहर बनाने से पूर्वी व पश्चिमी भारत के बीच अस्तित्व में आने वाले जलमार्ग से परिवहन की उम्मीद बढ़ जायेगी। इस मार्ग से जहाजों के आवागमन से माल ढुलाई शुरू हो जायेगी। मसलन सड़क के समानांतर जलमार्ग का विकल्प खुल जायेगा। हरियाणा ने तो अपने हिस्से का निर्माण कार्य पूरा कर लिया है, लेकिन पंजाब को इसमें कुछ नुकसान नजर आया तो उसने विधानसभा में प्रस्ताव लाकर इस समझौते को ही रद्द कर दिया। लिहाजा अब यह मामला भी अदालत में है।

■ प्रमोद भार्गव

मुफ्त की सुविधाओं के बजाय क्यों न खर्च के नये नियम बनें

विभिन्न राज्य सरकारों द्वारा दी जाने वाली मुफ्त सुविधाओं को लेकर पूरे देश में बहस छिड़ी हुई है। मुफ्त सुविधाओं से मतलब उन सेवाओं और उत्पादों से है, जो हुकूमतें अपने तमाम नागरिकों को या कुछ खास लोगों को मुफ्त में मुहैया कराती हैं। हमने हाल ही में किसानों की कर्जमाफी को लेकर एक अध्ययन किया है, जिसको अमूमन विवादास्पद माफी माना जाता है। साल 2001-02 व 2018-19 के बीच देश के 16 प्रमुख गैर-विशेष श्रेणी के राज्यों में से 11 ने 19 बार कृषि कर्ज माफ करने की घोषणा की है। इन राज्यों में केरल, पंजाब, महाराष्ट्र व तमिलनाडु जैसे समृद्ध राज्य भी हैं और उत्तर प्रदेश जैसे पिछड़े सूबे भी। हमारी गणना के मुताबिक, कर्जमाफी की राशि राज्य सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) की 0.9 प्रतिशत से लेकर 4.6 फीसदी तक थी। कर्नाटक ने चार बार माफी की घोषणा की, जिसके बाद छत्तीसगढ़ ने तीन बार। चुनाव से पहले तत्कालीन सरकारों ने पांच बार ऐसी घोषणाएं कीं, जबकि 12 बार यह घोषणा घोषणापत्र को लागू करने के एवज में चुनावी जीत के बाद की गई। सिर्फ दो बार कर्जमाफी दो चुनावों की बीच की गई। भारत के दक्षिणी राज्यों (कर्नाटक, तमिलनाडु, केरल, आंध्र प्रदेश और तेलंगाना, जो अपेक्षाकृत समृद्ध हैं) ने 19 में से नौ बार इस छूट की घोषणा की है, जबकि बिहार और पश्चिम बंगाल ने कभी भी ऐसी घोषणा नहीं की। 60 फीसदी मामलों में यह माफी चुनाव से पहले घोषित की गई, फिर भी तत्कालीन सरकार जनादेश नहीं पा सकी, जो बताता है कि मतदाता समझदार हैं। साफ है, कृषि ऋण माफी न पार्टी की विचारधारा से जुड़ी है और न ही पक्षधरता से, यह विशुद्ध रूप से अवसरवादी राजनीति का उदाहरण है। इससे सबसे बड़े वोटर समूह, यानी किसानों को साधने का प्रयास किया जाता है। मगर कर्जमाफी जैसी घोषणाओं को लागू करते समय राज्य सरकारों को दुविधा का सामना करना पड़ता है। दरअसल, केंद्र सरकार द्वारा राजकोषीय नियम अपनाने के बाद, ज्यादातर राज्य सरकारों ने 2006 में राजकोषीय उत्तरदायित्व कानून (एफआरएल) को लागू किया, जिसमें यह प्रतिबद्धता जताई गई कि 2009 तक अपने राजकोषीय घाटे को जीएसडीपी की तीन फीसदी से कम रखा जायेगा। हालांकि, घाटे की भरपाई के लिए पहले भी केंद्र इस पर नियंत्रण रखता था कि राज्य बाजार से कितना उधार ले सकता है, फिर भी इस राजकोषीय नियम में फिजूलखर्ची को कम करने के लिए प्रोत्साहित किया गया। राजकोषीय नियम का पालन न करने पर सरकार की प्रतिष्ठता खतरे में आती है। यहां तक कि समग्र राजकोषीय नियम की उपस्थिति में सरकारें कुल खर्च को बढ़ाये बिना सरकारी खर्च का ढांचा बदल सकती हैं। माफी नीति मौजूदा खर्च तो बढ़ाती ही है, सरकार को पूंजीगत खर्च रोकने को बाध्य भी करती है, जिसमें सिंचाई भी शामिल है, जो कृषि के लिए फायदेमंद मानी जाती है। वित्तीय फिजूलखर्ची को आखिर कैसे रोका जाना चाहिए? यह कहना कठिन है कि कौन सी मुफ्त सुविधाएं जारी रहनी चाहिए और कौन सी नहीं। यह जन-साधारण पर उनके असर से तय होता है। इसके अलावा, सरकारें नये-नये समूहों को आकर्षित करने के लिए भी यह काम कर सकती हैं। हालांकि, हमें नहीं भूलना चाहिए कि लोकतंत्र में चुनी हुई सरकारों के पास इस संदर्भ में फैसले लेने का अधिकार होता है। ऐसे में, मुफ्त सुविधाओं पर प्रतिबंध लगाने की कोशिश करने के बजाय बेहतर होगा कि हम खर्च नियम या शून्य राजस्व घाटा नियम अपनाने पर विचार करें। घाटे को संयोजित करते हुए कई देशों ने व्यय नियम अपनाये हैं, जिसमें उनको कई रूपों में सफलता मिली है। मिश्रा एट अल (2021) ने पूंजीगत व्यय से राजस्व खर्च का अनुपात 4-5 की सीमा में रखने संबंधी लक्ष्य बनाने का सुझाव दिया है और पूंजी परिव्यय में वृद्धि की एक विशेष दर को लक्षित करने की बात कही है। जाहिर है, केंद्र और राज्य सरकारों के लिए खर्च नियम बनाने या शून्य राजस्व घाटा नियम को बहाल करने की व्यावहारिकता का पता लगाने के लिए नए-नए शोध व अनुसंधान होने चाहिए।

> साल 2001-02 व 2018-19 के बीच देश के 16 प्रमुख गैर-विशेष श्रेणी के राज्यों में से 11 ने 19 बार कृषि कर्ज माफ करने की घोषणा की है। इन राज्यों में केरल, पंजाब, महाराष्ट्र व तमिलनाडु जैसे समृद्ध राज्य भी हैं और उत्तर प्रदेश जैसे पिछड़े सूबे भी। हमारी गणना के मुताबिक, कर्जमाफी की राशि राज्य सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) की 0.9 प्रतिशत से लेकर 4.6 फीसदी तक थी। कर्नाटक ने चार बार माफी की घोषणा की, जिसके बाद छत्तीसगढ़ ने तीन बार। चुनाव से पहले तत्कालीन सरकारों ने पांच बार ऐसी घोषणाएं कीं।

■ विद्या महांबारे

है न विचित्र बात !

बदला-बदला दिल्ली शहर

शेख हसीना वाजेद आगामी 5 सितंबर को दिल्ली आयेंगी तो उन्हें यह शहर पहले जैसा तो नहीं लगेगा। ना उन्हें उनकी सहेली शुभ्रा मुखर्जी और ना ही सहेली के पति और भारत के पूर्व राष्ट्रपति प्रणब मुखर्जी मिल पायेंगे। दोनों दिवंगत हो चुके हैं। बांग्लादेश की प्रधानमंत्री शेख हसीना दिल्ली में 1975-1981 के दौरान निर्वासित जीवन गुजार रही थीं। पति डॉ. एमए वाजेद मियां और दोनों बच्चे भी साथ थे। वह पंडारा पार्क के एक फ्लैट में रहती थीं। तब प्रणब मुखर्जी और उनकी पत्नी शुभ्रा मुखर्जी उनके साथ रहे। शेख हसीना और शुभ्रा मुखर्जी करीब आ गए थे। दरअसल शेख हसीना के पिता और बांग्लादेश के संस्थापक शेख मुजीब-उर-रहमान, मां और तीन भाइयों का 15 अगस्त 1975 को ढाका के धनमंडी स्थित आवास में कत्ल कर दिया गया था। तब शेख हसीना जर्मनी में थीं। वाजिद मियां न्यूक्लियर साइंटिस्ट थे, जर्मनी में ही कार्यरत। पंडारा रोड में शिफ्ट करने से पहले शेख हसीना 56, लाजपत नगर-पार्ट तीन में भी रही थीं। बाद के कई साल वहां बांग्लादेश का हाई कमीशन काम करता रहा, जो अब चाणक्यपुरी में है। परिवार के कत्लेआम से वह टूट चुकी थीं। तब प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने उन्हें राजनीतिक शरण देने का फैसला लिया था। इंदिरा गांधी और शेख मुजीब-उर-रहमान के निजी संबंध थे। दिल्ली में शेख हसीना अपने परिवार के साथ प्रणब मुखर्जी के तालकटोरा रोड वाले घर में लगातार जाती थीं। तब दोनों परिवारों के बच्चे भी करीब आए। उन्होंने आकाशवाणी की बांग्ला सेवा में काम करना भी शुरू कर दिया। शेख हसीना 1981 में स्वदेश वापस चली गईं, पर मुखर्जी परिवार से उनके संबंध बने रहे। वह जब भी दिल्ली आईं, शुभ्रा जी और प्रणब मुखर्जी से मिलने का वक्त अवश्य निकाला। शुभ्रा जी का 18 अगस्त 2015 को निधन हो गया था। शेख हसीना तब अपनी पुत्री पुतुल के साथ खासतौर पर प्रणब मुखर्जी से संवेदना व्यक्त करने आई थीं। इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर अगवानी करने प्रणब दा की पुत्री शर्मिष्ठा मुखर्जी पहुंची थीं। पुतुल और शर्मिष्ठा ने साथ-साथ गुड्डे-गुड़ियों के खेल खेले थे। शेख हसीना के लिए दिल्ली दूसरे घर की तरह रहा। आपको यहां पर उनके पिता शेख मुजीब-उर-रहमान के नाम पर एक सडक भी मिल जायेगी। इसका नाम 2017 तक पार्क स्ट्रीट था। यह सड़क राम मनोहर लोहिया अस्पताल के करीब है। शेख मुजीब-उर-रहमान बांग्लादेश के मुक्ति आंदोलन में केंद्रीय शख्सियत रहे थे। वह 10 जनवरी 1972 को दिल्ली आये थे। तब उनका पालम हवाई अड्डे पर भव्य स्वागत हुआ था। उन्होंने बांग्लादेश मुक्ति आंदोलन में भारत के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया था। उनका हवाई अड्डे पर प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी और उनकी कैबिनेट ने स्वागत किया था। पालम हवाई अड्डे से लेकर राष्ट्रपति भवन तक हजारों दिल्ली वाले हाथ हिलाकर उनका अभिवादन कर रहे थे। उन्होंने कोलकाता के मौलाना आजाद कॉलेज से कानून की पढ़ाई की थी और वहीं से छात्र राजनीति में शामिल हुए थे। **ऊपर व्यक्त विचार लेखक के अपने हैं।**

■ विवेक शुक्ला

उच्च शिक्षण संस्थानों का साथ लीजिये

भारत विकसित होने की राह पर है। अभी हाल में प्रधानमंत्री ने आने वाले पचीस वर्षों में भारत को विकसित देश बनाने का नारा भी दिया है। भारत में इस वक्त दुनिया के किसी भी विकसित देश से कई गुना ज्यादा विकास परियोजनाएं चल रही हैं। गरीबों की जीवन शक्ति, विकास की चाह रखने वालों में क्षमता निर्माण, आधारभूत संरचनाओं का निर्माण, महिला शक्ति निर्माण, सामाजिक संयोजन, आर्थिक समाहितीकरण की अनेक योजनाएं भारत सरकार संचालित कर रही है। साथ ही, जलशक्ति, गतिशक्ति, गरीब कल्याण, किसान कल्याण, इकोनॉमिक कॉरिडोर, क्षेत्रीय कनेक्टिविटी आंतरिक सुरक्षा, ऊर्जा के क्षेत्र में अनेक परियोजनाएं केंद्र व राज्य सरकारों द्वारा संचालित की जा रही हैं। इन सभी परियोजनाओं का लक्ष्य भारत को विकासमान महाशक्ति बनाना तो है ही, साथ ही इनसे भारत में विकास का महाआख्यान गढ़ने की कोशिश भी है, जो देश में विकासात्मक हस्तक्षेप और विकास की आकांक्षा व प्रेरणा विकसित कर सके। लेकिन विडंबना यह है कि विकास के इस अभियान के ईद-गिर्द अभी ज्ञान निर्माण का कार्य नहीं हो सका है। भारतीय राज्य खुद ही अभियान चला रहा है और अभियान को लागू होते हुए खुद ही देख रहा है। इसमें 'एक तीसरे पक्ष' की जरूरत है। वह पक्ष हमारे देश के 'उच्च शिक्षा संस्थान' हो सकते है, जो अपने-अपने क्षेत्रों के विकास कार्यों और इनसे होने वाले सामाजिक, आर्थिक, राजनीतिक बदलाव का आकलन कर सकते हैं। वे हमारी विकास प्रक्रिया के उपयोगी दस्तावेजीकरण को अंजाम दे सकते हैं। जैसा कि हम जानते हैं कि भारत में 1,000 से ज्यादा विश्वविद्यालय हैं, जिनमें 54 केंद्रीय विश्वविद्यालय, 416 राज्य विश्वविद्यालय, 125 डीम्ड यूनिवर्सिटी, 361 निजी विश्वविद्यालय, 159 राष्ट्रीय महत्व के शोध संस्थान, जिनमें अनेक आईआईटी व आईआईएम शामिल हैं। ये सभी देश के विभिन्न भागों में फैले हैं। वन क्षेत्र, पहाड़ी क्षेत्र, मरुस्थल, सामूहिक क्षेत्र, हर जगह कोई न कोई उच्च शिक्षा का संस्थान है। इनके साथ कॉलेजों को जोड़ दिया जाए, तो संख्या लाखों तक जा सकती है। उच्च शिक्षा के ये संस्थान भारत में विकास की 'तीसरी आंख' बन सकते हैं, जो निरपेक्ष होकर विकास की इस गति को देख सके और उसकी समुचित व्याख्या कर सके। दुनिया के अनेक देशों में विश्वविद्यालय अपने-अपने मुल्क में विकास के 'थिंक टैंक' के रूप में सक्रिय हैं। दुनिया में ऐसे अनेक विश्वविद्यालय हैं, जो अपने समाज व देश में विकासपरक हस्तक्षेप के कारण हो रहे सामाजिक बदलावों के 'आर्काइव' और डाटा केंद्र के रूप के सक्रिय तो हैं ही, साथ ही, अपने-अपने समाज में विकास के प्रकाश स्तंभ और विचार केंद्र के रूप में भी कार्यरत हैं। भारत में उच्च शिक्षा संस्थान मूलतः शिक्षा व डिग्री देने के केंद्र के रूप में कार्यरत हैं। यह ठीक है कि इस प्रक्रिया में वे ऐसे छात्र पैदा करते हैं, जो विकास के इस अभियान में मानवीय शक्ति व एजेंसी के रूप में कार्य कर सकें, किंतु इससे भी आगे बढकर इन्हें भारत में विकास के विचार केंद्र के रूप में भी विकसित होने की अपेक्षा की जानी चाहिए। भारत में उच्च शिक्षा संस्थानों को अपने वजूद में यह एक नया आयाम शामिल करने की जरूरत अभी बाकी है। हमारे उच्च शिक्षा संस्थान विकास के विचार केंद्र एवं तीसरी आंख बन सकें, यह हमारे समय की एक बड़ी जरूरत है। विकास के प्रयास सिर्फ आर्थिक-प्रशासनिक क्रिया ही नहीं, वरन एक विचार, दर्शन व विवेक के बड़े फ्रेम की भी मांग करते हैं। यह कार्य कोई राजसत्ता अकेले नहीं कर सकती। अभी तक बिना बौद्धिक विचार एवं आकलन के विकास का महायज्ञ किसी भी राष्ट्र में सफलतापूर्वक पूरा नहीं हो सका है। भारत जब आज विकसित राष्ट्र बनने की जद्दोजहद की रहा है, तब भारतीय विश्वविद्यालय इस प्रक्रिया के मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकते। उन्हें विकास का न सिर्फ अध्ययन करना होगा, बल्कि विकास में हरसंभव सहयोग भी करना होगा। जिन देशों में तेज आर्थिक विकास हुआ है, उनमें विश्वविद्यालयों की भूमिका व्यापक है। आज हम जहां भी हैं, वहां राज्य या सरकार सक्रिय है। उसकी सक्रियता कई रूपों में है। उनमें एक है - विकास परियोजनाओं का संचालन व उनसे बन रहा लाभार्थी समुदाय। हम जहां भी हैं, वहां के हमारे आर्थिक एवं सामाजिक जीवन में कुछ न कुछ घटित हो रहा है। हमारे दैनिक जीवन में हो रहे इन बदलावों का दस्तावेजीकरण और उन पर गहन शोध की जरूरत है। यह कार्य राजसत्ता अकेले नहीं कर सकती, इसके लिए उच्च शिक्षा संस्थानों को साथ लेना होगा। शायद इसकी जरूरत आज महसूस की जाने लगी है। भारत सरकार का शिक्षा विभाग देश के कई बड़े विश्वविद्यालयों, आईआईटी एवं आईआईएम का एक संयुक्त पुल तैयार कर रहा है, जो देश के विकास के प्रयासों का नीतिगत आकलन तो करेगा ही, उनके सामाजिक प्रभावों का भी अध्ययन करेगा। साथ ही, ये केंद्रीय महत्व के शिक्षा संस्थान भारत सरकार के विभिन्न विभागों के साथ मिलकर अपने को 'विकास के थिंक टैंक' के रूप में स्थापित कर सकेंगे। शिक्षा मंत्रालय विश्वविद्यालयों के साथ मिलकर भारत में विकास दृष्टि, उनका आकलन और उनके सामाजिक प्रभावों पर अध्ययन करने की महत्वाकांक्षी योजना पर काम कर रहा है। इसे 'ज्ञान की विरासत' निर्माण के प्रयास के रूप में देखा जा सकता है। सचमुच विकास ढांचागत संरचना ही निर्मित नहीं करता, वरन बौद्धिक संपदा भी सृजित करता है, किंतु यह 'बौद्धिक संपदा' अभी तक प्रायः असंकलित, अपरिभाषित ही है। हो सकता है, भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय की यह पहल एक ऐसी बौद्धिक संपदा सृजित करे, जो भविष्य में हमें सार्थक परिणाम दे। ऐसी 'ज्ञान परंपरा' राष्ट्र निर्माण की शक्ति भी देगी। इसके लिए जरूरी है कि हमारे देश में उच्च शिक्षा संस्थान सक्रिय होकर आगे आएं और विकास में अपनी भूमिका बढ़ायें।

> दुनिया में ऐसे अनेक विश्वविद्यालय हैं, जो अपने समाज व देश में विकासपरक हस्तक्षेप के कारण हो रहे सामाजिक बदलावों के 'आर्काइव' और डाटा केंद्र के रूप के सक्रिय तो हैं ही, साथ ही, अपने-अपने समाज में विकास के प्रकाश स्तंभ और विचार केंद्र के रूप में भी कार्यरत हैं। भारत में उच्च शिक्षा संस्थान मूलतः शिक्षा व डिग्री देने के केंद्र के रूप में कार्यरत हैं। यह ठीक है कि इस प्रक्रिया में वे ऐसे छात्र पैदा करते हैं, जो विकास के इस अभियान में मानवीय शक्ति व एजेंसी के रूप में कार्य कर सकें, किंतु इससे भी आगे बढकर इन्हें भारत में विकास के विचार केंद्र के रूप में भी विकसित होने की अपेक्षा की जानी चाहिए।

■ बद्री नारायण

स्वामी, पारिजात माइनिंग इण्डस्ट्रीज (इण्डिया) प्रा.लि. की ओर से 502, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची से हर्षवर्द्धन बजाज द्वारा प्रकाशित एवं डीबी प्रिंट सोल्यूशंस (ए यूनिट ऑफ डीबी कार्प लि.)प्लॉट नं. 535 एवं 1272, ललगुटवा, पुलिस स्टेशन, रातू, रांची, झारखंड में मुद्रित। रजिस्ट्रेशन नं: BIHHIN/1999/155, प्रधान संपादक : सुरेश बजाज, संपादक : हर्षवर्द्धन बजाज*, प्रेस कार्यालय : रांची रोड, रेड़मा, मेदिनीनगर (डालटनगंज) पलामू-822102, फोन नंबर : 06562-240042/ 222539, फैक्स नंबर : 06562-241176/ 231257, रांची कार्यालय : 502बी, पांचवी मंजिल, मंगलमूर्ति हाईट्स, रानी बगान, हरमू रोड, रांची-834001, फोन नंबर : 0651-2283384, फैक्स नंबर : 0651-2283386, दिल्ली कार्यालय : 25, निचली मंजिल, तानसेन मार्ग, (बंगाली बाजार), नयी दिल्ली-1, ई-मेल : rnm_hb@yahoo.co.in, rnm.hvb@gmail.com, (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार।)।

न्यूज गैलरी

जयनगर में जेसीबी के जरिए अतिक्रमण हटाया गया

कोडरमा। उपायुक्त कोडरमा के निर्देशानुसार अंचल अधिकारी ओम बड़ाईक के नेतृत्व में प्रखंड कार्यालय व सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जयनगर के समीप अतिक्रमण हटाया गया। अंचल अधिकारी ने स्थानीय पुलिस के सहयोग से जेसीबी लगाकर अतिक्रमण ध्वस्त कर हटा दिया। अंचल अधिकारी ने बताया कि जयनगर अंचल क्षेत्र में सरकारी जमीन पर किये गये अतिक्रमण को चिन्हित किया जा रहा है। सरकारी जमीन पर अवैध रूप से कब्जा किया गया है तो उसे अतिक्रमण मुक्त करने की कार्रवाई की जायेगी।

जीवन सवेरा फुटबॉल टूर्नामेंट 9 से

कोडरमा। ग्रामीण क्षेत्रों में खेल को बढ़ावा देने के लिए और उसके मानसिक और शारीरिक विकास के साथ-साथ उनके कैरियर को ऊंची मुकाम तक पहुंचाने के लिए आगामी 9 सितंबर को मदनगुंडी के फुटबॉल ग्राउंड में अखंड ज्योति क्लब मदन गुंडी की 34वीं वर्षगांठ के अवसर पर जीवन सवेरा फाउंडेशन के बैनर तले जीवन सवेरा फुटबॉल टूर्नामेंट का आयोजन किया जाएगा। इसमें कोडरमा जिले और हजारीबाग जिले की 16 टीमें भाग ले रही हैं जिसका उद्घाटन मैच मदांगुड़ी बनाम चंदवारा के बीच खेला जाएगा। मुख्य अतिथि बरही के युवा नेता अरुण साहू होंगे। उदय चंद्र किशोर और सरवर हयात खान ने बताया कि चिकित्सा का क्षेत्र हो या शिक्षा का क्षेत्र या खेल का क्षेत्र हो जीवन सवेरा फाउंडेशन हमेशा लोगों के हित में कार्य कर रहा है।

ट्रक और हाईवा की टक्कर, दोनों चालक बाल बाल बचे

कोडरमा। कोडरमा थाना अंतर्गत घाटी स्थित नौवा माइल मे ट्रक और हाईवा की टक्कर मे दोनो का चालक बाल बाल बच गए। मिली जानकारी के अनुसार दोनों वाहन कोडरमा से बिहार की तरफ जा रहे थे। इस दौरान नौवा माइल के पास टक्कर होने से दोनों। वाहन क्षतिग्रस्त हो गए, वहीं दोनों के चालक बाल बाल बच गए।

20 सितंबर को आदर्श निकेतन युवा समिति का धरना कार्यक्रम

बरकट्ठा। आदर्श निकेतन युवा समिति के द्वारा शनिवार को लाल मैदान में बैठक की गई। बैठक की अध्यक्षता मनोज मुर्मू व संचालन राजाराम सिंह ने किया। बैठक में चेचकप्पी पंचायत के गणमान्य लोग उपस्थित हुए। मौके पर मनोज मुर्मू ने कहा भारत देश आजाद हुए 75 साल हुआ और झारखंड राज्य अलग हुए 22 वर्ष होने चला हैं लेकिन बरकट्ठा विधान सभा क्षेत्र में विकास शून्य के बराबर हुआ है। जिसे लेकर आदर्श निकेतन युवा समिति के द्वारा आगामी 20 सितंबर को प्रखंड मुख्यालय में धरना प्रदर्शन का कार्यक्रम आयोजित है। इस बैठक में उपस्थित सुरेश सिंह, प्रेमचंद हंसदा, महेश बेसरा, महेश मुर्मू, सहदेव सिंह, अनिल सिंह, चेतलाल साव, कपिलदेव सिंह, प्रभु मांझी, कृष्णदेव सिंह, सहदेव , अशोक सिंह, सुनील सिंह, बलेश्वर बास्के समेत दर्जनों लोग शामिल हुए।

निकाह का प्रलोभन देकर किया यौन शोषण, मामला दर्ज

कोडरमा। कोडरमा थाना अंतर्गत चेचाई निवासी 19 वर्षीय एक युवती ने स्थानीय निवासी और उसके फुफेरे भाई 23 वर्षीय शोएब पर शादी का प्रलोभन देकर अनैतिक शारीरिक सम्बन्ध बनाने का आरोप लगाते हुये कोडरमा थाना में मामला दर्ज कराया है। आवेदन में कहा गया है कि शोएब ने निकाह करने की बात कहा था। उस पर भरोसा कर ली। पर वह काम करने बैंगलोर चला गया। अब शोएब के माता – पिता रिश्ता उसका कहीं ओर शादी करने का प्रयास कर रहे हैं। तब हमने शोएब के परिजनों को भी बतायी कि उसका निकाह मेरे साथ होना है, लेकिन मेरी एक बात नहीं सुनी गई। आवेदन में कहा गया कि मेरे पिता को मुखिया पति गुलाम मुस्तफा के द्वारा मौखिक बताया गया कि पंचायत अभी नहीं हो पाएगा, युवक शोएब का कोई आदमी नहीं आ पा रहा है। वहीं 11 सितम्बर को शोएब का निकाह कहीं और करवाने की कोशिश किया जा रहा है। बहरहाल कोडरमा पुलिस के द्वारा मामले की जांच करते हुए पीड़िता का मेडिकल चेकअप कराया गया है।

डिवाइन पब्लिक स्कूल में जुनियर वर्ग का व्यक्तिगत तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन

बरकट्ठा। प्रखंड के डिवाइन पब्लिक स्कूल गंगपाचो में जुनियर वर्ग का व्यक्तिगत तीरंदाजी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता का शुभारंभ करते हुए विद्यालय के निदेशक आई.पी.भारती ने कहा कि ग्रामीण क्षेत्र के बच्चों में खेल के प्रति रुचि पैदा करना विद्यालय का मुख्य उद्देश्य है। प्राचार्य भानु प्रताप सिंह ने कहा कि खेलकूद से सकारात्मक ऊर्जा का संचार होता है। साथ ही साथ जीवन में आगे बढ़ने की सीख देता है। इसलिए विद्यार्थियों को पढ़ाई के साथ– साथ खेलकूद में भी भाग लेना चाहिए। प्रतिभागियों में सोनु कुमार, दिवाकर कुमार, रिशि कुमार, बजरंगी कुमार, तथा देवनारायण विजयी रहे। वहीं विजेता छात्रों को सम्मानित किया और उनके उज्जवल भविष्य की कामना की गई। प्रतियोगिता आयोजन को लेकर विद्यालय की तीरंदाजी शिक्षिका एलिशबा टुडू ने मुख्य सहभागिता निभाई। इस अवसर पर विद्यालय के शिक्षक संजय कुमार यादव, मनोहर सिंह, राजीव कुमार मोदी, भोला राणा, प्रीति प्रभा कुमारी, अनिल कुमार, संजीव सिन्हा, एलिसाबा टुडू, मानती लकड़ा, अंजू मरांडी, रीता मुर्मू, अशोक पासवन आदि का योगदान सराहनीय रहा।

उपायुक्त नैंसी सहाय ने किया पदमा पीएचसी का निरीक्षण, कहा

पीएचसी में नियमित डॉक्टर व रात्रि प्रसव सुविधा सुनिश्चित कराने का दिया निर्देश

नवीन मेल संवाददाता

पदमा। उपायुक्त नैंसी सहाय ने शनिवार को पदमा प्रखंड सह अंचल कार्यालय, पीएचसी, आंगनबाड़ी केन्द्र, विद्युत केन्द्र और विद्यालयों सहित चिक हार्डनिंग का औचक निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने पीएचसी में नियमित डॉक्टर व रात्रि प्रसव सुविधा सुनिश्चित कराने का निर्देश दिया। पदमा अंचल कार्यालय के निरीक्षण के क्रम में डीसी ने सभी कैशबुक सहित कल्याणकारी योजनाओं की पंजी व अभिलेखों का निरीक्षण किया। मौके पर उन्होंने लंबित दस्तावेजों का अद्यतन करने की भी बात कही। उपायुक्त ने निरीक्षण के दौरान बाल विकास परियोजना कार्यालय व सम्बद्ध केन्द्रों में कार्यरत कर्मियों की कार्यकुशलता व दक्षता बढ़ाने के निमित जिला स्तरीय प्रशिक्षण कार्यशाला के आयोजन का निर्देश वरीय अधिकारी को दिया। उसके बाद डीसी ने पीएचसी पदमा का निरीक्षण किया। निरीक्षण के क्रम में उन्होंने स्वास्थ्य सुविधाओं व प्रशासनिक व्यवस्था का जायजा लिया। मौके पर उन्होंने केन्द्र में नियमित चिकित्सकों पदस्थापित करने व रात्रि काल में प्रसव की सुविधा व सेवा बहाल करने के निमित आवश्यक निर्देश दिए। उसके बाद उपायुक्त ने निकटवर्ती आंगनबाड़ी केन्द्रों के निरीक्षण कर आवश्यक पंजियों की जांच की। इस दौरान उन्होंने सभी रिकार्ड ससमय अंकित करने और केन्द्रों में विद्युत व्यवस्था दुरूस्त करने निर्देश दिया। वहीं रामनगर प्लस टू विद्यालय पहुंच कर डीसी ने विद्यालय की बुनियादी सुविधाओं, कक्षाओं व व्यवस्थाओं की जांच की। मौके पर उपायुक्त ने विद्यालय प्रधान को सभी शैक्षणिक गतिविधियां ससमय संचालित करने और बुनियादी सुविधाओं के बाबत अद्यतन रहने का निर्देश दिया। मौके पर उन्होंने बच्चों के साथ बात कर उनके उज्ज्वल भविष्य के लिए मेहनत के साथ पढ़ाई करने का मंत्र दिया। इस क्रम में आईटी के छात्रों को क्लास नहीं दिए जाने के मामले पर उपायुक्त ने संबंधित शिक्षक को नियमित रूप से कक्षा लेने का निर्देश दिया। साथ ही आदेश की अवहेलना करने पर कड़ी कार्रवाई की बात कही। भ्रमण के दौरान उपायुक्त ने गोतिया में ज्वेलरी निर्माण का निरीक्षण किया व जेएसएलपीएस सखी मंडल से संचालित चिक हार्डीनिंग केन्द्र का भ्रमण किया। चिक हार्डीनिंग केन्द्र में उन्होंने चूजों के बेहतर ढंग से रखरखाव करने व उनके वितरण को गति प्रदान करने के निमित पलाश मार्ट से जोड़ने का निर्देश दिया।

डीसी ने स्वास्थ्य सुविधाओं व सेवाओं को बेहतर करने के उद्देश्य से सिविल सर्जन को नियुक्ति प्रक्रिया आरंभ करने का दिया निर्देश

हजारीबाग। उपायुक्त नैंसी सहाय ने जिले में स्वास्थ्य सुविधाओं व सेवाओं को बेहतर करने के उद्देश्य से सिविल सर्जन को संविदा आधारित नियुक्ति प्रक्रिया आरंभ करने का निर्देश दिया। इस क्रम में सिविल सर्जन ने बताया कि डीसी व सरकार से प्राप्त दिशा निर्देश के तहत डीएमएफटी हजारीबाग की ओर से स्वास्थ्य विभाग में संविदा के आधार पर चिकित्सा पदाधिकारी, विशेषज्ञ, एएनएम, नर्स, लैब टेक्निशियन, स्वास्थ्य प्रबंधक, काउंसेलर, फार्मासिस्ट व अन्य सहित 22 प्रकार के पदों के कुल 138 रिक्तियों के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। सीएस ने कहा कि आवेदन जमा करने की अंतिम तिथि 15 नवंबर निर्धारित है। इच्छुक आवेदनकर्ता आवेदनपत्र निर्बंधित डाक और स्पीड पोस्ट से असैनिक शल्य चिकित्सक-सह-मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी, हजारीबाग के कार्यालय में भेजा जा सकते हैं। इस क्रम में उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्धारित तिथि के बाद प्राप्त होने वाले आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। ऑर्थोपेडिक के 01, गायक्नोलॉजिस्ट के 02, पेड्रिटिएशन-02, ईएनटी विशेषज्ञ-02, ऑपथलमोलोजिस्ट-02, सर्जन-03, डेमाटोलोजिस्ट-01, जेनेरल फिजिशियन-08, एनेथ्येटिस्ट-01, महिला मेडिकल ऑफिसर -14, पुरूष मेडिकल ऑफिसर -10, डेंटिस्ट-05, हेल्थ मैनेजर-02, फिजियोथेरेपिस्ट-02, नर्सिंक स्टॉफ-22, एनएम-30, लैब टेक्निशियन-09, ओटी टेक्निशियन-02, फार्मासिस्ट-10, कम्प्यूटर ऑपरेटर-02, न्यूट्रिशियन काउंसेलर के 04 तथा एक्सरे टेक्निशियन के 04 पदों सहित कुल 138 रिक्तियों पर अनुबंध पर भर्ती के लिए आवेदन आमंत्रित किए गए हैं।

सिलाई सिखाने के नाम पर लाखों की ठगी, डीसी ने बनायी जांच कमिटि

नवीन मेल संवाददाता

मरकच्चो। बाहर की संस्था महिला ग्रामीण रोजगार सेवा संस्थान नई दिल्ली के द्वारा मरकच्चो में लाखों की ठगी कर लेने का मामला प्रकाश में आया है। ठगी गयी महिलाओं से मिली जानकारी के अनुसार मरकच्चो प्रखंड के विभिन्न ग्रामीण इलाकों में सिलाई सिखाने, मेहंदी रचाने, ब्यूटीशियन के नाम पर संस्था महिला ग्रामीण रोजगार सेवा संस्थान, नई दिल्ली के द्वारा एक सेंटर में 14 महिलाओं के बीच एक सिलाई मशीन देकर प्रति सेंटर 5620 रुपए की वसूली की गयी। प्रखण्ड में सैकड़ो ग्रुप खोले गये और लाखों की वसूली की गई। महिलाओं की शिकायत पर उपायुक्त आदित्य रंजन ने जांच टीम मरकच्चो भेजा। जांच टीम प्रखंड मुख्यालय मरकच्चो स्थित दुर्गा मंडप मेला मैदान पहुंची जहां महिलाओं ने अपने अपने दुखड़े सुनाए और बताया कि प्रति सेंटर 5620 रुपए की वसूली की गई। एक सेंटर में 14 लोगों को जोड़ना था और इस तरह के मरकच्चो प्रखंड में कई सेंटर बनाए गए व पैसे वसूली की गई। पैसे वसूली के बाद उक्त संस्था के लोग फरार हो गए। जांच टीम में जिला साँख्यिकी पदाधिकारी कृष्णमूर्ति प्रसाद, डीपीएम जेएसएलपीएस पंकज कुमार, डीएम लाइवलीहुड प्रीति सिन्हा, डी एम एम आई एस मनोज यादव, शिखा वर्मा, प्रशिक्षु अवर निबंधक सौरभ वर्मा थे। सेंटर में मुन्नी खातून, अनीता देवी, पूनम कुमारी, गुड़िया देवी, अनुराधा देवी, मंजू देवी, सहिया दीदी, लक्ष्मी देवी, नीतू कुमारी, मालती देवी, बैजंती देवी, सोनाली कुमारी सेंटर के मुख्य बनाए गए थे इन लोगों ने बताया कि हम लोगों को कमीशन का लालच देकर काम कराया गया। इन लोगों ने बताया कि संस्था के अमित यादव व उमेश सिंह के द्वारा रुपए की वसूली की गई। इस मौके पर सावित्री देवी, साधना कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, रानी देवी, सविता देवी, करीना कुमारी, गायत्री देवी, मंजू देवी, इंदु देवी, हेमंती देवी, सोनाली कुमारी, शोभा कुमारी, मीना कुमारी, प्रियंका कुमारी, अंजली कुमारी, खुशबू कुमारी, उर्मिला देवी, अंशु कुमारी समेत कई महिलाएं उपस्थित थी।

राष्ट्रीय पोषण माह व प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना सप्ताह के तहत हुआ पोषण रैली का आयोजन

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। पूरे देश में सितंबर के महीने को राष्ट्रीय पोषण माह के रूप में मनाया जाता है। इसी क्रम में 1 सितंबर से 7 सितंबर तक चल रहे प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना सप्ताह एवं राष्ट्रीय पोषण माह के तहत शनिवार को जिले के विभिन्न प्रखंडों में आंगनबाड़ी केंद्रों पर पोषण रंगोली कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान आंगनबाड़ी सेविकाओं व सहायिकाओं के द्वारा ग्रामीणों व महिलाओं को रंगोली के माध्यम से खाने में शामिल किए जाने वाले विभिन्न पौष्टिक भोजनों, फलों व सब्जियों आदि की जानकारी दी गई। इस माह चल रहे वाले पोषण अभियान में गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं, छह साल से कम उम्र के बच्चों और किशोरियों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। साथ ही उन्हें संवेदीकरण अभियान, आउटरीच कार्यक्रमों और शिविरों के माध्यम से पोषण के महत्व के बारे में जागरूक किया जा रहा है। संबंधित जिला पंचायती राज अधिकारियों, स्थानीय अधिकारियों द्वारा पंचायत स्तर पर जागरूकता गतिविधियां संचालित की जा रही है। आंगनबाडी केंद्रों पर महिलाओं के बीच वर्षा जल संचयन के महत्व पर जोर दिया जा रहा है और साथ ही आदिवासी क्षेत्रों में स्वस्थ मां और बच्चे के लिए पारंपरिक खाद्य पदार्थों से संबंधित जानकारी प्रदान की जा रही है। पोषण अभियान कुपोषण की समस्या की ओर ध्यान केंद्रित करता है। यह मिशन पोषण अभियान, मिशन पोषण 2.0 के उद्देश्यों पर केंद्रित है। यह पोषण सामग्री, वितरण, आउटरीच और परिणामों को मजबूत करने का प्रयास करता है ताकि बीमारियों के साथ-साथ कुपोषण पर स्वास्थ्य, कल्याण और प्रतिरक्षा का पोषण करने वाली प्रथाओं को विकसित किया जा सके।

नाथोनारायन देव बने मुरकमनाई पैक्स अध्यक्ष

मरकच्चो। प्रखंड के मुरकमनाई पंचायत मे पैक्स अध्यक्ष का चुनाव शनिवार को शान्तिपूर्ण माहौल मे सम्पन्न हुआ। चुनाव मे बरियारडीह निवासी नाथोनारायन देव ने कृष्णा गोस्वामी को आठ मतों से पराजित कर पैक्स अध्यक्ष का पद हासिल किया। चुनाव में निवार्ची पदाधिकारी के रूप मे एमओ अशफाक अहमद तथा मजिस्ट्रेट के रूप में जेई जागेश्वर उरांव मौजूद थे। पैक्स अध्यक्ष के रूप मे तीन सदस्यों ने अपना नामांकन कराया था जिसमे नाथो नारायण देव, कृष्णा गोस्वामी तथा बिनोद विस्वकर्मा के नाम शामिल है। नाथोनारायण देव को 81 मत प्राप्त हुआ जबकि कृष्णा गोस्वामी को 73 तथा बिनोद विश्वकर्मा को 4 मत से संतोष करना पड़ा। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में पवन सिंह, जयदेव यादव, बालेस्वर यादव, सकलदेव यादव, बलदेव महतो, बासुदेव गोस्वामी, विनोद सिंह, गौतम सिंह, दिनेश ठाकुर, देवी सिंह यादव, राम सिंह निर्विरोध निर्वाचित हुए। मौके पर बीसीओ लक्ष्मीनाथ लोहरा, जिला अंकेक्षण कार्यालय के सहायक जमील अख्तर, भाजपा मंडल अध्यक्ष विजय यादव, यमुना यादव, पवन सिंह, सकलदेव यादव, बालेस्वर यादव, उदय यादव, अरविन्द यादव, रामचरण दास समेत कई लोग मौजूद थे।

लघु सिंचाई विभाग से बनी 13 करोड़ की नहर से 13 इंच जमीन भी नहीं है भीगी

नवीन मेल संवाददाता

कटकमसांडी। कटकमसांडी प्रखंड के सुदूरवर्ती क्षेत्र स्थित वियर डैम पर बनी 13 करोड़ की नहर से बूंदभर भी सिंचाई नहीं हो सकी। मानसून ने इस वर्ष किसानों को धोखा दे दिया। जबकि पटवन के लिए मात्र नहर ही सहारा रह गया है। लघु सिंचाई विभाग से बनी 13 करोड़ की नहर से 13 इंच जमीन भी नहीं भींग पायी। लघु सिंचाई विभाग से बनाई गई नहर की जमीनी हकीकत कुछ और ही है। बता दें कि बरसाती चेक डैम पर लघु सिंचाई विभाग की ओर से डैम के सहारे नौ किलोमीटर नहर बनाई गई है। प्रखंड के रेबर गांव में पहाड़ के पानी को रोक कर दो वियर डैम करीब 50 साल पहले बनाई गई थी। इसी डैम से लघु सिंचाई विभाग को योजना बनाकर एक डैम से नहर के माध्यम से रेबर के पूर्वी छोर होते हुए कुटीपीसी होरिया तक पानी ले जाना है। वहीं दूसरे डैम से नहर रेफर के पश्चिमी हिस्से से बलिया होते हुए गरबा तक पानी ले जाना है। लेकिन तालाब सरीखे दोनों डैमों में बरसात के चार माह में ही पानी रहता है। जाड़े व गर्मी में जब पटवन की जरूरत होती है, उस समय डैम बिल्कुल सूखा रहता है। ग्रामीण चंदन मेहता कहते हैं कि ऐसे में यह बड़ा सवाल है कि जब इन नहरों से आठ महीने ग्रामीणों को सिंचाई की सुविधा नहीं मिलती है, तो नहर निर्माण के नाम पर सेंक्शन कराकर करोड़ों की सरकारी राशि का दुरूपयोग क्यों किया गया।

तीसरे दिन भी चला कोष संग्रह अभियान

कोडरमा। राज्य कमिटी के आह्वान पर शनिवार को तीसरे दिन कोडरमा जिला कमिटी की ओर से झुमरी तिलैया में झण्डा लेकर दल बनाकर कोष संग्रह अभियान चलाया गया। जिसमें चन्दा संग्रह हेतु पर्चा बांटते हुए दुकानदारों के बीच से संग्रह किया गया। कोष संग्रह में असीम सरकार, का रमेश प्रजापति, का भिखारी राम, का महेन्द्र तुरी, का रामचंद्र राम, मुकेश यादव, भुना भुईयां, का रोहित कुमार, का शुभ्रोज्योति, रामलाल दास, रामसागर यादव आदि ने भाग लिया। यह अभियान 1 से 3 सितम्बर तक जिला में चलाया गया। आज के अभियान के सफलता पर जिला सचिव असीम सरकार ने कोडरमा की जनता को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि हमें गर्व है कि कम्युनिस्ट पार्टी इजारेदार परिवारों बड़े ठीकेदारों और कारखाना वालों से चन्दा नहीं लेती हैं। सीपीआई एम अपने पार्टी सदस्यों और हमदर्द किसान मजदूरों के सहयोग से चलती हैं। इसी के तहत तीन दिन का अभियान पूरे राज्य में एक साथ चलाया गया।

अपहरण कर दुष्कर्म करने के आरोपी को 14 वर्ष सश्रम कारावास

30 हजार रुपये जुर्माना भी लगाया, नहीं देने पर 1 वर्ष अतिरिक्त कारावास

नवीन मेल संवाददाता

कोडरमा। अपहरण कर दुष्कर्म करने के आरोपी को 14 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनायी गयी है। अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश द्वितीय अजय कुमार सिंह की अदालत ने सत्रवाद 193/2021 में एक युवती को अपहरण कर दुष्कर्म करने के एक मामले की सुनवाई करते हुए आरोपी पिंटू कुमार यादव (22 वर्ष, पिता बिरेंद्र यादव, इंदिरा बस्ती झुमरीतिलैया) को 376 (1) के तहत दोषी पाते हुए शनिवार को 14 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 30 हजार जुर्माना भी लगाया। जुर्माना की राशि नहीं दिए जाने पर 1 वर्ष अतिरिक्त सजा भुगतनी होगी। वहीं अदालत ने 366 आईपीसी के तहत दोषी पाते हुए आरोपी को 5 वर्ष सश्रम कारावास की सजा सुनाई। साथ ही 20 हजार जुमार्ना भी लगाया। जुमार्ना की राशि नहीं देने पर 6 महीना अतिरिक्त सश्रम कारावास की सजा भुगतनी होगी। मामले को लेकर युवती के पिता ने जयनगर थाना में मामला दर्ज कराया था। उपरोक्त मामले में एसपी कोडरमा कुमार गौरव के निर्देश पर पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। उस वक्त से अभियुक्त जेल में ही है। बताते चलें कि उक्त मामले में युवती के पिता को आरोपी द्वारा जेल से दो बार फोन पर धमकी देते हुए सुलह के आधार पर मामला उठाने को कहा था। मामला नहीं उठाने पर युवती का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल करने की धमकी दी गई थी। जिसकी भी शिकायत युवती के पिता ने की थी। मामले में अभियोजन का संचालन लोक अभियोजक बलिराम सिंह ने किया। इस दौरान 8 गवाहों का परीक्षण कराया गया। लोक अभियोजक बलिराम सिंह ने कार्रवाई के दौरान न्यायालय से अभियुक्त को अधिक से अधिक सजा देने का आग्रह किया। वहीं बचाव पक्ष की ओर से अधिवक्ता देव कुमार शर्मा, सुधीर कुमार सिन्हा और देवेंद्र प्रसाद ने अभियुक्त का बचाव करते हुए दलीलें पेश की। अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने एवं अभिलेख पर उपस्थित साक्ष्यों का अवलोकन करने के उपरांत दोषी पाते हुए सजा मुकर्रर की और जुर्माना लगाया।

महंगाई पर हल्ला बोल महारैली में भाग लेने दिल्ली पहुंचे हजारीबाग के कांग्रेसी

नवीन मेल संवाददाता

हजारीबाग। जिला अध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह के नेतृत्व में रामलीला मैदान में हजारीबाग से दर्जनों कांग्रेसी कार्यकर्ता दिल्ली पहुंचे। अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के आह्वान पर कांग्रेस की ओर से निर्धारित राष्ट्रव्यापी महंगाई पर हल्ला बोल कार्यक्रम के तहत कांग्रेसी दिल्ली पहुंचे। जिला अध्यक्ष अवधेश कुमार सिंह ने कहा कि भाजपा की केंद्र सरकार की कथनी और करनी में आसमान और जमीन का अंतर है। उन्होंने कहा कि सत्ता के पूर्व मोदी सरकार ने जनता से वादा किया था, महंगाई कम करेंगे, एक वर्ष में दो करोड़ युवाओं को रोजगार देंगे, विदेशों से काला धन वापस लाएंगे, किसानों का कर्ज माफ करेंगे और भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाएंगे। इनके सारे वादे खोखले साबित हुए। खाद्य साम्रगी में भी जीएसटी लगाकर केन्द्र सरकार महंगाई को चरम पर पहुंचा चुकी है। महारैली कार्यक्रम में राजीव गांधी पंचायती राज के प्रदेश अध्यक्ष जय शंकर पाठक, अखिल भारतीय कांग्रेस कमिटी के सदस्य भीम कुमार, प्रदेश प्रवक्ता राजीव रंजन प्रसाद, पूर्व जिला अध्यक्ष जवाहर लाल सिन्हा, उपाध्यक्ष सह प्रवक्ता निसार खान, सुरजीत नागवाला, बिनोद कुमार यादव, दिलदार अंसारी, रविन्द्र गुप्ता, तसलीम अंसारी, अब्बास अंसारी, दीपक गुप्ता, चंदन गुप्ता, सुधीर चन्द्रवशी, रूद्र प्रताप और मिथिलेश दूबे के अतिरिक्त कई कांग्रेसी कार्यकर्ता शामिल होने के लिए दिल्ली गए।

अनुसूचित जनजाति बालक आवासीय विद्यालय, मांडू का उपायुक्त ने किया निरीक्षण, कहा

पढ़ाई के साथ-साथ खेल की दिशा में भी बच्चों को आगे बढ़ाने का करें कार्य

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। उपायुक्त माधवी मिश्रा ने शनिवार को मांडू प्रखंड का दौरा किया। इस क्रम में उन्होंने अनुसूचित जनजाति बालक आवासीय विद्यालय मांडू का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने आवासीय विद्यालय में उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं व सुरक्षा व्यवस्थाओं का जायजा लिया। मौके पर उन्होंने शिक्षकों को विद्यालय परिसर में साफ सफाई बनाए रखने एवं बच्चों को भी विभिन्न माध्यमों से स्वच्छता का जीवन में महत्व के प्रति जागरूक करने का निर्देश दिया। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने आवासीय विद्यालय में स्थित कमरों, शौचालय, पुस्तकालय, आवासीय कमरों आदि का जायजा लिया वहीं उपायुक्त ने अपने दौरे के दौरान बच्चों के साथ भी काफी समय व्यतीत किया। मौके पर उपायुक्त ने बच्चों को मन लगाकर पढ़ने एवं जीवन में सफल होने के लिए शुभकामनाएं दी। साथ ही उपायुक्त ने बच्चों से विद्यालय के माध्यम से उन्हें मिल रही सुविधाओं की भी जानकारी ली एवं इस संबंध में आवश्यक दिशा निर्देश शिक्षकों को दिए।

निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने शिक्षकों को रचनात्मक तरीके विभिन्न माध्यमों का इस्तेमाल कर बच्चों को पढ़ाने व पढ़ाई के साथ-साथ खेल की दिशा में भी उन्हें आगे बढ़ाने का निर्देश दिया।

उपायुक्त ने जिला कल्याण पदाधिकारी को नियमित रूप से विद्यालय का निरीक्षण कर बच्चों को मिल रही सुविधाओं का जायजा लेने का निर्देश दिया। मौके पर जिला कल्याण पदाधिकारी, प्रखंड विकास पदाधिकारी मांडू, अनुमंडल कल्याण पदाधिकारी सहित अन्य उपस्थित थे।

रजरप्पा मंदिर के पास भैरवी नदी की तेज धारा में बहा एक व्यक्ति

नवीन मेल संवाददाता

रामगढ़। गोला थाना क्षेत्र अंतर्गत पिपराजारा के मांझी टोला का रहने वाला 35 वर्षीय युवक संतोष मांझी शनिवार को रजरप्पा में भैरवी नदी के उफान में बह गया। वह अपने बचाव में पानी में तैरने का अथक प्रयास किया, परंतु पानी के तेज बहाव के कारण वह दामोदर नदी में जा गिरा। इस संबंध में मिली जानकारी के मुताबिक शुक्रवार की शाम क्षेत्र में हुई भारी बारिश से भैरवी नदी उफान पर थी। इस बीच शनिवार की सुबह मृतक संतोष मांझी गोला और रजरप्पा को विभाजित करने वाली भैरवी नदी के छिलका पुलिया से नदी पार कर रहा था। हालांकि कई लोगों ने नदी पार करने से मना किया, परंतु वह नहीं माना और वह नदी पार करते हुए पानी के तेज बहाव में बह गया। बताया जाता है कि संतोष मांझी रजरप्पा में मजदूरी का कार्य करता था। इसकी जानकारी मिलने पर मृतक संतोष मांझी के शव को पुलिस खोजने में लग गई। समाचार लिखे जाने तक शव बरामद नहीं हुआ था।

न्यूज गैलरी

मुंबई सिटी एफसी के राल्ते लोमेल एसके के साथ प्रशिक्षण के लिए बेल्जियम रवाना

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई सिटी एफसी ने शनिवार को कहा कि उनके फुटबॉल खिलाड़ी लालेंगमाविया 'अपुइया' राल्ते क्लब के साझेदार लोमेल एसके के साथ दो सप्ताह के प्रशिक्षण के लिए बेल्जियम रवाना हो गए हैं। इंडियन सुपर लीग क्लब ने यहां जारी विज्ञप्ति में कहा कि 21 वर्षीय राल्ते लोमेल एसके में कोचों और कर्मचारियों की मदद से अपने फुटबॉल कौशल को सुधारने साथ साथ अनुभव हासिल करने के लिए बेल्जियम के शीर्ष डिवीजन की बी टीम के साथ अभ्यास करेंगे। मुंबई सिटी एफसी के मुख्य कार्यकारी अधिकारी कंदार्प चंद्रा ने कहा कि सिटी फुटबॉल समूह के साथ सहयोग के जरिये हम खिलाड़ियों और कोचों के लिए सामूहिक संसाधनों तक पहुंच का मार्ग खोल रहे है। इसी के तहत लोमेल एसके में हमारे दोस्तो से राल्ते को तकनीकी विशेषज्ञता और जानकारी का फायदा मिल रहा है। इससे मुझे बहुत खुशी हो रही है।

अनिर्बान लाहिड़ी अंडर स्कोर के साथ संयुक्त 5वें स्थान पर

बोस्टन/मैसाक्यूसेट्स (एजेंसी)। भारतीय गोल्फर अनिर्बान लाहिड़ी ने आकर्षक एलआईवी गोल्फ इनविटेशनल सीरीज के चौथे टूर्नामेंट के दूसरे दौर में यहां बोगी रहित चार अंडर 66 का कार्ड खेला। लाहिड़ी ने दूसरे दौर में चार बर्डी लगाए और वह संयुक्त रूप से पांचवें स्थान पर है। पीजीए टूर के साथ प्रतिबद्धता का संकेत देने वाले लाहिड़ी ने लिव सीरीज में भाग लेकर चौकाने वाला फैसला किया। वह प्लेयर्स चैंपियनशिप में कैमरून स्मिथ के बाद दूसरे स्थान पर थे, जो उसी सप्ताह लिव सीरीज में भारतीय के रूप में शामिल हुए थे। मैथ्यू वोल्फ तालिका में शीर्ष पर है। उन्होंने इस दौर के शरूआती होल-इन-वन के साथ की। गोल्फ में एक शॉट में गेंद को होल में डालने को होल-इन-वन कहते है। उनका कुल स्कोर सात अंडर 63 का रहा। इसी प्रतियोगिता के आयोजित हो रही टीम स्पर्धा में वोल्फ की टीम हाई फ्लायर्स भी शीर्ष पर है। इस टीम का नेतृत्व फिल माइकलसन कर रहे है जबकि बेर्नड वीसबर्गर (66) अन्य सदस्य है। लाहिरी, टीम क्रशर्स का हिस्सा है। ब्रायसन डी चाम्ब्यू के नेतृत्व वाली इस टीम में पॉल केसी (66) भी है। टीम 8 अंडर के कुल स्कोर के साथ तीसरे स्थान पर है।

मूडी की जगह लारा बने सनराइजर्स के मुख्य कोच

नयी दिल्ली (एजेंसी)। अपने जमाने के दिग्गज बल्लेबाज ब्रायन लारा को सनराइजर्स हैदराबाद ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के 2023 के सत्र के लिए अपना मुख्य कोच नियुक्त किया है। वह पूर्व ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेटर टॉम मूडी की जगह लेंगे। यह 23 वर्षीय लारा का किसी टी-20 टीम के मुख्य कोच के रूप में पहला कार्यकाल होगा। वेस्टइंडीज का यह पूर्व कप्तान पिछले साल दिसम्बर में रणनीतिक सलाहकार और बल्लेबाजी कोच के रूप में सनराइजर्स से जुड़ा था। सनराइजर्स ने अपने ट्विटर हैंडल पर घोषणा की, महान क्रिकेट खिलाड़ी ब्रायन लारा आगामी आईपीएल सत्र के लिए हमारे मुख्य कोच होंगे। ईएसपीएनक्रिकइंफो की रिपोर्ट के अनुसार मूडी और सनराइजर्स ने आपसी सहमति से एक-दूसरे से अलग होने का निर्णय किया। मूडी का सनराइजर्स के साथ 2013 से 2019 तक सफल कार्यकाल रहा। इस दौरान टीम पांच बार प्लेऑफ में पहुंची और 2016 में चैम्पियन बनी। उनकी जगह 2020 में ऑस्ट्रेलिया के ही ट्रेवर बेलिस को मुख्य कोच बनाया गया लेकिन मूडी ने पिछले साल निदेशक के रूप में सनराइजर्स में वापसी की थी। बाद में उन्हें मुख्य कोच नियुक्त किया गया था।

एशिया कप : भारत-पाकिस्तान के बीच आज फिर खेला जायेगा महामुकाबला

दुबई (एजेंसी)। एशिया कप के लीग मैच खत्म हो चुके हैं और अब ट्रॉफी के लिए चार टीमें आपस में भिड़ेंगी। ये चार टीमें भारत, पाकिस्तान, अफगानिस्तान और श्रीलंका हैं। तीन सितम्बर से एशिया कप में सुपर-4 स्टेज के मैच शुरू हो जायेंगे। लीग मैचों में भारत ने पाकिस्तान को एशिया कप में लगातार चौथी बार हराया था। इससे पहले 2016 में एक बार और 2018 एशिया कप में टीम इंडिया ने लगातार दो मैचों में पड़ोसी मुल्क को मात दी थी। अब चार अगस्त को एक बार फिर दोनों टीमें आमने-सामने होंगी। अगर ये मैच भी टीम इंडिया जीत जाती है तो ये पाकिस्तान के खिलाफ भारत की एशिया कप में लगातार पांचवीं जीत होगी। भारतीय फैंस इस मैच का इंतजार बड़ी बेसब्री से कर रहे हैं। वहीं, दूसरी ओर पाकिस्तानी फैंस और प्लेयर्स ग्रुप स्टेज में मिली हार का बदला लेने को उतारू होंगे। इसके अलावा भारत दो और मैच खेलेगा। छह सितम्बर को टीम इंडिया श्रीलंका के खिलाफ उतरेगी। ये दोनों ही टीमों के बीच एशिया कप का 21वां मुकाबला होगा। अभी तक दोनों ही टीमों ने एक दूसरे के खिलाफ 10-10 मैच जीते हैं। वहीं, आठ सितम्बर को भारत-अफगानिस्तान का मैच होगा। पाकिस्तान ने ग्रुप स्टेज में भारत के खिलाफ मिली हार के बावजूद टॉप-4 में अपनी जगह बना ली है। उन्होंने शुक्रवार को हांगकांग को 155 रनों के बड़े अंतर से हराया और टॉप-4 में अपनी जगह पक्की की। सात सितम्बर को पाकिस्तान अपना दूसरा मैच अफगानिस्तान के खिलाफ दुबई में खेलेगा।

विराट रहे ग्रुप स्टेज में भारत के लिए सबसे ज्यादा रन बनानेवाले खिलाड़ी

एशिया कप से पहले पूर्व भारतीय कप्तान विराट कोहली अपनी फॉर्म के लिए जूझ रहे थे, लेकिन इस टूर्नामेंट ने उनके रनों का सूखा खत्म हो गया है। हांगकांग के खिलाफ विराट ने छह महीने बाद इंटरनेशनल क्रिकेट में 50 का स्कोर पार किया था। इस पारी के साथ उन्होंने एशिया कप में कुल 94 रन बना लिये हैं। वहीं, भुवनेश्वर कुमार भी एशिया कप से पहले अपनी फॉर्म से जूझ रहे थे। ये टूर्नामेंट भुवनेश्वर के लिए भी अब तक अच्छा साबित हुआ है। उन्होंने एशिया कप के ग्रुप स्टेज में अब तक कुल पांच विकेट लिये हैं। उन्होंने सिर्फ 5.85 की इकोनॉमी से रन दिये हैं।

अब सचिन तेंदुलकर को कोई यंग क्रिकेटर्स फॉलो नहीं करता : राशिद

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारतीय टीम ने समय-समय पर कई ऐसे बड़े प्लेयर पैदा किए हैं जो युवाओं के लिए प्रेरणास्रोत रहे। हम कपिलदेव की बात कर सकते हैं। सुनील गावस्कर, सचिन तेंदुलकर वीरेंद्र सहवाग की बात कर सकते हैं जोकि कई युवा प्लेयर के आइडियल हैं। लेकिन पाकिस्तान के पूर्व कप्तान राशिद लतीफ को लगता है कि अब युवा क्रिकेटर सचिन तेंदुलकर या विराट कोहली को फॉलो नहीं करते। वह सिर्फ महेंद्र सिंह धोनी के फैन हैं। राशिद ने इस दौरान टीम इंडिया के प्लेयर हार्दिक पांड्या, ऋषभ पंत और सूर्यकुमार यादव का नाम लिया जोकि पहले ही महेंद्र सिंह धोनी को अपना आइडल बता चुके हैं। राशिद लतीफ ने अपने यूट्यूब चैनल पर कहा कि अब समय तेजी से बदल गया है। एक समय था जब खिलाड़ी तेंदुलकर, सहवाग और विराट कोहली को फॉलो करते थे। वे चाहते थे कि वह इन जैसे प्लेयर्स के बनाए गए बड़े रिकॉर्ड तोड़ दें। लेकिन अगर आप मौजूदा भारतीय टीम देखेंगे 3-4 प्लेयर ऐसे हैं जो कि इन दिग्गजों को फॉलो नहीं करते। हार्दिक पांड्या, ऋषभ पंत, सूर्यकुमार यादव और यहां तक कि दीपक हुड्डा जैसे प्लेयर भी महेंद्र सिंह धोनी को अपना आदर्श मानते हैं।

रायन बर्ल ने 15 गेंदों में चटकाये पांच विकेट

तीसरे वनडे में जिम्बाब्वे से तीन विकेट से हारा ऑस्ट्रेलिया

टाउन्सविल (एजेंसी)। जिम्बाब्वे टाउन्सविल के मैदान पर इतिहास रखते हुए ऑस्ट्रेलिया को तीसरे वनडे में तीन विकेट से हरा दिया। जिम्बाब्वे की इस जीत में बड़ा सहयोग रायन बर्ल का रहा। उन्होंने 15 गेंदों के बीच ऑस्ट्रेलिया के पांच विकेट चटकाकर उन्हें बड़े स्कोर तक जाने से रोक दिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से केवल डेविड वॉर्नर ने एक कोना संभाला जबकि बल्लेबाज तू चल मैं आया, के तर्ज पर आऊट होते गए। वार्नर ने 96 गेंदों पर 14 चौके और दो छक्कों की मदद से 96 रन बनाए। मैक्सवेल 19 रन रन बनाए। बाकी कोई भी बल्लेबाज दहाई का आंकड़ा पार नहीं कर पाया। बीते दिन ही एशिया कप 2022 में पाकिस्तान ने हांगकांग की टीम को भी महज 38 रन पर ऑलआऊट कर दिया था। कुछ ही घंटे बाद ऑस्ट्रेलियाई टीम भी महज 31 ओवरों में 141 रन बनाकर ऑलआऊट हो गयी। रायन बर्ल ने जहां तीन ओवर में 10 रन देकर पांच विकेट लिए तो वहीं, ब्रैड इवंस ने 35 रन देकर दो विकेट चटकाए। रिचर्ड एंगवारा, विक्टर न्यौची और सीन विलियम्स ने भी एक-एक विकेट लिया। जवाब में खेलने उतरी जिम्बाब्वे टीम ने ओपनर कैटानो और मारोमनी की बदौलत सधी हुई शुरूआत की। कैटानो ने 19 तो मारोमनी ने 35 रन बनाए। इसके बाद मेदेवेरे 2, सीन विलियमस 0, सिकंदर रजा 8 रन बनाकर पवेलियन लौट गए। लेकिन मध्यक्रम में कप्तान रेजिस चकाबवा ने 72 गेंदों में 37 रन बनाकर टीम को जीत तक पहुंचा दिया। ऑस्ट्रेलिया की ओर से जोश हेजलवुड ने10 ओवर में 30 रन देकर तीन विकेट लिए। जिम्बाब्वे ने यह मैच 39वें ओवर में जाकर जीता।

न्यूजीलैंड ए के खिलाफ रजत पाटीदार का बड़ा शतक, तिलक वर्मा ने भी खोले हाथ

बेंगलुरु (एजेंसी)। बेंगलुरु के मैदान पर न्यूजीलैंड ए के खिलाफ खेले जा रहे अनऑफिशियिल टेस्ट में भारतीय बल्लेबाज खूब रन बरसा रहे हैं। न्यूजीलैंड ने पहले खेलते हुए जो कार्टर के 197 रनों की बदौलत 400 रन बनाए थे। जवाब में खेलने उतरी भारतीय टीम की ओर से पहले अभिमन्यू ईश्वरन ने शतक लगाया। इसके बाद रजत पाटीदार ने भी हाथ खेलते हुए बड़ा शतक लगाया और स्कोर 500 के पास पहुंचा दिया। मैच के तीसरे दिन भारतीय टीम जब बल्लेबाजी करने उतरी थी तब अभिमन्यु 87 रन बनाकर खेल रहे थे। उनके साथ ऋतुराज गायकवाड़ थे। भारतीय कप्तान प्रियांक पंचाल पहले ही 83 गेंदों में 47 रन बनाकर पवेलियन लौट चुके थे। सुबह के सत्र में गायकवाड़ महज 21 रन बनाकर आऊट हो गए। इसके बाद अभिमन्यु ने रजत पाटीदार के साथ जोड़ी बनाई और स्कोर को 250 से ऊपर ले गए। अभिमन्यु ने 194 गेंदों में 13 चौके और एक छक्के की मदद से 132 रन बनाए। वहीं, रजत पाटीदार ने एक छोर संभालते हुए लगातार रन बरसाए। रजत को सरफराज खान का साथ भी मिला जिन्होंने 36 रन बनाए। सरफराज खान प्रथम श्रेणी क्रिकेट में लगातार रन बना रहे थे। उनसे आज भी बड़ी पारी की उम्मीद थी, लेकिन न्यूजीलैंड के गेंदबाज डफी ने उनका सपना तोड़ दिया। हालांकि तब तक टीम इंडिया मजबूत स्थिति में पहुंच गई थी क्योंकि रजत पाटीदार ने तिलक वर्मा के साथ मिलकर मजबूत पार्टनरशिप की। आईपीएल में मुंबई इंडियंस की ओर से खेलने वाले तिलक वर्मा ने 132 गेंदों में पांच चौके और पांच छक्कों की मदद से 82 रन बनाए। वह अभी भी नाबाद हैं। वहीं, रजत पाटीदर भी 170 रन बनाकर पिच पर बने हुए हैं। पाटीदार ने 241 गेंदों में 14 चौकों और चार छक्कों की मदद से यह रन बनाए।

प्रो लीग से पहले अपनी समस्याओं पर मेहनत करेंगे : भारतीय डिफेंडर सुरेंदर

बेंगलुरु (एजेंसी)। आस्ट्रेलिया के हाथों राष्ट्रमंडल खेल फाइनल में हारने के बाद हाथ आये मौके गंवाने पर अफसोस जताते हुए भारतीय हॉकी टीम के डिफेंडर सुरेंदर कुमार ने कहा कि टीम आगामी एफआईएच प्रो लीग से पहले अपनी समस्याओं पर काम करेगी। भारत को बर्मिंघम खेलों के फाइनल में आस्ट्रेलिया ने 7-0 से हराया था। अब भारतीय टीम अगले महीने भुवनेश्वर में होने वाली प्रो लीग की तैयारी कर रही है। सुरेंदर ने कहा- हमने बर्मिंघम खेलों में अच्छा प्रदर्शन किया लेकिन फाइनल में हाथ आये मौके नहीं गंवाते तो वापसी कर सकते थे। उन्होंने कहा कि हमने आस्ट्रेलिया के खिलाफ फाइनल में गलतियां की और रणनीति पर अमल नहीं कर सके। अब इस शिविर में हम उन गलतियों को सुधारने पर फोकस करेंगे ताकि वही गलतियां बार-बार नहीं दोहराएं। भारत का सामना 28 अक्टूबर से छह नवम्बर के बीच होने वाली प्रो लीग में न्यूजीलैंड और स्पेन से होगा। उन्होंने कहा-एफआईएच प्रो लीग 2022-23 से पहले टीम को इन समस्याओं पर काम करना होगा। हमें न्यूजीलैंड और स्पेन के खिलाफ मैचों पर फोकस करना होगा। अपनी गलतियों से सबक लेकर उन पर मेहनत करनी होगी। हम अपने मैचों के वीडियो देखेंगे और कोचों के साथ मिलकर इस पर काम करेंगे।

फीफा अंडर-17 विश्व कप भारत को महिला फुटबॉल का केंद्र बनायेगा : आशालता

नयी दिल्ली (एजेंसी)। भारत की सीनियर राष्ट्रीय टीम की कप्तान आशालता देवी का मानना है कि आगामी फीफा अंडर-17 विश्व कप भारत को महिला फुटबॉल का केंद्र बनायेगा। भारत में यह टूर्नामेंट 11 से 30 अक्टूबर के बीच होना है। आशालता ने कहा कि फीफा अंडर-17 महिला विश्व कप के कारण भारत महिला फुटबॉल का केंद्र बनेगा। भारत में कई लोगों को महिला फुटबॉल के बारे में नहीं पता लेकिन यह टूर्नामेंट टीवी पर दिखाया जायेगा और देश के कई हिस्सों में लोगों को पता चलेगा कि महिला फुटबॉल क्या है। उन्होंने कहा कि भारतीय महिला फुटबॉल के भविष्य के लिए यह सुनहरा मौका है। उन्होंने भारतीयों से बड़ी संख्या में आकर टूर्नामेंट का समर्थन करने की अपील की। उन्होंने कहा कि मैं सभी से कहना चाहती हूं कि फीफा अंडर 17 महिला विश्व कप 2022 को आपके सहयोग की जरूरत है। आपसे सहयोग मिलने से खिलाड़ी प्रेरित होंगे । मैं सभी अभिभावकों से भी महिला फुटबॉल के समर्थन की अपील करती हूं। आशालता ने कहा कि इतने साल में महिला फुटबॉल के बारे में लोगों का नजरिया बदल गया है। उन्होंने कहा कि पहले लोग यह स्वीकार नहीं कर पाते थे कि लड़कियां भी फुटबॉल खेलती है लेकिन अब मेरे घर के आसपास सभी मेरा समर्थन करते हैं । जब भी मैं घर जाती हूं तो मेरा भव्य स्वागत होता है। भारतीय टीम को अपने सारे ग्रुप मैच भुवनेश्वर के कलिंगा स्टेडियम में खेलने हैं। भारत को ग्रुप ए में ब्राजील, मोरक्को और अमेरिका के साथ रखा गया है।

शाजी प्रभाकरण एआईएफएफ महासचिव बने, सुनंदो धर उप महासचिव

नयी दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली फुटबॉल के अध्यक्ष और लंबे समय से खेल प्रशासक रहे शाजी प्रभाकरण को शनिवार को अखिल भारतीय फुटबॉल महासंघ (एआईएफएफ) का नया महासचिव चुना गया। एआईएफएफ की नवगठित कार्यकारी समिति ने यह नियुक्ति की। कल्याण चौबे ने एआईएफएफ अध्यक्ष पद के चुनाव में शुक्रवार को बाईचुंग भूटिया को 33-1 से हराया था। चौबे की अध्यक्षता में कार्यकारी समिति की पहली बैठक में यह फैसला लिया गया। चौबे ने महासचिव पद के लिए प्रभाकरण के नाम की अनुशंसा की जिसे सदस्यों ने सर्वसम्मति से स्वीकार किया। समिति ने सुनंदो धर को भी सर्वसम्मति से नया उप महासचिव चुना। आई लीग के सीईओ के तौर पर एआईएफएफ से जुड़े धर को कुशाल दास की रवानगी के बाद एआईएफएफ का कार्यवाहक महासचिव चुना गया था। एआईएफएफ में बदलाव की मांग कर रहे समूह के अग्रणियों में रहे प्रभाकरण ने चुनाव नहीं लड़ा था। सदस्यों का स्वागत करते हुए चौबे ने कहा कि यह पहली बार है कि माननीय उच्चतम न्यायालय के आदेशानुसार छह पूर्व दिग्गज खिलाड़ी समिति का हिस्सा हैं। उन्होंने कहा कि हमें मिलकर काम करना है ओर भारतीय फुटबॉल को आगे ले जाने के हमारे लक्ष्य में निजी अहंकार आड़े नहीं आना चाहिए। अनुशासन सफलता की कुंजी है और हमें जवाबदेह बनना होगा। प्रभाकरण 2017 में दिल्ली फुटबॉल संघ (वर्तमान में फुटबॉल दिल्ली) के अध्यक्ष बने थे। वह फीफा दक्षिण मध्य एशिया विकास अधिकारी भी रह चुके हैं। इसके अलावा अलबर्टो कोलासो के महासचिव रहते वह एआईएफएफ के राष्ट्रीय टीम और विजन निदेशक थे। पहले समझा जा रहा था कि मई में उच्चतम न्यायालय द्वारा प्रफुल्ल पटेल को हटाये जाने के बाद प्रभाकरण अध्यक्ष पद का चुनाव लड़ेंगे। बाद में पता चला कि चौबे गुट के जीतने पर उन्हें महासचिव बनाया जायेगा। भूटिया को छोड़कर कार्यकारी समिति की बैठक में सभी छह पूर्व दिग्गज फुटबॉलर मौजूद थे। कार्यकारी समिति ने महान खिलाड़ी आई एम विजयन को नयी तकनीकी समिति का प्रमुख चुना । समिति में यूजीनसन लिंगदोह, क्लाइमेक्स लारेंस, हरजिंदर सिंह, अरूण मलहोत्रा और पिंकी बोंपाल हैं। भारत के पूर्व कप्तान शब्बीर अली को सलाहकार समिति का अध्यक्ष चुना गया।

न्यूज गैलरी

ऑनलाइन भुगतान कंपनियों रेजरपे, पेटीएम, कैशफ्री के ठिकानों पर ईडी ने मारे छापे

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को कहा कि चीनी नागरिकों के नियंत्रण वाले स्मार्टफोन आधारित गैरकानूनी त्वरित ऋण आवंटन के खिलाफ जारी जांच के सिलसिले में ऑनलाइन भुगतान मंचों रेजरपे, पेटीएम और कैशफ्री के बेंगलुरु परिसरों पर छापेमारी की जा रही है। जांच एजेंसी ने बताया कि तलाशी का यह अभियान कर्नाटक की राजधानी में स्थित इन कंपनियों के छह परिसरों में शुक्रवार को शुरू हुआ था और अब भी यह अभियान जारी है। ईडी ने एक बयान में कहा, चीन के व्यक्तियों के नियंत्रण या परिचालन वाले रेजरपे प्राइवेट लिमिटेड, कैशफ्री पेमेंट्स, पेटीएम पेमेंट सर्विस लिमिटेड और अन्य कंपनियों में तलाशी की कार्रवाई की गई। प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि छापेमारी में चीन के व्यक्तियों द्वारा नियंत्रित इन कंपनियों के मर्चेंट आईडी और बैंक खातों में जमा 17 करोड़ रुपये जब्त किए गए हैं। एजेंसी ने आरोप लगाया कि ये कंपनियां भारतीय नागरिकों के फर्जी दस्तावेजों का इस्तेमाल करके उन्हें फर्जी तरीके से निदेशक बनाती हैं जबकि इन कंपनियों का नियंत्रण एवं परिचालन चीन के लोग करते हैं। उसने बताया कि जांच के दायरे में आई ये कंपनियां भुगतान सेवा कंपनियों और बैंकों से जुड़ी मर्चेंट आईडी या खातों का इस्तेमाल करके अपराध का धन जुटा रही थीं और इन कंपनियों ने जो पते दिए थे वे भी फर्जी हैं।

विदेशों में बाजार टूटने से खाद्य तेलों के भाव औंधे मुंह गिरे

नयी दिल्ली। मांग कमजोर होने के बीच दिल्ली तेल-तिलहन बाजार में शनिवार को सभी तेल-तिलहन की कीमतें औंधे मुंह गिर गई। बाजार सूत्रों ने कहा कि विदेशों में खाद्यतेलों के भाव टूटने से खाद्यतेल उद्योग, आयातक और किसान काफी परेशान हैं, खासकर आयातकों के सामने बर्बादी का खतरा मंडरा सकता है। उन्होंने कहा कि पिछले तीन महीनों में जिस कच्चा पामतेल का आयात भाव लगभग 2,007 डॉलर प्रति टन था, उसका कांडला बंदरगाह पर मौजूदा भाव सिर्फ 990 डॉलर प्रति टन रह गया है। ऐसे में बाकी तेल तिलहन कीमतों पर भी भारी दबाव है। सूत्रों ने कहा कि थोड़ी-बहुत पूंजी रखने वाले कारोबारियों ने अब तेल कारोबार छोड़ने का मन बना लिया है और बैंकों में अपना साख पत्र (लेटर आफ क्रेडिट) देने वाले कारोबारी ही खाद्यतेल कारोबार में अटके हुए हैं। उन्होंने कहा कि इस गिरावट के बावजूद उपभोक्ताओं को गिरावट का यथोचित लाभ नहीं मिल पा रहा है क्योंकि खुदरा कारोबार में अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) पहले से ही थोक भाव के मुकाबले 40-50 रुपये अधिक रखे जाने से खुदरा व्यापारी और मॉल वाले ग्राहकों से अधिक कीमत वसूल रहे हैं। सूत्रों ने कहा कि जब कांडला बंदरगाह पर सीपीओ 88 रुपये किलो बिकेगा तो उसके सामने अगले मार्च के लगभग आने वाली सरसों किस तरह टिक पाएगी। आगामी रबी फसल के लिए सरकार द्वारा सरसों की नई फसल के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) को बढ़ाने की संभावना को देखते हुए सरसों तेल का लागत मूल्य 125-130 रुपये लीटर होने की उम्मीद है। सस्ते आयात के सामने देशी तेल-तिलहन टिक नहीं पायेंगे।

रूस के तेल आयात की मूल्य सीमा तय करने के लिए संकल्पबद्ध: अमेरिका

वाशिंगटन। अमेरिका ने कहा है कि वह विकसित देशों के समूह जी-7 की घोषणा के अनुरूप रूस के तेल आयात पर एक मूल्य सीमा लागू करने के लिए संकल्पबद्ध है। अमेरिका ने कहा कि यह रूसी तेल के दाम की सीमा तय करना का 'प्रभावशाली तरीका' यूक्रेन में रूस के ह्यगैरकानूनी युद्ध' के लिए धन जुटाने के मुख्य स्रोत पर तगड़ी चोट करेगा। इसके अलावा इस कदम से अमेरिका को तेजी से बढ़ती वैश्विक मुद्रास्फीति से लड़ने में मदद मिलने की भी उम्मीद है। जी7 समूह के सदस्य देशों ने शुक्रवार को रूस के तेल आयात पर मूल्य सीमा लागू करने के लिए तत्काल कदम उठाने का संकल्प जताया। रूस अपने कच्चे तेल की बिक्री से मिलने वाले धन का इस्तेमाल यूक्रेन के खिलाफ जारी सैन्य कार्रवाई में कर रहा है। इस वित्तीय स्रोत को कमजोर करने के लिए जी7 रूसी तेल की एक सीमा तय करना चाहता है। जी7 ने एक बयान में कहा, ह्हम रूस से तेल खरीद की मंशा रखने वाले सभी देशों से यह अनुरोध करते हैं कि वे निर्धारित मूल्य सीमा से कम दाम पर ही रूस से तेल की खरीद करें।ह्व जी7 समूह में ब्रिटेन, अमेरिका, कनाडा, फ्रांस, जर्मनी, इटली और जापान हैं।

किसान क्रेडिट कार्ड के डिजिटलीकरण की शुरूआत, लोन मिलने का समय आधा होगा

आरबीआई ने पायलट परियोजना द्वारा किसानों को मदद करने का लिया फैसला

> प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिसंबर, 2020 में संशोधित केसीसी योजना शुरू की थी जिसमें किसानों को समय पर समुचित ऋण समर्थन मुहैया कराए जाने का प्रावधान किया गया है।

मुंबई (एजेंसी)। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने ग्रामीण क्षेत्रों में लोन देने वाली व्यवस्था का कायाकल्प करने के लिए किसान क्रेडिट कार्ड (केसीसी) के डिजिटलीकरण की पायलट परियोजना शुरू करने का फैसला किया है। यह योजना मध्य प्रदेश और तमिलनाडु में शुरू की जाएगी। आरबीआई ने एक बयान में कहा कि इस पायलट परियोजना से हासिल सबको ध्यान में रखते हुए देशभर में किसान क्रेडिट कार्ड के डिजिटलीकरण का अभियान चलाया जाएगा। मध्य प्रदेश और तमिलनाडु में शुरू की गई पायलट परियोजना के तहत बैंकों के भीतर विभिन्न प्रक्रियाओं के स्वचालन और सेवाप्रदाताओं के साथ उनकी प्रणालियों के समेकन पर जोर दिया जाएगा। किसान क्रेडिट कार्ड के डिजिटलीकरण से कर्ज देने की प्रक्रिया अधिक कारगर बनाने और कर्जदारों की लागत घटाने में मदद मिलेगी। इसके अलावा आरबीआई का कहना है कि कर्ज के आवेदन करने से लेकर इसके वितरण में लगने वाले समय में भी खासी कमी आएगी। चार सप्ताह के इस समय को घटाकर दो सप्ताह किया जा सकता है। आरबीआई के मुताबिक, ग्रामीण ऋण किसानों के आर्थिक समावेशन के लिए काफी अहम है क्योंकि इससे कृषि एवं उससे जुड़े क्षेत्रों और संबद्ध उद्योगों की वित्तीय जरूरतें पूरी की जा सकती हैं। पायलट परियोजना मध्य प्रदेश और तमिलनाडु के चुनिंदा जिलों में क्रमशः यूनियन बैंक ऑफ इंडिया और फेडरल बैंक के साथ चलाई जाएगी। इसके अलावा राज्य सरकारें भी इसमें पूरा सहयोग देंगी। किसानों को आसानी से वित्त मुहैया कराने के मकसद से वर्ष 1998 में केसीसी योजना शुरू की गई थी। इस योजना के तहत बीज, उर्वरक, कीटनाशक जैसे कृषि उत्पादों की खरीद के लिए किसानों को कर्ज मुहैया कराया जाता है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने दिसंबर, 2020 में संशोधित केसीसी योजना शुरू की थी जिसमें किसानों को समय पर समुचित ऋण समर्थन मुहैया कराए जाने का प्रावधान किया गया है।

कंडोम बनाने वाली कंपनी में हिस्सेदारी बेचना चाहती सरकार, कोर्ट पहुंचा मामला

नई दिल्ली (एजेंसी)। कंडोम बनाने वाली कंपनी एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड में केंद्र सरकार समूची हिस्सेदारी बेचना चाहती है। इसके लिए सरकार ने बोलियां भी आमंत्रित की हुई है। हालांकि, अब इस विनिवेश प्रक्रिया को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी गई है। रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर कर विनिवेश प्रक्रिया पर रोक लगाने की मांग की जा रही है। वहीं, कोर्ट ने इस प्रकरण पर केंद्र सरकार और अन्य से जवाब तलब किया है। न्यायाधीश एसए नजीर और न्यायाधीश वी रामसुब्रमण्यम की पीठ ने सबका सहयोग सोसायटी की याचिका पर केंद्र और अन्य से जवाब मांगा है। याचिकाकर्ता ने कहा है कि कोविड-19 महामारी के दौरान एचएलएल लाइफकेयर, पीपीई किट की खरीद में नोडल एजेंसी थी। टीकों की खरीद के लिये भी एजेंसी थी। याचिका में एचएलएल लाइफकेयर की आपातकालीन राहत कार्यों में भूमिका का जिक्र करते हुए कहा गया है कि महामारी से निपटने के लिए टीकाकरण अभियान अब भी चल रहा है। ऐसे में देश इस महत्वपूर्ण मोड़ पर एचएलएल लाइफकेयर जैसे संस्थान का निजीकरण करने का जोखिम नहीं उठा सकता। बता दें कि एचएलएल लाइफकेयर लिमिटेड केंद्रीय स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय के अंतर्गत आने वाला केंद्रीय लोक उपक्रम है। यह कंडोम के अलावा गर्भ निरोधक, महिलाओं के स्वास्थ्य देखभाल से जुड़े उत्पादों के साथ-साथ अन्य दवाएं बनाने और उसके डिस्ट्रिब्यूशन में शामिल है।

पूरे सप्ताह उतार चढ़ाव के बाद सपाट स्तर पर बंद हुआ शेयर बाजार

नई दिल्ली (एजेंसी)। शुक्रवार 2 सितंबर को खत्म हुआ कारोबारी सप्ताह घरेलू शेयर बाजार के कारोबार के लिहाज से सपाट कारोबार वाला सप्ताह साबित हुआ। पूरे सप्ताह के कारोबार के बाद बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का सेंसेक्स 30.54 अंक की कमजोरी के साथ 58,803.33 अंक के स्तर पर बंद हुआ। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी साप्ताहिक कारोबार के बाद 19.40 अंक की कमजोरी के साथ 17,539.45 अंक के स्तर पर बंद हुआ। पिछले कारोबारी सप्ताह के दौरान यूरोपीय देशों और जापान में बढ़ती महंगाई के साथ ही अमेरिकी फेडरल रिजर्व की तरफ से मौद्रिक नीतियों में सख्ती जारी रखने के संकेत दिए जाने की वजह से लगातार नकारात्मक माहौल बना रहा। वैश्विक स्तर पर निगेटिव सेंटिमेंट्स बनने की वजह से शेयर बाजार पर दबाव की स्थिति बनी रही। दूसरी ओर भारतीय अर्थव्यवस्था के बेहतरीन आंकड़ों और विदेशी निवेशकों की ओर से लगातार हो रही खरीदारी के कारण घरेलू शेयर बाजार को निचले स्तर पर काफी सपोर्ट भी मिला। वैश्विक दबाव और घरेलू सपोर्ट जैसे परस्पर विपरीत संकेतों की वजह से भारतीय शेयर बाजार में पूरे सप्ताह लगातार उतार-चढ़ाव की स्थिति बनी रही। पिछले सप्ताह के कारोबार के दौरान बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज के लार्ज कैप इंडेक्स ने ओवरऑल सपाट स्तर पर रहकर कारोबार किया। इस इंडेक्स में शामिल अडाणी इंटरप्राइजेज, अडाणी टोटल गैस, पिडिलाइट इंडस्ट्रीज, हैवेल्स इंडिया, बजाज फिनसर्व और डीएलएफ लगातार हुई खरीदारी के सपोर्ट से टॉप गेनर बनकर सामने आए। दूसरी ओर हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, वेदांता, पीबी फिनटेक, इंफोसिस और श्री सीमेंट के शेयर बिकवाली के दबाव में लार्जकैप इंडेक्स के लिए टॉप लूजर बने।

हर महीने 5000 रुपए की पेंशन देने वाली यह सरकारी योजना इस महीने होगी बंद

नई दिल्ली। अटल पेंशन योजना सरकार की लोकप्रिय पेंशन योजनाओं में से एक है। इस योजना में निवेश करने वालों को 5 हजार रुपए तक की मासिक पेंशन मिलती है। अब इस योजना में इस महीने से एक बड़ा बदलाव होने जा रहा है। नए नियमों के तहत अब इनकम टैक्स का भुगतान करने वाले लोग इस योजना का लाभ नहीं ले सकते हैं। यह नया नियम एक अक्टूबर 2022 से प्रभावी होगा। ऐसे में टैक्सपेयर्स के पास अभी भी अटल पेंशन योजना का लाभ उठाने का मौका है। 30 सितंबर तक आप टैक्सपेयर हैं तो भी इसमें निवेश कर सकते हैं। मौजूदा नियम के अनुसार 18 साल से 40 साल तक की उम्र का कोई भी भारतीय नागरिक सरकार की इस पेंशन योजना से जुड़ सकता है, भले ही वह इनकम टैक्स भरता हो या नहीं।

रेलवे में खेल पदों पर नौकरी के लिए रजिस्ट्रेशन शुरू, 12वीं पास को 69100 रुपये महीना सैलरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। रेलवे भर्ती सेल (आरआरसी), पश्चिम रेलवे (डब्ल्यूआर) अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर अलग अलग स्पोर्ट्स कोटा पदों की भर्ती के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू करने जा रहा है। लिंक 05 सितंबर 2022 को एक्टिव होगा। आवश्यक पात्रता मानदंड रखने वाले उम्मीदवार 04 अक्टूबर 2022 को या उससे पहले ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। कुश्ती, पावरलिफ्टिंग, निशानेबाजी, कबड्डी, जिम्नास्टिक, क्रिकेट, बॉल बैडमिंटन और हॉकी के लिए खाली पद उपलब्ध हैं। उम्मीदवार जो किसी भी विषय में ग्रेजुएट हैं या 12 वीं पास दोनों रेलवे भर्ती 2022 के लिए आवेदन करने के लिए पात्र हैं। यह ध्यान दिया जाना चाहिए कि ऐसे उम्मीदवारों के पास उक्त क्षेत्र में खेल उपलब्धियां होनी चाहिए। आयु सीमा की बात करें तो इन पदों पर भर्ती के लिए कैंडिडेट की आयु कम से कम 18 साल होनी चाहिए, वहीं अधिकतम आयु सीमा 25 साल है। उम्मीदवार आरआरसी की आधिकारिक वेबसाइट - डब्ल्यूआर वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। रजिस्ट्रेशन के समय उम्मीदवारों के पास आधार कार्ड होना चाहिए। उम्मीदवारों को 12 डिजिट का आधार नंबर भरना होगा। जिन उम्मीदवारों के पास आधार संख्या नहीं है और जिन्होंने आधार के लिए नामांकन किया है, लेकिन आधार कार्ड नहीं बना है, वे आधार नामांकन पर्ची पर दी गई आधार नामांकन आईडी दर्ज कर सकते हैं। आवेदन फीस की बात करें तो एससी / एसटी / भूतपूर्व सैनिक / महिला, अल्पसंख्यक और आर्थिक पिछड़ा वर्ग के कैंडिडेट्स को 250 रुपये की आवेदन फीस देनी है। वहीं अन्य किसी भी कैटेगरी के कैंडिडेट्स को 500 रुपये आवेदन फीस देनी होगी।

बेस्ट एग्रोलाइफ ने फसलों को कीड़े से बचाने के लिये पेश किये कीटनाशक

नयी दिल्ली। फसल और खाद्य सुरक्षा से जुड़े उत्पाद बनाने वाली बेस्ट एग्रोलाइफ लिमिटेड ने सीटीपीआर-आधारित दो कीटनाशक पेश किये हैं। कंपनी का कहना है कि ये कीटनाशक मिट्टी को उपजाऊ बनाये रखने के साथ बॉलवर्म जैसे कीटों और तना को नुकसान पहुंचाने वाले कीटों को प्रभावी तरीके से नियंत्रित करने में कारगर हैं। बेस्ट एग्रोलाइफ लिमिटेड के प्रबंध निदेशक विमल अलावधी ने विगत शुक्रवार को एक बयान में कहा कि सीटीपीआर (क्लोरा-न्ट्रानिलीप्रोल) एक अनूठा कीटनाशक है जो कीट प्रबंधन में काफी असरदार है। यह मृदा में पोषक तत्वों के वितरण में मददगार अजोटोबैक्टर को नुकसान पहुंचाए बगैर फसल को हानि पहुंचाने वाले कीटों की एक विस्तृत श्रृंखला को खत्म कर सकता है। अलावधी ने कहा, सीटीपीआर आधारित कीटनाशक उत्पादों का उपयोग काफी व्यापक है और इसका बाजार वर्तमान में 2,000 करोड़ रुपये से अधिक का है। यह कीटनाशक बाजार में कुल आठ प्रतिशत हिस्सेदारी रखता है। हालांकि अब तक हम सीटीपीआर के लिए दूसरे देशों पर निर्भर थे लेकिन सिंटेक और विस्तारा जैसे उत्पाद इस निर्भरता को कम कर करने में मददगार होंगे।

योगी सरकार इस सेक्टर में देगी बंपर नौकरियां, सीएम ने किया ऐलान

स्पेशियलिटी अस्पतालों में अगले पांच वर्षों में 57 हजार पदों पर भर्ती की जाएगी

> इसमें 15 हजार पदों पर नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ भी शामिल है। कैबिनेट में 10 हजार पदों पर और भर्ती के लिए अनुमति मिली है। जल्द ही इन पदों पर भर्ती शुरू की जाएगी। सीएम योगी ने 45,127 पदों पर भर्ती के लिए 2021 में मंजूरी दी थी।

प्रयागराज (एजेंसी)। उत्तर प्रदेश की योगी आदित्यनाथ सरकार मेडिकल एजुकेशन में अगले 5 साल में 57 हजार पदों पर भर्ती करेगी। सूबे की स्वास्थ्य सेवाओं को बेहतर बनाने के मकसद से सीएम योगी आदित्यनाथ ने यह फैसला किया है। इसमें उन्होंने 10 हजार पदों पर भर्ती के लिए कैबिनेट में मुहर लगाई है। जल्द भर्ती प्रक्रिया शुरू होने वाली है। सीएम योगी ने प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं को चुस्त-दुरुस्त करने के लिए पिछले पांच वर्षों में कई काम किए हैं। सरकारी और निजी मेडिकल कॉलेजों के क्षेत्र में दोगुने से ज्यादा का इजाफा हुआ है। इसी के मद्देनजर एक जिला, एक मेडिकल कॉलेज की नीति पर काम किया जा रहा है। योगी 2.0 के 100 दिनों में संभल और महराजगंज जिले में दो मेडिकल कॉलेजों से एमओयू भी किया जा चुका है और जल्द ही दो अन्य जिलों में मेडिकल कॉलेजों का एमओयू होने जा रहा है। प्रदेश में बढ़ रहे मेडिकल कॉलेजों, संस्थानों और सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में अगले पांच वर्षों में 57 हजार पदों पर भर्ती की जाएगी। सीएम योगी ने 45,127 पदों पर भर्ती के लिए 2021 में मंजूरी दी थी, जिस पर विभिन्न चरणों में भर्ती प्रक्रिया चल रही है और करीब पांच हजार पदों पर भर्ती पूरी भी हो चुकी है। चिकित्सा शिक्षा के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने बताया कि मेडिकल कॉलेजों, संस्थानों और सुपर स्पेशियलिटी अस्पतालों में विभिन्न श्रेणी के कुल 57 हजार पदों पर भर्ती होनी है। इसमें 15 हजार पदों पर नर्सिंग और पैरामेडिकल स्टाफ भी शामिल है। कैबिनेट में 10 हजार पदों पर और भर्ती के लिए अनुमति मिली है। जल्द ही इन पदों पर भर्ती शुरू की जाएगी। दूसरी ओर, यूपी पुलिस या उत्तर प्रदेश पुलिस भर्ती और प्रोन्नति बोर्ड (यूपीपीआरपीबी) ने अपनी आधिकारिक वेबसाइट पर यूपी पुलिस ड्राइवर पद के लिए स्किल टेस्ट शेड्यूल जारी कर दिया है। यूपीपीआरपीबी 12 सितंबर 2022 से ड्राइवर पद के लिए स्किल टेस्ट आयोजित करेगा। जारी शॉर्ट नोटिस के अनुसार, ड्राइवर पोस्ट स्किल टेस्ट 12 से 16 सितंबर 2022 तक आयोजित किया जाएगा। बोर्ड उम्मीदवारों को स्किल टेस्ट के लिए एडमिट कार्ड प्रदान करेगा।

ऑनलाइन भुगतान कंपनियों रेजरपे, पेटीएम, कैशफ्री के ठिकानों पर ईडी ने मारे छापे

नयी दिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शनिवार को कहा कि चीनी नागरिकों के नियंत्रण वाले स्मार्टफोन आधारित गैरकानूनी त्वरित ऋण आवंटन के खिलाफ जारी जांच के सिलसिले में ऑनलाइन भुगतान मंचों रेजरपे, पेटीएम और कैशफ्री के बेंगलुरु परिसरों पर छापेमारी की जा रही है। जांच एजेंसी ने बताया कि तलाशी का यह अभियान कर्नाटक की राजधानी में स्थित इन कंपनियों के छह परिसरों में शुक्रवार को शुरू हुआ था और अब भी यह अभियान जारी है। ईडी ने एक बयान में कहा, चीन के व्यक्तियों के नियंत्रण या परिचालन वाले रेजरपे प्राइवेट लिमिटेड, कैशफ्री पेमेंट्स, पेटीएम पेमेंट सर्विस लिमिटेड और अन्य कंपनियों में तलाशी की कार्रवाई की गई। प्रवर्तन निदेशालय ने कहा कि छापेमारी में चीन के व्यक्तियों द्वारा नियंत्रित इन कंपनियों के मर्चेंट आईडी और बैंक खातों में जमा 17 करोड़ रुपये जब्त किए गए हैं।

पेज एक के शेष

झारखंड को देश...

मुख्यमंत्री ने सभी को धन्यवाद दिया। मुख्यमंत्री ने कहा कि आपका बेटा हेमंत सोरेन आपके हर दुःख-तकलीफ में आपके साथ खड़ा है। आपकी समस्याओं का समाधान के लिए पूरी राज्य सरकार खड़ी है। आप सभी का प्यार और आशीर्वाद से मुझे काम करने की ताकत मिलती है। राज्य सरकार द्वारा आप सभी कर्मियों को पुरानी पेंशन योजना बहाल की गई है। मैं आपको एवं आपके परिजनों को अपनी ओर से शुभकामनाएं देता हूं। मौके पर मंत्री सत्यानंद भोक्ता, मंत्री मिथिलेश ठाकुर, सांसद विजय हांसदा, नेशनल मूवमेंट ऑफ पेंशन स्कीम, झारखंड के प्रांतीय अध्यक्ष विक्रांत कुमार सिंह, कोषाध्यक्ष नितिन कुमार, महिला प्रकोष्ठ की सुधा शर्मा, प्रांतीय मीडिया प्रभारी राजेंद्र प्रसाद सहित सभी सरकारी कर्मचारी संघ के लोग बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

पीड़ित परिवार को...

पहुंचे तो जिला प्रशासन उन सभी परिवारों को लेकर पुनर्वास कराने पहुंचे, लेकिन विशेष समुदाय की महिलाओं और बच्चों के विरोध के बाद पुलिस प्रशासन को वापस जाना पड़ा।

पूरे घटना की जानकारी मिलने के बाद मीडिया से बात करते हुए राष्ट्रीय अनुसूचित जाति आयोग के उपाध्यक्ष अरुण हलधर ने कहा कि आयोग ने सभी बातों की विस्तृत जानकारी ले ली है और यह आश्वस्त करती है कि किसी भी निर्देश के साथ अन्याय नहीं होगा। उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन और पीड़ित परिवारों के बयानों में काफी असमानताएं हैं। एक तरफ पुलिस प्रशासन का कहना है कि यहां मात्र 10 परिवार ही रहते थे और वह पिछले पांच वर्षों से ही इस स्थान पर रह रहे थे। जबकि हकीकत यह है कि यहां 55 सदस्यों से ज्यादा लोग पिछले 40-45 वर्षों से रह रहे हैं। श्री हलधर ने कहा कि किसी को भी इस तरह से किसी का हक और अधिकार छीनने की कानूनी रूप से अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि महादलितों के हक और अधिकार को लेकर जो भी संभव होगा आयोग वैसा ही फैसला लेगा।

वहीं, मौके पर उपस्थित भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष सह पूर्व मंत्री अमर कुमार बाउरी ने कहा कि पलामू में भी चिरडीह जैसी घटना हो रही है। जिस तरह चिरडीह के दलित परिवारों को न्याय दिलाने के लिए मोर्चा एक महीने तक लगातार आंदोलन और लड़ाइया लड़ती रही, उसी तरह पलामू के मुरुमातु के महादलित परिवारों के साथ हुए अन्याय के खिलाफ भी लड़ाई लड़ती रहेगी। उन्होंने साफ तौर पर कहा कि यदि जिला प्रशासन 24 घंटे के अंदर पीड़ित परिवारों को विस्थापित किये गये जगह पर पुनर्वास नहीं करता है तो भारतीय जनता पार्टी अनुसूचित जाति मोर्चा खुद पीड़ित परिवार को उसी स्थान पर घर बना कर बसाने का कार्य करेगी। उन्होंने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि एक तरफ राज्य में महादलितों को उनके घर से बेघर किया जा रहा है, वहीं राज्य सरकार रायपुर और जेट विमान का आनंद ले रही है। राज्य सरकार अपने वोट बैंक और तुष्टिकरण की राजनीति को लेकर एक विशेष समुदाय के लोगों को लाभ पहुंचाने का काम कर रही है। जबकि जिला प्रशासन ने संवेदनशीलता दिखाते हुए पीड़ित परिवार को वापस उसी स्थान पर बसाने का प्रयास किया, लेकिन राजनीतिक दबाव के कारण उनके भी हाथ बांध दिये गये। उन्होंने कहा कि मोर्चा की मांग है कि सभी महादलित पीड़ित परिवार को बाबा साहब अंबेडकर आवास उपलब्ध कराया जाये, साथ ही दोषियों पर त्वरित कार्रवाई की जाये और सभी महादलित परिवारों को सुरक्षा की गारंटी जिला प्रशासन और राज्य सरकार सुनिश्चित करे। मौके पर भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष प्रभात भुईया, प्रदेश महामंत्री रंजय भारती, प्रदेश महामंत्री रंजन पासवान, प्रदेश मंत्री कमलेश राम, भाजपा अनुसूचित जाति मोर्चा के पलामू जिला अध्यक्ष रमेश्वर राम, जिला उपाध्यक्ष सतीश पासवान, जिला उपाध्यक्ष इंद्रदेव राम, जिला मंत्री पंकज कुमार, जिला प्रभारी कुमार गौरव एवं बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित थे।

देवघर डीसी मंजूनाथ...

नजर आये। यहां यह जानना भी जरूरी है कि देवघर के कुंडा थाने में दर्ज कराई गयी शिकायत में सांसद निशिकांत दुबे और उनके दोनों बेटे समेत सांसद मनोज तिवारी, पायलट, एयरपोर्ट के डायरेक्टर संदीप ढींगरा समेत कुल नौ लोगों पर गैरकानूनी तरीके से जबरन एटीसी बिल्डिंग में दाखिल होकर, उड़ान भरने के लिए क्लियरेंस लेने का दबाव बनाने का आरोप लगाया गया है। इस मामले में निशिकांत दुबे ने सफाई देते हुए कहा है कि वह सांसद होने के नाते देवघर एयरपोर्ट के चेयरमैन भी हैं और मनोज तिवारी एविएशन मंत्रालय में एडवाइजरी कमेटी के सदस्य हैं। इस नाते वह नाइट लैंडिंग को लेकर जानकारी हासिल करने के मकसद से एयरपोर्ट डायरेक्टर से मुलाकात कर कुछ बातचीत करने जा रहे थे।

नई मारुति ग्रैंड विटारा की कीमत 9.50 लाख रुपये से 18 लाख रुपये तक हो सकती है

मारुति कारों की बिक्री में बंपर बढ़ोतरी, अगस्त में खूब हुई सेल

> नई मारुति ग्रैंड विटारा की कीमत 9.50 लाख रुपए से 18 लाख रुपए के बीच हो सकती है लेकिन अभी कंपनी ने इस बारे में कोई ऑफिशियल घोषणा नहीं की है।

नई दिल्ली (एजेंसी)। मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड ने एक बार फिर सेल्स के मामले में पॉजिटिव ग्रोथ दर्ज की है। अगस्त 2022 में मारुति सुजुकी की कुल बिक्री 1,65,173 यूनिट्स रही। वहीं अगस्त 2021 में कंपनी ने 1,30,699 यूनिट्स सेल की थीं। फाइनेंशियल इयर 2022-23 में कंपनी ने फाइनेंशियल इयर 2021-22 की तुलना में ज्यादा यूनिट्स सेल कीं। मिनी सेगमेंट में, ऑल्टो और एस-प्रेसो की अगस्त 2022 में 22,162 यूनिट्स सेल हुईं। जो अगस्त 2021 में बेची गईं 20,461 यूनिट्स से ज्यादा थीं। कॉम्पैक्ट सेगमेंट में बलेनो, स्विफ्ट, डिजायर, इग्निस और वैगनआर जैसी कारों की 71,557 यूनिट्स सेल हुई। यह आंकड़ा 2021 में बेची गई 45,577 यूनिट्स से ज्यादा है। अगस्त 2022 में मिनी और कॉम्पैक्ट सेगमेंट में 93,719 यूनिट्स सेल हुईं, जो अगस्त 2021 में बेची गई 66,038 यूनिट्स से ज्यादा है। मारुति फिलहाल बाजार में ग्रैंड विटारा एसयूवी लॉन्च करने की तैयारी कर रही है। नई मारुति ग्रैंड विटारा की कीमत 9.50 लाख रुपए से 18 लाख रुपए के बीच हो सकती है लेकिन अभी कंपनी ने इस बारे में कोई ऑफिशियल घोषणा नहीं की है। इस बहुप्रतीक्षित एसयूवी को माइल्ड हाइब्रिड और मजबूत हाइब्रिड पावरट्रेन के साथ पेश किया जाएगा।

KASHYAP'S DENTAL CLINIC

Dr. Vaibhav Kashyap

Oral & Dental Surgeon, C.c. Endodontist & Implantologist Certified Orthodontist, MIDA

" Smiles & More "

छात्र-छात्राओं के लिए 50% की छूट

Facilities

- आरसीटी
- पायरिया का ईलाज
- टेढ़े-मेढ़े दाँतों का ईलाज
- स्माईल डिजाइन
- इनविजिवल क्लिप
- दंत रोपण
- फिक्स दाँत लगाना
- अत्याधुनिक मशीन और तकनीक के द्वारा ईलाज

CHAMBER

SKYLINE - 4006, 4th Floor, Kadru, Opp. Dr. Lal's Hospital, Ranchi

Contact No. : 9199533383, 7903835453

Time : 9 am to 2 pm & 4 pm to 8 pm

Sunday : 9 am to 2 pm

E-mail : vaibhav.kashyap2011@gmail.com

न्यूज गैलरी

एक हफ्ते में पंजाब में घुसे तीन पाकिस्तानी घुसपैठिये

चंडीगढ़ (एजेंसी)। पंजाब में पाकिस्तान द्वारा लगातार सीमा पार से ड्रोन भेजे जाते रहे हैं। इतना ही नहीं हेरोइन की सप्लाई भी पूरे जोरों पर होती है। इसके अलावा अब एक हफ्ते में तीन व्यक्तियों पाकिस्तान से घुसपैठ की है। फिलहाल ये तीनों सुरक्षा एजेंसियों की निगरानी में हैं। सूत्रों से प्राप्त जानकारी के अनुसार भारत में घुसपैठ की कोशिश कर रहे 3 युवकों को बीएसएफ ने पकड़ा है। आपको बता दें कि एक हफ्ते में ही दो बार घुसपैठ की गई है जिसके चलते इन तीनों को गिरफ्तार किया गया है। जांच में जुटी सुरक्षा एजेंसियों ने बताया कि तीनों ने अपने बयान में एक ही बात कही है। तीनों ने एजेंसियों को एक ही बयान दिया है कि उन्हें भारत अच्छा लगता है और वे यहीं बसना चाहते हैं।

पार्टी कार्यकर्ताओं का उत्पीड़न न रुका तो इस्लामाबाद तक निकालेंगे रैली : खान

इस्लामाबाद (एजेंसी)। पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने सरकार को आगाह किया है कि

अगर उनकी पार्टी के कार्यकर्ताओं का राजनीतिक उत्पीड़न जारी रहा तो वह इस्लामाबाद तक एक विशाल रैली निकालेंगे। द एक्सप्रेस ट्रिब्यून अखबार ने शनिवार को बताया कि देश की सबसे घनी आबादी वाले पंजाब प्रांत के गुजरात में एक जनसभा को संबोधित करते हुए इमरान ने कहा कि उनकी पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के कार्यकर्ताओं को तब से ही अनावश्यक रूप से निशाना बनाया जा रहा है, जब इस साल अप्रैल में अविश्वास प्रस्ताव के जरिए उन्हें प्रधानमंत्री पद से हटाया गया था। इमरान ने कहा कि अगर मौजूदा सरकार ने पीटीआई समर्थकों को निशाना बनाना नहीं बंद किया तो इस्लामाबाद तक आजादी आंदोलन किया जाएगा। मैं आज सरकार को आगाह कर रहा हूं कि अगर आपने यह राजनीतिक उत्पीड़न जारी रखा तो हमारा न्याय आंदोलन इस्लामाबाद पहुंचेगा और आपको कहीं छिपने की जगह नहीं मिलेगी। इमरान ने अपने करीबी सहयोगी शहबाज गिल समेत पार्टी के कुछ कार्यकर्ताओं को राजद्रोह के आरोपों में गिरफ्तार किए जाने के बाद से सरकार के खिलाफ हमले तेज कर दिए हैं। पीटीआई के 69 वर्षीय अध्यक्ष ने गिल पर कथित बलपूर्वक कार्रवाई के लिए सरकार की निंदा करते हुए आरोप लगाया कि उन्हें नग्न और प्रताड़ित किया गया। इमरान ने कहा कि सरकार ने पत्रकार जमील फारूकी को भी प्रताड़ित किया।

पीएम मोदी ने शेयर किया आईएनएस विक्रांत का शानदार वीडियो, बोले-

गर्व की भावना को शब्दों में बयां नहीं कर सकता

नयी दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय नौसेना के पहले स्वदेशी विमानवाहक युद्धपोत आईएनएस विक्रांत पर शुक्रवार को बिताए समय को एक ऐतिहासिक अवसर बताया और कहा कि वह उन पलों की अनुभूतियों को शब्दों में व्यक्त नहीं कर सकते। प्रधानमंत्री ने आईएनएस विक्रांत पर सवार होने पर हुई गर्व की अनुभूति को शनिवार को ट्विटर पर साझा किया और उन्होंने उसका एक वीडियो भी शेयर किया। प्रधानमंत्री ने ट्वीट किया कि भारत के लिए एक ऐतिहासिक दिन! जब मैं कल आईएनएस विक्रांत पर सवार था, तो गर्व की उस भावना को शब्दों में व्यक्त नहीं किया जा सकता।

मोदी ने 262 मीटर लंबे, 62 मीटर चौड़े और 59 मीटर ऊंचे, 40,000 टन के इस पोत को कल केरल तट के पास राष्ट्र को समर्पित किया। इसे कोच्चि शिपयार्ड में बनाया गया और इसमें 76 प्रतिशत से अधिक कल पुर्जे स्वदेशी हैं। इसके साथ भारत गिनती के उन देशों में शामिल हो गया है जिनके पास इतने विशाल विमानवाहक युद्धपोत की रूपरेखा तैयार करने से लेकर उसे तैयार करने की क्षमता है। इसमें सूक्ष्म प्रौद्योगिकी से लेकर विशाल अवसरंचनाओं का निर्माण करने वाली अभियांत्रिकी का समावेश है। मोदी ने कहा कि विक्रांत विशाल है, विराट है, विहंगम है। विक्रांत विशिष्ट है, विक्रांत विशेष भी है। विक्रांत केवल एक युद्धपोत नहीं है। यह 21वीं सदी के भारत के परिश्रम, प्रतिभा, प्रभाव और प्रतिबद्धता का प्रमाण है। उन्होंने कहा कि यदि लक्ष्य दुरन्त हैं, यात्राएं दिगंत हैं, समंदर और चुनौतियां अनंत हैं तो भारत का उत्तर है विक्रांत। आजादी के अमृत महोत्सव का अतुलनीय अमृत है विक्रांत। आत्मनिर्भर होते भारत का अद्वितीय प्रतिबिंब है विक्रांत। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वह आईएनएस विक्रांत को मराठा योद्धा छत्रपति शिवाजी को समर्पित करते हैं।

गुलामी के एक बोझ को अपने सीने से उतार दिया : उन्होंने कहा कि छत्रपति वीर शिवाजी महाराज ने इस समुद्री सामर्थ्य के दम पर ऐसी नौसेना का निर्माण किया, जो दुश्मनों की नींद उड़ाकर रखती थी। जब अंग्रेज भारत आए, तो वे भारतीय जहाजों और उनके जरिए होने वाले व्यापार की ताकत से घबराए रहते थे। इसलिए उन्होंने भारत के समुद्री सामर्थ्य की कमर तोड़ने का फैसला लिया। इतिहास गवाह है कि कैसे उस समय ब्रिटिश संसद में कानून बनाकर भारतीय जहाजों और व्यापारियों पर कड़े प्रतिबंध लगा दिए गए। प्रधानमंत्री ने कहा कि दो सितंबर, 2022 की ऐतिहासिक तारीख को, इतिहास बदलने वाला एक और काम हुआ है। आज भारत ने, गुलामी के एक निशान, गुलामी के एक बोझ को अपने सीने से उतार दिया है। आज से भारतीय नौसेना को एक नया ध्वज मिला है।

देश के सबसे बड़े यू-टर्न नेता हैं अरविंद केजरीवाल : तेजस्वी सूर्या

राजकोट (एजेंसी)। भारतीय जनता पार्टी के सांसद तेजस्वी सूर्या ने शनिवार को आम आदमी पार्टी के प्रमुख अरविंद केजरीवाल को देश का सबसे बड़ा यू-टर्न नेता बताया और कहा कि गुजरात के युवा उनकी रेवड़ी और बेवड़ी की राजनीति को खारिज कर देंगे। भाजपा की युवा शाखा भारतीय जनता युवा मोर्चा (भाजयुमो) के राष्ट्रीय अध्यक्ष ने आरोप लगाया कि केजरीवाल की राजनीति में कोई साख और ईमानदारी नहीं है।

राजकोट शहर में केजरीवाल के संवाददाता सम्मेलन के कुछ ही देर बाद सूर्या ने कहा कि आप नेता के दिल्ली में अच्छे स्कूलों, मोहल्ला क्लिनिक और स्वच्छ राजनीति के दावों का भाजपा ने पर्दाफाश किया है। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया के खिलाफ सीबीआई का छापा स्वच्छ राजनीति के केजरीवाल के दावों के ताबूत में आखिरी कील थी। केंद्रीय जांच ब्यूरो (सीबीआई) ने दिल्ली की आबकारी नीति में कथित भ्रष्टाचार को लेकर पिछले महीने सिसोदिया के आवास पर छापा मारा था। दिल्ली सरकार की विवादित आबकारी नीति का संदर्भ देते हुए बेंगलुरु दक्षिण सीट से सांसद ने कहा कि गुजरात के युवाओं ने (राज्य की) 30 साल की विकास यात्रा को गति प्रदान करने की कसम ली है। पक्का है कि गुजरात के युवा रेवड़ी और बेवड़ी की राजनीति को जरा सा भी जगह नहीं देंगे। हाल के दिनों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रेवड़ी संस्कृति वाली टिप्पणी पर तीखी प्रतिक्रिया मिल रही है।

केजरीवाल देश के सबसे बड़े यू-टर्न नेता : उन्होंने यह टिप्पणी विपक्षी, खास तौर से आप द्वारा वोट पाने के लिए मुफ्त में चीजें देने के वादे पर की है। सूर्या ने कहा कि अरविंद केजरीवाल की राजनीति बिना साख और ईमानदारी की है। वह देश के सबसे बड़े यू-टर्न नेता हैं। यहां तक की उनकी राजनीति भी ऑड-ईवन के हिसाब से चलती है।

मुंबई एयरपोर्ट पर 13 करोड़ की कोकीन जब्त

मुंबई (एजेंसी)। मुंबई सीमा शुल्क विभाग ने अंतर्राष्ट्रीय हवाईअड्डे पर घाना से आए एक यात्री को गिरफ्तार किया है, जो

> ■ पेट में छिपाकर रखे थे कोकीन के 87 कैप्सूल

भारत में कोकीन की तस्करी करने की कोशिश कर रहा था। उसने यह मादक पदार्थ 87 कैप्सूल के जरिये अपने पेट में छिपाकर रखा हुआ था। सीमा शुल्क विभाग ने कहा कि यात्री के पास से बरामद 1,300 ग्राम कोकीन की कीमत 13 करोड़ रुपए है। घटना 28

अगस्त की है, जब मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डा पर, यात्री पर संदेह होने के बाद उसे रोका गया और उसे एक सरकारी अस्पताल ले जाया गया। मुंबई कस्टम्स-3 के ट्विटर हैंडल से किये गये एक ट्वीट में कहा गया है कि यात्री घाना से मुंबई हवाईअड्डे पर पहुंचा और संदेह होने पर उसे सीमा शुल्क अधिकारियों ने रोका। तलाशी के दौरान, अधिकारियों को उसके सामान से कुछ नहीं मिला, लेकिन जांच में पता चला कि उसके पेट में 87 कैप्सूल हैं, जिनमें कोकीन छिपाकर लाई गई है। आरोपी को एक सरकारी अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उसने तीन दिनों में ये कैप्सूल उगले। सीमा शुल्क विभाग ने कहा कि यात्री को मादक पदार्थ रोधी कानून के तहत गिरफ्तार किया गया और मामले की जांच जारी है।

जन विद्रोह के बाद देश छोड़नेवाले गोटाबाया स्वदेश लौटे

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति गोटाबाया राजपक्षे देश में अभूतपूर्व आर्थिक संकट के खिलाफ जन विद्रोह के बाद देश छोड़कर भाग जाने के दो महीने से भी कम समय में स्वदेश लौट आए हैं। डेली मिरर अखबार की रिपोर्ट के अनुसार श्री राजपक्षे (73) शुक्रवार को श्रीलंका लौटे। वह करीब सात हफ्ते बाद श्रीलंका वापस आए हैं। जुलाई में वह आर्थिक संकट की वजह से लोगों के उग्र प्रदर्शन को देखते हुए देश छोड़कर भाग गए थे। वह भंडारनायके अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे पर भारी सुरक्षा के बीच पहुंचे।

रेडिएशन का असर जानने के लिए नासा दो महिला और एक पुरुष हाईटेक पुतले को भेज रहा चांद पर

\- आरएनएम

नयी दिल्ली। अंतरिक्ष में रेडिएशन का खतरा बहुत ज्यादा होता है। ज्यादातर मामलों में कैंसर भी हो

> ▸▸ इन्हें इंसानों के शरीर के टिश्यू जैसे प्लास्टिक से बनाया गया है
>
> ▸▸ इनमें मनुष्य की तरह हड्डियां, खाल और फेफड़े होंगे

जाता है। इसलिए चांद पर फिर से इंसानों को भेजने की तैयारी में जुटा अमेरिका, अपने आर्टेमिस-1 मिशन में इंसानों के बजाय तीन हाइटेक पुतलों को भेज रहा है। इन पुतलों को मैनिकिंस कहते हैं और इस तरह के खास मैनिकिंस का साइंटिफिक रिसर्च के लिए इस्तेमाल किया जाता है। इनके नाम हेल्गा, जोहर और मूनिकिन कैंपोस हैं। इन्हें एक साथ फैंटम्स कहा जाता है। इन पुतलों को जर्मनी के ऐरोस्पेस सेंटर डीएलआर ने बनाया है। वहीं, तीसरे पुतले का नाम मूनिकिन कैंपोस है, जिसका शरीर पुरुषों जैसा है। नासा के ये पुतले बिल्कुल इंसानों की तरह हैं। इन्हें इंसानों के शरीर के टिश्यू जैसे प्लास्टिक से बनाया गया है। इनमें भी ह्यूमन की तरह हड्डियां, खाल और फेफड़े होंगे। हेल्गा और जोहर महिलाओं के शरीर जैसे पुतले हैं। इन्हें अंतरिक्ष में महिलाओं के शरीर पर होने वाले रेडिएशन का असर जांचने के लिए भेजा जा रहा है। तीसरा पुतला मूनिकिन कैंपोस को ये जांचने के लिए भेजा जा रहा है कि आनेवाले समय में इंसानों का चांद पर जाना कितना मुश्किल होगा। ये अंतरिक्ष के बारे में समझ बढ़ाने के लिए किये जानेवाले वैज्ञानिक प्रयोगों में से एक है।

हजारों सेंसर्स रिकॉर्ड करेंगे रेडिएशन का असर

पुतलों के शरीर के उन हिस्सों पर सेंसर्स लगाये गये हैं, जहां इंसानों के शरीर में रेडिएशन का असर सबसे ज्यादा होता है। लॉन्च से लेकर धरती पर वापस आने तक इनके हजारों सेंसर्स अंतरिक्ष में इंसानों के शरीर पर रेडिएशन के होने वाले संभावित असर को रिकॉर्ड करेंगे।

पहली बार फल पर बैठने वाली मक्खियां गयी थीं अंतरिक्ष : 20 फरवरी 1947 को फल पर बैठने वाली मक्खियां अंतरिक्ष में भेजी गयी थीं। यह पहली बार था कि कोई जिंदा प्राणी अंतरिक्ष में गया हो। इसके बाद चूहे, बंदर, बिल्लियां, मेंढक, कुत्ते जैसे कई जानवरों को अंतरिक्ष भेजा गया।

आरबीआई आज भी नोटबंदी की फाइनल टैली का खुलासा क्यों नहीं करता : सुब्रमण्यम स्वामी

\- ब्यूरो

नयी दिल्ली। पूर्व केंद्रीय मंत्री, अर्थशास्त्री व भाजपा नेता सुब्रमण्यम स्वामी ने जाली नोट के सर्कुलेशन को लेकर एक खबर को शेयर करते हुए कहा कि नोटबंदी में जाली नोटों को असली नोटों से धड़ल्ले से बदला गया। इसी की वजह से आरबीआई आज भी नोटबंदी की फाइनल टैली का खुलासा नहीं करता है। सुब्रमण्यम स्वामी ने इस बारे में ट्वीट में लिखा कि कोई सरकार नकली नोटों के रैकेट से निपटी नहीं। वास्तव में मोदी सरकार की नोटबंदी के दौरान अधिकांश नकली नोटों को नये और असली नोटों से बदला गया। इसीलिए आरबीआई आज भी फाइनल टैली का खुलासा करने से इनकार करती है। आरबीआई गवर्नरों को मुद्रा धोखाधड़ी पर उनकी नरमी के लिए चुना जाता है। स्वामी ने कहा कि सॉफ्ट आरबीआई गवर्नर इसलिए चुनते हैं कि वो फेक करेंसी को लेकर होनेवाली धांधली पर नरमी बरतते हैं। स्वामी ने यह ट्वीट एक यूजर द्वारा शेयर खबर के रिप्लाई में किया है। खबर में कहा गया है कि आतंकियों को फंडिंग करने में नकली नोटों का सर्कुलेशन बढ़ा है।

मालूम हो कि नोटबंदी के बाद से नकली नोटों को लेकर केंद्रीय राज्य वित्त मंत्री पंकज चौधरी ने अगस्त में संसद में बताया था, एजेंसियों की रिपोर्ट के मुताबिक, कई मामलों में पाया गया है कि जाली नोटों की तस्करी पड़ोसी मुल्कों से हो रही है। उन्होंने कहा कि जहां बैंकिंग सिस्टम में पाये जानेवाले नकली नोटों की संख्या में कमी पायी गयी है, तो वहीं कानून प्रवर्तन एजेंसियों के जब्त किये गये नोटों में वृद्धि हुई है। संसद में उन्होंने बताया कि 7.62 लाख पीस जाली नोट साल 2016-17 में देखने को मिले थे। वहीं, साल 2021-22 में 2.08 लाख नोट रह गये। पंकज चौधरी ने कहा कि साल 2016 में नोटबंदी के बाद से जाली नोटों की संख्या में गिरावट आयी है।

फलों व सब्जियों पर एडिबल कोटिंग लगाओ, पांच दिन से दो माह तक ताजा खाओ

\- आरएनएम

नयी दिल्ली। इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी गुवाहाटी के शोधार्थियों ने एडिबल कोटिंग/खाने वाली परत बनायी है। इसके लेप से फल व सब्जियां ज्यादा समय तक ताजा रहेंगी। यह शोध ईसीएस फूड साइंस एंड टेक्नोलॉजी जर्नल में प्रकाशित की गयी है। शोधार्थियों ने एडिबल कोटिंग को आलू, टमाटर, हरी मिर्च, स्ट्रॉबेरीज, सेब, अनानास और कीवी जैसी सब्जी-फलों पर लगाया।। इस बारे में आईआईटी गुवाहाटी के डिपार्टमेंट ऑफ केमिकल इंजीनियरिंग के प्रोफेसर विमल कटियार का कहना है कि कोटिंग से खाने की चीजें दो माह तक ताजा रह सकती हैं। उदाहरण के लिए, कोटिंग लगाने के बाद टमाटर की शेल्फ लाइफ एक महीना बढ़ जाती है। स्ट्रॉबेरी की शेल्फ लाइफ महज पांच दिन

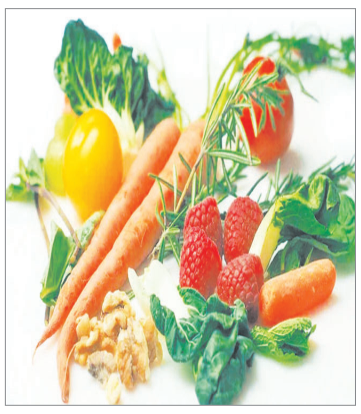

की होती है, लेकिन एडिबल कोटिंग की मदद से इन्हें 20 दिन बाद भी खाया जा सकता है।

एडिबल कोटिंग : एडिबल कोटिंग में दो पदार्थ मौजूद हैं। पहला- माइक्रो एल्गी (शैवाल) का एक्सट्रैक्ट और दूसरा- पॉलीसेकेराइड (एक तरह का कार्बोहाईड्रेट)। एक्सट्रैक्ट को समुद्री

> ■ लेकिन कोटिंग में शेलफिश की खोपड़ी से निकालकर बनाये गये काइटोसन के प्रयोग से शाकाहारियों को हो सकता है ऐतराज

माइक्रोएल्गी डुनालीएला टेरिओलेक्टा से निकाला गया है। एल्गी का तेल मछली के तेल का प्लांट बेस्ड विकल्प और एक हेल्थ सप्लिमेंट है। तेल निकालने के बाद बचे हुए पदार्थ को फेंक दिया जाता है। कटियार और उनकी टीम ने इसी बचे हुए पदार्थ का इस्तेमाल एडिबल कोटिंग बनाने में किया। इसे काइटोसन में मिलाया गया, जो एक तरह की शुगर होती है। इसे शेलफिश की खोपड़ी से निकालकर बनाया जाता है।

कटियार का कहना है कि वह अपनी टीम के साथ मिलकर बीते छह साल से सब्जियों और फलों की शेल्फ लाइफ बढ़ाने के लिए कोटिंग तैयार कर रहे हैं। अब उन्हें सफलता हासिल हो गयी है। उनके अनुसार कोटिंग का मटेरियल पूरी तरह नॉन-टॉक्सिक और खाने के लिए सुरक्षित है। उन्होंने कहा कि हम एडिबल कोटिंग को इंडस्ट्रीज की मदद से मार्केट में लाने के लिए तैयार हैं। हम इंडस्ट्रीज से गुजारिश करते हैं कि वो इस प्रोजेक्ट में हमारी मदद करें, ताकि इससे किसानों की आमदनी में इजाफा हो सके। लेकिन इस बारे में जानने के बाद तमाम लोग कहने लगे हैं कि कोटिंग में शेलफिश की खोपड़ी से निकालकर बनाए गये काइटोसन के प्रयोग से शाकाहारियों को ऐतराज हो सकता है